हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

20 मार्च, 2007

खण्ड 1, अक–8

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 20 मार्च, 2007

पृष्ठ संख्या

सदस्यों को नेम/निलम्बन करना	(8)1
इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यों के आचरण एवं व्यवहार की निंदा करना	(8)10
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(8)12
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(8) 23
अनुपस्थिति की अनुमति	(8) 37
सेंकड हार्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर 26, चण्डगिढ के विद्यार्थियों का अभिनन्दन	(8) 37
विधान कार्य–	(8) 38
1 दि पंजाब लेबर वैल्फेयर फण्ड (हरियाणा अमैंडमेंट) बिल, 2007	
2. दि पंजाब इंडस्ट्रियल एंस्टेब्लिशमैंट्स (नैशनल एंड फैस्टीवल होलीडेज एंड कैजुअल एंड सिक लीव)	

हरियाणा अमैंडमेंट बिल, 2007	
3. दि हरियाणा लोकल एरिना डिवैल्पमैंट टैक्स (अमैंडमेंट) बिल, 2007	
प्राइवेट सदस्य विधेयक	(8) 44
वर्ष 2007– 08 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)45
श्री ओम प्रकाश चौटाला, एम०एल०ए ० के विरुद्ध विशेषाधिकार भंग का प्रश्न	(8) 58
वर्ष 2007–08 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8) 71
बैठक का समय बढाना	(8) 82
वर्ष 2007– 08 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8) 83
बैठक का समय बढाना	(8)89
जीव आयोग की रिपोर्ट सदन की मेज पर रखना	(8) 90

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार 20 मार्च, 2007

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल. विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (डॉ० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

सदस्यों को नेम/ निलम्बन करना

Mr. Speaker: Hon'ble Members. now the question hour starts.

श्री ओम प्रकाश चौटाला: क्वैश्चन आवर टेक– अप करने से पहले आप मेरी बात सुनें। (शौर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, आप क्येश्चन आवर के बाद जीरो आवर में अपनी बात कहना, Question hour को आप सिरियसली नहीं लेते। (शोर एवं व्यवधान)?

श्री ओम प्रकाश चौटाला: नहीं, हम सिरियसली लेते हैं। (शोर एवं व्यवधीन)।

श्री अध्यक्ष: मैं अपिको आपकी बात कहने के लिए क्वैश्चन आवर के बाद टाईम दूँगा (शोर एवं व्यवधान)।

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, कल आई ०एन०एल ०डी० के मैम्बर्ज के खिलाफ सदन ने जो निन्दा प्रस्ताव

पारित किया था वह वापिस लिया जाए और सदन उसके लिए से माफी माँगे। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आपको अपना रवैया ठीक करना पड़ेगा। (शोर राव व्यवधान) आपने हाऊस को तमाशा बना रखा है।

श्री अध्यक्षः आप अपनी सीट पर बैठे। (शोर) क्वैश्चन आवर के बाद आप अपनी बात कहना। (शोर एवं व्यवधान)।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः हम आपकी यह तानाशाही नहीं चलने देंगे। आपका रवैया ठीक नहीं है। हम सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। (शोर एवं व्यवधान) हम यहाँ पर गालियाँ खाने थोड़े ही आए हैं। (शोर)

Mr. Speaker: Please take your seat. आपको जस्ट आफटे क्वैश्चन आवर बोलने का टाईम दूँगा। (शोर एवं व्यवधान)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यध महोदय, आई०एन०एल०डीं० के सदस्य कहते हैं कि ये सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। (शोर एवं व्यवधान) क्या सदन किसी व्यक्ति विशेष की मलकीयत है? (शोर एवं व्यवधान) ये इस तरह से चेयर को थैट नहीं कर सकते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम जनता के चुने हुए नुमाइंदे हैं, आप हमें बोलने से नहीं रोक सकते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप जनता के चुने हुए नुमाइंदे हो। यह बात हम भी जानते हैं, जनता के चुने हुए नुमाइंदे हो। आप चौधरी देवीलाल की मेहरबानी से आये हो यहाँ, आप चौ० देवीलाल की मेहरबानी से यहाँ बैठे हो। हम बैठे हैं जनता की मेहरबानी से। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, ये मेरे जो साथी हैं ये तो बतायें कि कारण क्या है, क्या ग्राऊज हैं, क्या चाहते हैं? (शोर एवं व्यवधान)।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ... (शोर)

Mr. Speaker: Nothing to be recorded. ये अनर्गल बातें रिकॉर्ड नहीं की जानी चाहिएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः साजिशें तो आप करते थे मैंने तो आपको नेम करने के बाद भी स्पीकर से रिक्वैस्ट करके हाऊस में बुलाया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः पहले सदन से माफी मांगी जाये कि किस साजिश के तहत हमारे खिलाफ निन्दा का प्रस्ताव पारित किया गया, आपने सदन को तमाशा बना रखा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: सदन से माफी तो आपको मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Mr. Om Parkash Chautala, please take your seat. (interruptions)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: आप लोग कुछ नहीं बोलना चाहते। आप तो वैसे ही सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं। आपके पास कोई जन हित के मुद्दे नहीं। कोई कंस्ट्रक्टिव सुझाव भी नहीं है ओर सदन का समय खराब कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): चौटाला जी आप मुख्य मंत्री रहे हैं फिर भी आप गलत भाषा का उपयोग कर रहे हैं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, मुझे बड़ा खेद है। जो व्यक्ति मुख्य मंत्री रहा हो और विधायक रहा हो उसको सदन की कुछ तो गरिमा रखनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप चुनकर आये हैं, जनता के प्रति आपका कुछ नैतिक कर्त्तव्य है। (शोर)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, क्या ये प्रजातंत्र की तहजीब है और ये कहते हैं कि हाऊस को नहीं चलने देंगे जैसे हाऊस इनकी बपौती हो। (शोर

रख व्यवधान) ये तमाशा शब्द का इस्तेमाल करते हैं। क्या यह Parliamentary practices का हिस्सा है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: यह चौपालघर नहीं है, यह हरियाणा विधानसभा का हाऊस है। ये किसने बना दिया तेरे को, किसने बना दिया। तू देवीलाल की मेहरबानी से आ रहा है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला: .... (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please take your seat. Nothing is to be recorded. (interruptions) I warn you.

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्य सदन की वैल में आकर नारेबाजी कर रहे थे तानाशाही नहीं चलेगी, तानाशाही नहीं चलेगी, हरियाणा सरकार मुर्दाबाद, तानाशाही नहीं चलेगी, हरियाणा सरकार मुर्दाबाद, तानाशाही नहीं चलेगी, हरियाणा सरकार मुर्दाबाद, तानाशाही नहीं चलेगी, हरियाणा सरकार मुर्दाबाद, तानाशाही नहीं चलेगी, हरियाणा सरकार मुर्दाबाद)

Mr. Speaker: Please take your seats. Nothing is to be recorded. (interruptions)

डॉ० सुशील इन्दौरा अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Indora Ji, please take your seat.

डॉ० सीता राम: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Indora Ji. I warn you.

डॉ० सुशील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, ...

डॉ० सीता राम: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Indora Ji, I again warn you.

डॉ० सुशील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: I warn you Indora Ji. Please go to your seat, otherwise, I will have to name you.

Dr. Sushil Indora: Speaker Sir, ***********

Mr. Speaker: I name Dr. Sushil Indora. He may please leave the House. (Dr. Sushi) Indora did not leave the House.)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the Watch and Ward staff.

(At this stage, the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff took Dr. Sushil Indora out of the House.)

Dr. Sita Ram: Speaker Sir, *****

Mr. Speaker: I warn you Dr. Sita Ram.

Dr. Sita Ram: Speaker Sir, ****

Mr. Speaker: I warn you Dr. Sita Ram.

Dr. Sita Ram: Speaker Sir, ****

Mr. Speaker: I warn you Dr. Sita Ram, Please go to your seat, otherwise, I will have to name you.

Dr. Sita Ram: Speaker Sir, ********

Mr. Speaker: I name Dr. Sita Ram. He may please leave the House. (Dr. Sita Ram did not leave the House.)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the Watch and Ward staff.

(At this stage, the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff took Dr. Sita Ram out of the House.)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, न तो इनके नेता और न ही ये कुछ सीखने वाले है। ये तमाशा जैसे शब्द का इस्तेमाल करते हैं। ये चेयर को ब्रेट करते हैं कि हाऊस की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। न इनको parliamentary practices की तहजीब है, न इन्हें इस बात की जानकारी है कि हाऊस किस प्रकार से चलाना है। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please, take your seats, please take your seats. (interruptions) Please take your seat.

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल के सदन में उपस्थित सदस्य नारेबाजी कर रहे थे, हरियाणा सरकार मुर्दाबाद, हरियाणा सरकार मुर्दाबाद, तानाशाही नहीं चलेगी, तानाशाही नहीं चलेगी)

श्री अध्यक्ष: आप अपने नेता से पूछ कर ऐसा कर रहे है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप सभी लोग अपनी सीटों पर बैठें। (विघन एवं शोर)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, ये लोग तो बाहर से ही पढ़ कर आए हैं, इन लोगों को चाहिए कि हाऊस में बैठ कर कुछ काम की बात सीखें। अध्यक्ष महोदय, न तो इनके नेता और न ही ये लोग यहाँ। पर कुछ सीखने के लिए आए है और यहाँ पर तमाशा शब्द का इस्तेमाल करते हैं। (विघन एवं शौर) ये लोग थ्रैट करते हैं कि हाऊस को नहीं चलने देंगे इन्हें पार्लियामैंट्री प्रैक्टिस की तहजीब नहीं है। (विघन एवं शोर) अध्यक्ष महोदय.. इनको इस बात की भी जानकारी नहीं है कि हाऊस की कार्यवाही किस प्रकार से चलती है। (विघन एवं शोर)

Mr. Speaker: Please take your seats. (Interruptions) Please take your seats (Intruptions). Please take your seats (Interruptions)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded without my permission. Please take your seats, (Interruptions)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, ये लोग बाहर से पढ़ कर आते है और जिस स्कूल के अन्दर ये लोग शिक्षा

ले रहे हैं और जिस शिक्षक से शिक्षा ले रहे हैं उन्हें यह भी तहजीब नहीं कि पार्लियामैंट्री प्रैक्टिस कैसे चलती है। ये इनसे क्या सीखेंगे?

श्री अध्यक्ष: क्वैश्चन आवर हाउस का सबसे इम्पोटैट पार्ट है और क्वेश्चन आवर में आपको बहुत सी इन्फर्मेशन्ज मिलेंगी। Please take your seats. (Interruptions) आप लोग अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) क्वैश्चन आवर के बाद आप सभी को 10–10 मिनट का टाइम दे देते हैं, प्लीज आप अपनी सीटों पर बैठे। (शोर एवं व्यवधान) आपने जो भी कहना है वह जीरो आवर में कहें, अब आप लोग अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) Please take your seats.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, किसी भी राजनीतिक दल कोयह अख्तियार नहीं है कि हाउस की कार्यवाही न चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम फल चिड़ाना: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Please take your seat. Nothing is to be recorded. (Interruptions)

श्री राम फल चिड़ाना: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Ram Phal Chirana Ji, please take your seat.

श्री राम फल चिड़ाना: अध्यक्ष महोदय, ...

श्री ज्ञान चन्द औढ: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Ram Phal Chirana Ji, I warn you. (Interruptions)

श्री राम फल चिड़ाना. अध्यक्ष महोदय, ...

श्री ईश्वर सिंह पलाका: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Chirana Ji, I again warn you.

श्री राम फल चिड़ाना: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: I warn Ram Phal Chirana. Please go to your seat, otherwise, I will have to name you. (Interruptions)

श्री राम फल चिड़ाना: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: I name Ram Phal Chirana. He may please leave the House. (Interruptions)

(Shri Ram Phal Chirana did not leave the House)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the Watch and Ward staff.

(At this stage, the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff took Shri Ram Phal Chirana out of the House).

श्री ईश्वर सिंह पलाका: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Ishwar Singh Palaka Ji, please take your seat. (Interruptions)

श्री बलवन्त सिंह सढौरा: अध्यक्ष महोदय, ...
....

श्री ईश्वर सिंह पलाका: .अध्यक्ष महोदय, ...
.... (Interruptions)

श्री ज्ञान चन्द औढ: अध्यक्ष महोदय, ...

श्री ईश्वर सिंह पलाका: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: Ishwar Singh Palaka Ji, I warn you.

श्री ईश्वर सिंह पलाका: अध्यक्ष महोदय, ...
.

Mr. Speaker: Ishwar Singh Palaka Ji, I again warn you. (Interruptions)

श्री ईश्वर सिंह पलाका: अध्यक्ष महोदय, ...

Mr. Speaker: I warn Ishwar Singh Palaka. Please go to your seat, otherwise, I will have to name you. (Interruptions)

Mr. Speaker: I name Ishwar Singh Palaka. He may please leave the House.

(Shri Ishwar Singh Palaka did not leave the House.)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the Watch and Ward staff.

(At this stage, the Sergeant-at-Arms with the aid of

the Watch and Ward staff took Shri Ishwar Singh Palaka out of the House.)

श्री बलवन्त सिंह सढौराः स्पीकर साहब, आप ऐसे केसे हाउस चला रहे हैं (विघ्न एवं शोर)

Mr. Speaker: Please take your seat (interruptions).

श्री बलवन्त सिंह सडोराः स्पीकर साहब, ...
.

Mr. Speaker: Mr. Sadhaura, please take your seat. (interruptions). Nothing is to be recorded.

श्री ज्ञान चन्द औढः स्पीकर साहब, इस प्रकार से हम हाउस नहीं चलने देंगे। (विघ्न एवं शोर)

Mr. Speaker: Mr. Gian Chand ji, please take your seat. (interruptions).

श्री ज्ञान चन्द औढः स्पीकर साहब, ...

Mr. Speaker: Mr. Gian Chand ji, please take your seat. (interruptions). Nothing is to be recorded.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इन लोगों का इस प्रकार का व्यवहार न केवल आपत्तिजनक है बल्कि शर्मनाक भी है। (विघ्न एवं शोर) मैं आपकी इजाजत से इनके खिलाफ मोशन मूव करना चाहता हूँ।

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs

Minister will move a motion. Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir I beg to move -

That Shri Gian Chand Oadh and Shri Balwant Singh Sadhaura be suspended from the service of the House for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the members of this august House and their grossly disorderly conduct in the House for the remainder sittings of the present Session.

Mr. Speaker: Motion moved -

That Shri Gian Chand Oadh and Shri Balwant Singh Sadhaura be suspended from the sev ice of the House for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the members of this august House and their grossly disorderly conduct in the House for the remainder sittings of the present Session.

Mr. Speaker: Question is -

That Shri Gian Chand Oadh and Shri Balwant Singh Sadhaura be suspended from the service of the House for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the members of this august House and their grossly disorderly conduct in the House for the remainder sittings of the present Session.

(The motion was carried.)

(Shri Gian Chand and Shri Balwant Singh did not leave the House.)

Mr. Speaker: Marshal, take them out of the House

with the aid of the Watch and Ward staff.

(At this stage, the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff took Shri Gian Chand and Shri Balwant Singh out of the House.)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ...

.

(इस समय श्री ओम प्रकाश चौटाला सदन की वैल में खडे–खड़े ऊँची आवाज में बोलने लगे)

श्री अध्यक्षः मेरी परमिशन के बगैर जो बोला जा रहा है वह रिकॉर्ड न किया जाए। **श्री अध्यक्षः** चौधरी साहब, आप बजट पर बोल सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) अपि क्वैश्चन ऑवर के बाद बोल सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः इस रिवायत से इस हाउस को चलने नहीं देंगे। (शोर एवं व्यवधान) ....

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. (Interruptions)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को पूरे सदन से माफी मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इनको तो आपसे भी माफी मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) जिस प्रकार से आपत्तिजनक और

शर्मनाक व्यवहार चौटाला जी और इनके साथियों का रहा है, उसके लिए इनको माफी मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः ....

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, चौधरी साहब। (शोर एवं व्यवधान) मेरी इजाजत के बगैर रिकॉर्ड न किया जाये। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः ....

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, ये मुख्यमंत्री रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) इनको पता नहीं है कि सदन की गरिमा कैसे रखी जा सकती है? (शोर एवं व्यवधान) ये तो अध्यक्ष को भी अपमानित शब्द बोलते हैं। (शोर एवं व्यवधान) ये कुछ तो सदन की गरिमा रखें। (शोर एवं व्यवधान) इनके पास बोलने को तो कुछ नहीं है। कोई मुद्दा नहीं है। अगर कुछ है तो सदन में रहकर ये बोलें। (शोर एवं व्यवधान) है तो बोलो। (शोर एवं व्यवधान) हम कह रहे हैं कि है तो बोलो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः ....

श्री अध्यक्षः आप जीरो आवर में अपनी बात उठा सकते हो। (शोर एवं व्यवधान) आपके रैजोल्यूशन थे, तब आप यहां से उठकर चले गये थे। (शोर एवं व्यवधान) आपका प्रस्ताव था, आपके सवाल सदन में आते हैं। उस बारे में पूछने वाला आपकी तरफ से सदन में कोई नहीं होता है। (शोर एवं व्यवधान) मुझे भी

पता है कि आप जनता से चुन कर नहीं आए हैं। (शोर एवं व्यवधान) चौटाला जी मैं आपको वान करता हूँ। आप अपनी सीट पर जाएं। (शोर एवं व्यवधान) आप चौधरी देवी लाल की मेहरबानी की वजह से आए हो। (शोर एवं व्यवधान) हम जनता की मेहरबानी से आए हैं। (शोर एवं व्यवधान) मेरा बाप तो 14 साल का हाली लग गया था । (शोर एवं व्यवधान) मेरा बाप तो किसान था। हम तो परमात्मा और जनती की मेहरबानी से इस हाउस में आए है तथा इस हाउस की मेहरबानी से इस चेयर पर बैठे हैं। (शोर एवं व्यवधान) तू कितना सुथरा है, तन्न पता लग जाएगा (शोर एवं व्यवधान) कोढिया के पुल पर जाकर बैठ जाए तो एक इक्कनी भी तेरे डाल दे तो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: तेरा यह क्या तरीका है बात करने का। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आपका क्या तरीका है? आपका क्या तरीका है? (शोर एवं व्यवधान) आपका क्या तरीका है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी किस प्रकार से चेयर से बात कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) क्या इनका तरीका है? किस प्रकार से ये गन्दी और अश्लील भाषा का सदन में प्रयोग कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: शट– अप। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप चेयर के लिए ऐसे शब्द इस्तेमाल न करें। (शोर एवं व्यवधान) **श्री ओम प्रकाश चौटाला:** शट–अप। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: ऐसा कहना कम से कम आपके लिए शोभा नहीं देता इसलिए मैं आपको वार्न करता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: ....

Mr. Speaker: I name you. I name you.

श्री ओम प्रकाश चौटाला: हप्प, शट– अप। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप कृपया बाहर चले जाएं। (शोर एवं व्यवधान) मार्शल इनको बाहर ले जाओ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप ऐसे कर रहे हैं यह ठीक नहीं है। आप धक्केशाही चला रहे हो, इस प्रकार करोगे तो आपके कीड़े पड़ेंगे। इस कुर्सी पर मरेगा बैठके। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आज आपका व्यवहार बहुत ही अनुचित है। आप अपने आपको सम्भाले। (शोर एवं व्यवधान) इसको अमृतसर में दाखिल होना चाहिए था अमेरिका चला गया। (शोर एवं

व्यवधान) Marshal, take him out of the House with the aid of the Watch and Ward Staff.

(At this stage, the Sergeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward Staff took Shri Om Parkash Chautala out of the House)

इण्डियन नेशनल लोकदल के सदस्यों के आचरण एवं व्यवहार की निन्दा करना

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, आज का दिन फिर से इस महान् सदन में एक दुर्भाग्यपूर्ण दिन है। इण्डियन नेशनल लोकदल के मुट्ठी भर सदस्य और उनके नेता जब से यहाँ पर आए तब से सदन की गरिमा को भंग किया है। पहले दो साल तो श्री ओम प्रकाश चौटाला ने इस बात की जरूरत नहीं समझी कि वे इस सदन में आकर सरकार को कोई रचनात्मक सुझाव दें, नीतिगत सुझाव दें, प्रान्त की तरक्की में सहयोग दें और उसके लिए हमारे साथ भागीदार बनें। अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश जी दो साल तो बीमार होने का बहाना लेकर या इलाज करवाने के बहाने से सदन की कार्यवाही से नदारद रहे। ये सांपला और पानीपत में आकर जलसे और रैलियाँ तो करते रहे और उनको सम्बोधित करते रहे लेकिन जब–जब आप सदन बुलाते थे तो बीमारी का बहाना कर देते थे। आज जिस प्रकार से इन्होंने सदन में शर्मनाक और आपत्तिजनक व्यवहार किया है, जिस प्रकार से ओमप्रकाश चौटाला जी ने गाली के शब्दों का इस्तेमाल किया

है, मुझे नहीं लगता है कि इस महान् सदन में कोई ऐसा व्यक्ति है चाहे वह पहली बार ही चुन कर आया हो, उसने भी कभी इस तरह की गन्दी भाषा का इस्तेमाल किया हो 1 उन्होंने सदन में सदन के लिए भी और चेयर के लिए भी गन्दी भाषा का इस्तेमाल किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं चौटाला जी के लिए कहना चाहूँगा कि रस्सी जल गई पर बल नहीं गया है। सच्ची बात तो यह है कि वे अभी भी उस अहंकार की सोच से ग्रस्त हैं, वे उसी घमण्ड से ग्रस्त हैँ जो उनको सत्तापक्ष में बैठे हुए हुआ करता था। तब वे सदन को पैंसिल से चलाया करते थे। उस वक्त ऐसा भी समय था जब सदस्यों को सदन से निकालकर सदन के दरवाजों की चिटकनियां अन्दर से बंद कर ली जाती थीं। जब सदन में उनके खिलाफ बोलने वाले व्यक्ति पर शारीरिक हमले किये जाते थे, जब उनके अपने सदस्यों के हाथ पाँव केवल इसलिए तुड़वा दिए जाते थे कि वे जनहित की बात रखते थे। आज भी ओम प्रकाश चौटाला जी ने बड़ी आपत्तिजनक भाषा का उपयोग किया। उन्होंने बोलते हुए कहा कि मैं सदन नहीं चलने दूँगा। उन्होंने चेयर की तरफ भी एसपर्शन कॉस्ट किया। वे पहले से ही सोची समझी नीयत के साथ तैयार होकर आए थे। स्पीकर सर क्वैश्चन ऑवर जिसमें प्रान्त की नीतिगत समस्याओं की जानकारी सरकार देती है और माननीय सदस्यगण इसमें प्रश्न पूछते हैं परन्तु उनका इस तरह की किसी बात से वास्ता नहीं था वह तो भयभीत हैं कि उनके कच्चे चिट्ठे जिस प्रकार से खुलेंगे वह उन्हें न तो सुनना चाहते थे, न सदन की कार्यवाही के अंदर वे पार्टिसिपेट करना

चाहते थे, न वे मीनिंगफुल सुजैशन देना चाहते थे। उनका लक्ष्य केवल एक ही है कि व्यवधान डालो, विघ्न डालो, अनर्गल बातें करो, गन्दी और छोटी भाषा का उपयोग करो। स्पीकर सर, आज इस सदन के अंदर हमारे देश की अगली पीढ़ी देश की छात्राएं इस सदन की कार्यवाही देखने आयी हुई हैं जो व्यक्ति दो–दो बार इस प्रान्त का मुख्यमंत्री रहा हो, उनके और उनकी पार्टी के सदस्यों के बारे तथा इस महान् सदन के बारे में वह देश की अगली पीढ़ी क्या इम्प्रैशन लेकर जाएगी? क्या वे लोग जो गलती से एक मुट्ठी भर संख्या में हरियाणा की जनता ने चुनकर भेजे हैं, वे इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं? स्पीकर सर, मुझे तो यह लगता है कि ओम प्रकाश चौटाला और उनकी पार्टी के सभी सदस्यों ने यह निर्णय कर रखा है कि वे कुछ नहीं बोलेंगे। आपने सदन के नेता का सुझाव स्वीकार किया और उनको बोलने का निमंत्रण दिया। आपने उनको कहा कि आप आइये और बजट के ऊपर या प्रश्नकाल के अंदर अपने सुझाव रखिए। परन्तु उन्हें दो नारे लगाने के अलावा, सदन में व्यवधान डालने के अलावा, सदन की कार्यवाही को रोकने के अलावा, सदन के अंदर अनर्गल बातें करने के अलावा, चेयर पर अनवांटेड एसपर्शन कॉस्ट करने के अलावा और पूरे सदन को गाली देने के अलावा न तो कुछ सूझता है और न उनकी कार्यशैली है, न उनका तरीका है। जो उनका अहंकार हरियाणा की जनता ने फरवरी, 2005 के चुनावों के अंदर कनविसंगली तोड़ दिया था और ओम प्रकाश चौटाला खुद भी औंधे मुँह चुनावी समर के अंदर गिरे थे लेकिन

मुझे नहीं लगता कि वह समझ पाए हैं कि कितनी नफरत कितना गुस्सा हरियाणा की जनता में उनके प्रति है। जिस प्रकार का व्यवहार उन्होंने हरियाणा की जनता से किया था उससे हरियाणा के ढाई करोड़ लोग उनके कुकृत्यों से बहुत ज्यादा नफरत करते हैं। स्पीकर सर, उनकी पार्टी को लेकर बहुत ज्यादा गुस्सा आज भी गरीब और आम आदमी के मन में है। परन्तु उनका अहंकार जो है वह अगर मैं यह कहूँ कि रावण से भी बड़ा हो गया है तो शायद यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। उनके डस व्यवहार को कल इस हाउस ने कंडैम किया और आज दोबारा मैं इस हाउस से आपकी अनुमति से अनुरोध करूँगा कि जो उन्होंने बातें कही उनको हाउस के रिकॉर्ड से इरेज किया जाए और उसके साथ ही साथ जो आपत्तिजनक व्यवहार पूरे महान् सदन की विश्वसनियता पर इन्होंने किया, जो गाली और छोटी भाषा का उपयोग उन्होंने किया उसके लिए हाउस विशेष तौर से ओम प्रकाश चौटाला जी को और लोकदल के सभी सदस्यों को कंडम करता है।

कृषि मंत्री (श्री एच०एस० चट्ठा): स्पीकर सर, इस महान् हाउस का मुझे भी दो दफा स्पीकर बनने का मौका मिला है। आप भी मेरे साथ उस वक्त एम०एल०ए० बने थे जब मैं इससे पहली बार एम०एल०ए०बना था तो उस वक्त आप भी एम०एल०ए० बने थे और जब मैं इस बार एम०एल०ए० बना तो इस वक्त भी आप एम०एल०ए० बने हैं। हाउस का तकरीबन तीसरा हिस्सा पहले या दूसरे हाउस में रहा। मैंने पार्लियामैंट की डिबेट भी बड़ी बार

देखी, दूसरे सूबों की डिबेट भी बड़ी बार मुझे देखने का मौका मिला लेकिन यह स्पष्ट सी बात है कि आज पहले दिन यह देखा कि क्वैश्चन ऑवर शुरू होने के पहले ही बगैर किसी वजह के, बगैर किसी कारण के, बगैर किसी दुविधा के लीडर ऑफ दि लोकदल पार्टी जो पिछले दो साल से लीडर नहीं रहा वह आज से 15 दिन पहले लीडर कहलवाता है। वह बगैर बात के खड़ा हो गया और खड़े होकर कल की बातें करने लगा जबकि आज हाउस में इतने इर्म्पोटेंट इशू हैं। बहुत ही महत्वपूर्ण बातें इस हाउस में होनी हैं। बजाय उसके कि उन महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करे, कल की बात छेड़ दी। मुख्यमंत्री जी ने आज फिर कहा कि आप जितना चाहें बोल लें, हमें कोई आपत्ति नहीं है। आज तक के इतिहास में मैंने किसी सूबे का मुख्यमंत्री ऐसा नहीं देखा जिसने इतनी दुखदायी बात कहने वाले को भी बोलने की ऑफर दी हो। वह तो तभी बोलेगा जब उसके पास कुछ बोलने को होगा। किसने उसके साथ क्या किया, उसको यह भी पता है और किससे उसने क्या कहा, उसको यह भी पता है। उसके साथ आगे भी क्या होना है, उसको यह भी पता है। वह बोलना नहीं चाहता वह तो सिर्फ कल के अखबार की खबरों की सुर्खियां बनना चाहता है। हम सभी को उसके कंडक्ट को ग्रौसली कंडम करना चाहिए। मैं सारे हाउस से यह प्रार्थना करता हूँ कि उसके कंडक्ट को ओपनली कंडम करें।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Death Cases Due to Cancer

***623. Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) the details of district-wise deaths occurred in Haryana due to Cancer in the last five years ; and

(b) the details of relief measures taken in this regard by the Department ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहन करतार देवी)

(क) श्रीमान जी, हरियाणा में कैंसर के कारण 643 (छः सौ तैतालीस) मौतें हुई। जिसका विस्तृत विवरण जिला अनुसार संलग्न है। (अनुबंध क तथा ख)

(ख) 4 श्रीमान जी, विभाग द्वारा राहत हेतु निम्नलिखित पग उठाए गए

(1) पी ०जी ० आई ०एम ०एस ० रोहतक में क्षेत्रीय कैंसर केन्द्र की स्थापना

(2) सामान्य अस्पताल पंचकूला में ऑनकोलोजी विंग की स्थापना (3) सामान्य अस्पताल भिवानी में कोबाल्ट थैरेपी यूनिट प्रस्तावित

(4) स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित प्रत्येक स्वास्थ्य शिविर में कैंसर रोग संबंधी जागरुकता एवं शिक्षा प्रदान की जाती है।

(5) कुछ सामान्य अस्पतालों में कैंसर की जांच हेतु उपकरणों की उपलब्धता।

श्रीमान जी, सूचना अनुबंध 'क' और ' ख ' सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

अनुबंध 'क'

वर्ष 2001 – 2005 तक कैंसर से हुई जिलावार मृत्यु बारे विवरण

जिले का नाम	2001	2002	2003	2004	2005
अम्बाला	0	1	1	1	0
भिवानी	0	0	5	1	0
फरीदाबाद	2	6	3	2	14
फतेहाबाद	0	0	0	0	0
गुड़गांवा	0	0	0	1	2

हिसार	0	0	0	0	0
झज्जर	0	0	0	0	1
जींद	3	1	0	0	0
कैथल	1	0	0	0	0
करनाल	1	0	0	3	1
कुरुक्षेत्र	0	2	5	2	0
महेंद्रगढ	0	2	0	2	1
मेवात	0	0	0	0	0
पंचकूला	0	0	1	0	
पानीपत	0	0	0	0	2
रेवाड़ी	0	0	1	0	0
रोहतक	0	0	0	0	0
सिरसा	0	0	1	0	0
सोनीपत	0	0	1	0	0
यमुनानगर	0	1	0	4	4

कुल	7	13	18	16	26

नोट–उपरोक्त आकड़ों में सभी प्रकार के कैंसर जैसे कि मेलीगनैंट न्यूयोप्लाजन ऑफ डायजैस्टीव आर्गनस एण्ड पैरीटोनियम, मिलीमनैंट न्यूयोप्लाजन ऑफ रेस्पेरेटरी एण्ड इंटरा थेरेसिक ओर्गनस, मिलीगनैट, न्यूयोप्लाजन ऑफ बोन, कनेक्टिव टिश्यू स्कीन एण्ड ब्रैस्ट, मिलीगनैट न्यूयोप्लाजन ऑफ जैनेटो यूरिनरी आर्गनस, मिलीगनैंट न्यूयोप्लाजन ऑफ लिमफेटिक एण्ड हिमोपोईटिक टिश्यू एण्ड मिलीगनैंट न्यूयोजाजन आफ अदर एण्ड अन स्पैसिफाईड साइटस भी शामिल हैं।

अनुबंध ' ख '

पी०जी०आई०एम०एस०, रोहतक में कैंसर से हुई मृत्यु बारे विवरण

2001	2002	2003	2004	2005
93	112	115	109	134

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ–साथ मैं यह भी बताना चाहूँगी कि इस बारे में पांच वर्ष का विवरण सदन के पटल पर रखा गया है। इन्होंने दूसरा सवाल यह किया है कि कैंसर की रोकथाम और राहत के लिए क्या कदम सरकार ने उठाए हैं। मैं सदन की और माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहती हूँ कि सबसे पहले पी०जी० आई०, रोहतक में इसके लिए एक रीजनल कैंसर सैंटर की स्थापना की गई है और इसके लिए

अलग– अलग विभागों में अलग– अलग वार्ड बनाए गए हैं। स्त्री रोग विभाग में हर सप्ताह एक विशेष कैंसर क्लीनिक लगाया जाता है। सामान्य अस्पताल पंचकूला में इकोलोजी विंग की स्थापना की गई है। जहां पर कम्प्यूट्राइज्ड एंडोग्राफी, ई ०एन०टी०, और एंडोस्कोपी द्वारा कैंसर की पहचान की सुविधा उपलब्ध हैं। सामान्य अस्पताल भिवानी में 3 करोड रुपये की लागत से कोबाल्ट थैरेपी यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव है। कैंसर रोग से बचने के लिए आरंभिक अवस्था में बीमारी की गंभीरता व इसके कारणों से होने वाली मुत्यु को रोका जा सकता है। इस बारे में जागरुकता एवं शिक्षा व जनसुविधा शिविरों द्वारा प्रदान की जाती है। दरसके अतिरिक्त इन कैम्पस में लगाई गई प्रदर्शनियों के माध्यम से भी इस रोग के बारे में जागरूक किया जाता है। धूम्रपान कैंसर का मुख्य कारण है इसलिए सरकार द्वारा इसे सभी सार्वजनिक स्थानों पर निषिद्ध किया गया है। राष्ट्रीय कैंसर कंट्रोल कार्यक्रम के तहत इसे डीसैंट्रलाइज किया गया है। एन०जी० ओ० स्कीम में एन०जी० ओ० काम करना चाहें तो उनको उसके लिए भारत सरकार मदद देती है। अभी भी हमारे पास अभिव्यक्ति फाउंडेशन के नाम से एक संस्था की एप्लीकेशन आई है। उसमें वे 100 कैम्प्स गुड़गांव, फरीदाबाद व मेवात में लगाएंगे। उनका आवेदन पत्र जो है वह रिकमंड करके शीघ्र ही भारत सरकार को भेज दिया जाएगा। राज्य के जो डॉक्टर हैं उनको भी स्पेशल ट्रेनिंग इस बारे में करवाई जाती है ताकि वे भी कैंसर की रोकथाम के मामले में ज्यादा से ज्यादा कार्य कर सकें। एक और बहुत ही महत्वपूर्ण

स्कीम सरकार के विचाराधीन है। जिला कैसर कंट्रोल कार्यक्रम के तहत राज्य के सभी 200 बैडिड अस्पताल जिसमें अम्बाला, करनाल, हिसार, फरीदाबाद, भिवानी और गुड़गांव में इकोलोजी विंग स्थापित करने का प्रस्ताव है। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहती हूँ कि इस बीमारी के बारे में हमारे समाज में इतनी जागरुकता नहीं है कि वे शुरू में दिखा सकें अगर पहली स्टेज पर कैंसर का मरीज अस्पताल में पहुंच जाता है तो मरीज ठीक हो सकता है। लेंकिन देखा यह गया है कि मरीज जब कैंसर की लास्ट स्टेज पर होता है तभी, होस्पिटल में आते हैं इसलिए उनको बचाना मुश्किल हो जाता है। फिर भी मैंने माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताया है कि कैंसर से हरियाणा में 643 मौतें हुई हैं। इनके अतिरिक्त भी डैथ हुई होंगी। लेकिन इसके लिए सरकार ने अभी एक ऐक्ट बनाया है जिसके लागू हो जाने के बाद जो प्राइवेट होस्पिटल हैं चाहे सरकारी होस्पिटल हैं, सभी के लिए यह जरूरी हो जायेगा कि जब भी कैंसर के मरीज की डैथ होती है वे इस बारे में सरकार को सूचित करेंगे। जो मैंने सदन के पटल पर अभी सूचना रखी है यह तो केवल सरकारी अस्पतालों और पी०जी० आई० रोहतक की ही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जैसाकि माननीय मंत्री जी ने सदन को यह जानकारी दी है कि प्रदेश के अन्दर कैंसर के मरीजों की इतनी मौतें हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बडी चिन्ता की बात है कि वर्ष 2001 से 2005 तक प्रदेश के अन्दर

कैंसर से मरने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रहीं है। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मंत्री महोदया ने अपने जवाब में बताया कि अकेले फरीदाबाद में सबसे ज्यादा कैंसर से मौतें हो रही हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहता हूँ कि एक तो मंत्री महोदया ने स्वयं भी माना है कि सही रूप से जो कैंसर की मौतें हुई हैं जोकि सारी की सारी सरकारी आकड़ों में दर्शायी नहीं गयी हैं। सरकार ने जो एक्ट बनाया है कि प्राईवेट क्लीनिक और अस्पताल से भी इस बारे में जानकारी सरकार को मिलेगी यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, जहां तक प्रदेश के अन्दर पर्यावरण की बात है मैं खासकर फरीदाबाद का जिक्र करना चाहूंगा। फरीदाबाद में पोल्यूशन, वाटर पोल्यूशन, एयर पोल्यूशन प्रदेश में सबसे ज्यादा है। क्या इसके लिए सरकार द्वारा कोंट ऐसे कदम उठाये गये हैं जिससे बढ़ती हुई कैंसर की बीमारी पर रोक लग सके?

बहन करतार देवीः स्पीकर सर, कैंसर की बीमारी' बहुत ही गम्भीर समस्या है और यह बीमारी हमारी सरकार के राष्ट्रीय प्रोग्राम में शामिल हें और सरकार इसके लिए पूरी तरह से कृ तसंकल्प है कि पूरे प्रदेश में इस बीमारी की रोकथाम के लिए कार्य किया जाए। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहती हूँ कि जितने भी 200 बैड के होस्पिटल है जिनमें फरीदाबाद भी शामिल है उनमें सभी में इस प्रकार के प्रबन्ध किये जायेंगे। जैसाकि माननीय सदस्य को पता है कि बादशाहखान होस्पिटल का दस

साल में दूसरा विंग शुरू हो जाना चाहिए था 1 लेकिन पिछले दस साल में एक ईट भी नहीं लगी। अभी माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने उस विंग का कार्य शुरू करवाया है। उस अस्पताल की बिल्डिंग पूरी होने के बाद हम कुछ और अस्पतालों को भी 200 बैड का अपग्रेड करने जा रहे हैं। यह हमारी भी चिन्ता है कि सबसे ज्यादा मौतें फरीदाबाद में हो रही हैं। जिससे काफी हद तक दिक्कत दृत हो जायेगी। सरकार फरीदाबाद के बारे में भी काफी चिन्तित है। दूसरे कई बड़े कैंसर के अस्पताल हैं जिनमें परमात्मा ने जिन आदमियों को काफी पैसा दिया है वे इन अस्पतालों में जैसे अपोलो और दूसरे उन अस्पतालों में भी कैंसर के मरीज जाते होंगे। सरकार इस बारे में गम्भीरता से विचार करेगी।

10.00 बजे

श्री ए०सी० चौधरी: स्पीकर 'साहब, एक जन प्रतिनिधि होने के नाते हम सभी इस बात से चिन्तित तो है ही कि कैंसर की बीमारी और कैंसर लक्स ही गरीब की मौत का कारण बनती है क्योंकि इसका इलाज बहुत महंगा हो गया है। इसका कारण जानना सरकार के लिए बहुत जरूरी है। सरकार को एनवायनमैंट की तरफ ध्यान देना चाहिए क्योंकि फरीदाबाद हरियाणा में सबसे ज्यादा पोल्यूटिड शहर हो चुका है। देहली के जो ट्रकस और थी व्हीलर्ज जो रिजेक्ट होकर कन्डैम हो जाते हैं वे सारे फरीदाबाद में आकर चल रहे हैं। उसके कारण कैंसर की बीमारी ज्यादा बढ़ रही है। पिछले दिनों एन० आई ०टी० फरीदाबाद में कैंसर के तीन

मरीजों की मौतें हो चुकी हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए आज से 14 साल पहले हमने इसका इलाज शुरू किया था उस समय गोदरेज वालों को हमने दस एकड़ जमीन केवल टोकन मनी पर दी थी ताकि वे कैंसर रिसर्ज सैंटर और हास्पिटल बना दें। 10 एकड़ जमीन 14 साल पहले ले चुके हैं लेकिन आज तक एक तिनका काम भी नहीं हुआ है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से और स्वास्थ्य मंत्री महोदया से प्रार्थना करूँगा कि क्या ये गोदरेज कम्पनी से बात करेंगे कि उस 10 एकड़ जमीन पर कैंसर सैंटर और हास्पिटल जल्दी से जल्दी बनवायें। यह जमीन हुडा ने या म्यूनिसीपल कारपोरेशन ने एक लाख रुपये एकड़ के हिसाब से दी हुई है। इसलिए मैं चाहता हूँ कि गोदरेज कम्पनी से बात करके उन्हें कहा जाये कि वहां पर जल्दी से जल्दी कैंसर रिसर्च सैंटर और हास्पिटल बनाया जाये। यदि वे नहीं बनाते हैं तो यह जमीन किसी और संस्था को दे दी जाये जो वहां पर कैंसर रिसर्च सैंटर और हास्पिटल बनायें ताकि मरीजों को फायदा मिल सके।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आपका अलग सवाल है, इसकी जानकारी अभी मंत्री महोदया के पास नहीं है। इस बारे में आप अलग से लिखकर दे देना, आपको जवाब भिजवा दिया जायेगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि हमारे प्रदेश के जो कैंसर के मरीज हैं उनकी अपना ईलाज करवाने के लिए दिल्ली के राजीव

गांधी कैंसर इन्स्टीच्यूट में जाना पड़ता है, जिसमें बहुत महंगा ईलाज होता है। हमारा पी०बी० आई०एम०एस० कॉलेज, रोहतक में है। क्या माननीय मुख्यमंत्री महोदय और स्वास्थ्य मंत्री महोदया पी०जी० आई०एम०एस० कॉलेज, रोहतक में इस कैंसर के उपचार के लिए जो रेज दी जाती हैं जिनके लिए हरियाणा के लोगों को दिल्ली जाना पड़ता है वे मशीनें लगाने का आश्वासन देंगे ताकि अपने प्रदेश के कैंसर के मरीजों को दिल्ली न जाना पड़े और उन्हें यहीं पर राहत मिले। दूसरा मैं यह जानना चाहता हूँ कि फरीदाबाद जिले के वहुत से बड़े—बड़े गाँव रजबाहों और नालों पर बसे हुए पैं। कारखानों का गंदा पानी उन रजबाहों और नालों में जाता है जिसको पशु पीते हैं और अंडर ग्राउंड वाटर भी पीने लायक नहीं है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से और मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या वहां के पशुओं के दूध के और पीने के पानी के सैम्पल लिये जायेंगे ताकि पता चल सके कि कैंसर की बीमारी दूध की वजह से हो रही है या पीने के पाना की वजह से हो रही है?

बहिन करतार देवी अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूँगी कि जहाँ पर माननीय साथी ने सैम्पल लेने की बात कही है इस बारे में सरकार को किसी तरह का एतराज नहीं है, वहाँ के दूध के और पानी के सैम्पल लेकर चौक करवा लिये जायेंगे। जहाँ तक गरीब मरीजों की बात की गई है इस बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूँगी कि हमारी सरकार ने आरोग्य

कोष की स्थापना की है जिसके तहत एक करोड़ रुपये केन्द्र सरकार देगी और एक करोड रुपये राज्य सरकार देगी और जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले मरीज अपनी बीमारी का खर्चा वहन नहीं कर सकते उनका ईलाज आरोग्य कोष से मुफ्त किया जायेगा। जहाँ तक पी०जी ० आई०एम०एस० कॉलेजय रोहतक में रेजिज की बात कही गई है इस बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूँगी कि पी०जी० आई०एम०एस० कॉलेज रोहतक, में रेजिज का उचित प्रबन्ध है और यदि उसमें बढ़ोतरी की जरूरत होगी तो वह भी सरकार करवायेगी। माननीय सदस्य वहाँ जाकर देखे हर यूनिट में बढ़ोतरी की जा रही है।

Devi Lal Memorial Trust

***708. @l.G. Sher Singh, & Shri Jitender Singh :** Will the Industries Minister be pleased to state—

(a) Details of year-wise amount received as donation by the Devi Lal Memorial Trust from April. 2000 to February. 2005 and from March, 2005 to date ; and

(b) The number of trustees together with their names and addresses thereof ?

Industries Minister (Shri Lachhman Dass A rora):

(a) & (b) Devi Lal Memorial Trust is not registered under the Societies Registration Act, 1860 in Haryana State. The required information

on point (a) and (b) is therefore not available.

आई०जी० शेर सिंहः स्पीकर महोदय मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि जो संस्थाएं सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट का उल्लंघन करके रजिस्टर्ड हो जाती हैं सरकार उन पर किस प्रकार का अंकुश लगा रही है। क्या सरकार की जानकारी में ऐसी संस्थाएं हैं जो सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट का उल्लंघन करके बनी हुई हैं और यदि हां तो उन पर क्या कार्यवाही की जायेगी? '

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न उठाया है वह वाकई में चिंताजनक है। मुझे लगता है कि कुछ सदस्य शायद माननीय सदस्य के इस प्रश्न को देखते हुए ही यह नीति बनाकर आये थे कि आज प्रश्न काल नहीं चलने दिया जायेगा। उन्हें डर था कि कहीं इस प्रश्न के जवाब में उन पर उंगली न उठ जाये और उनको जवाब न देना पड़ जाये। यही कारण रहे कि वे पहले से ही नीति बनाकर आये थे कि प्रश्न काल नहीं चलने देंगे और पहले ही सदन में व्यवधान डालकर भाग जायेंगे। मुझे ऐसा लगता है कि उनका भय जो है वह शायद आई०जी० शेर सिंह जी और जितेन्द्र मलिक साहब के प्रश्न की वजह से ही था। स्पीकर सर, यह तो सच है कि देवीलाल मैमोरियल ट्रस्ट हरियाणा में रजिस्टर नहीं हुआ है। अब चौटाला जी ने उस ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन, आयरलैंड, स्विटजरलैंड या कहीं और करवाया है यह तो वे ही बता पायेंगे। लेकिन यह सच्चाई है कि पिछली सरकार के

कार्यकाल में बहुत सी सरकारी सम्पत्तियाँ हरियाणा में देवीलाल मैमोरियल ट्रस्ट को मुफ्त में दी दी गई। सभी सम्पत्तियों की डिटेल्ज तो इस समय मेरे पास नहीं है क्यौंकि उसके बारे में स्पोसीफिक प्रश्न नहीं पूछा गया था। फिर भी कुछ डिटेल्ज मेरे पास है। हमने यह भी जानने का प्रयास किया है कि जो सरकारी सम्पत्तियों दी गई थी वह वैलिडसेल डीड या गिफ्ट डीड एग्जीक्यूट करवाई गई थी या नहीं। स्पीकर सर, रिकॉर्ड में यह पाया गया कि केवल पंचायत से प्रस्ताव पास किये गये और इन्तकाल करवा लिया गया बगैर सेल डीड, गिफ्ट डीड कुछ भी करवाये बगैर। मैं आपकी अनुमति से माननीय सदस्य और सदन को आश्वस्त करना चाहूँगा कि पंजाब विलेज कॉमन लैंड एक्ट के तहत या म्यूनिसिपल एक्ट के तहत या जो भी और कानून हैं उनके तहत वे प्रोपर्टीज उन लोगों के पास रहें जिनकी वे प्रापर्टीज हैं। इस पर हम आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

श्री जितेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, उस ट्रस्ट के बारे में मंत्री जी ने यह जवाब दिया है कि वह ट्रस्ट हरियाणा में रजिस्टर नहीं है। क्या मंत्री जी यह बताने का कष्ट करेंगे कि उन्होंने उस ट्रस्ट को कहाँ पर रजिस्टर करवाया है। इसके अलावा क्या उस ट्रस्ट की जाँच करवायेंगे कि उसमें पैसा कहाँ से आया और कहाँ पर लगा। जहाँ तक मेरी जानकारीं है चण्डीगढ़ मैं एंट्री करते ही यू०टी० प्रशासन ने जो सरकारी प्लाट दिया हुआ है उस पर चौधरी देवीलाल के नाम से ट्रस्ट बनाया जा रहा है तो क्या उसके

बारे में मंत्री जी जानकारी देंगे कि वह प्लाट उन्होंने किस तरीके से दिया 'है।

श्री अध्यक्षः मलिक साहब, मंत्री जी ने सारी प्रोपर्टीज के बारे में बता दिया है।

श्री लछमण दास अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, सही .मायने में यह प्रोपर्टी हजम करने का रास्ता निकाला गया है और कुछ नहीं है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, चण्डीगढ़ ऐडमिनिस्ट्रेशन को भी हमने आपका प्रश्न आने के बाद लिखा था कि किस नियम के तहत चण्डीगढ़ की बेशकीमती अरबों रुपये की प्रोपर्टी देवीलाल ट्रस्ट को दे दी गई जिसको निजी सम्पत्ति के तौर पर चौटाला परिवार इस्तेमाल करता है। उसका अभी तक कोई जवाब हमारे पास नहीं आया है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि हरियाणा की परिधि के अन्दर जो प्रोपर्टीज है उस पर हमारा विशेषाधिकार है तथा हम उसकी जानकारी एकत्रित कर पायेंगे लेकिन हरियाणा की परिधि से बाहर दूसरे प्रांत के अन्दर प्रोपर्टीज उनके नाम कहाँ रजिस्टर हुई उसकी जानकारी शायद हम नहीं एकत्रित कर पायेंगे। परन्तु हरियाणा में जो भी सम्पत्ति नियमों का उल्लंघन करके उनको दी गई है वह कानून के अनुरूप कार्यवाही करके वापिस ले ली जायेगी।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने चौ० देवीलाल ट्रस्ट के बारे में बताया है। ऐसे ट्रस्ट इस परिवार ने अपने राज के दौरान बहुत बनाए हैं जैसे गुड़गाँव में जन सेवा ट्रस्ट, बहुत बेशकीमती जमीन पर हरियाणा की प्रोपर्टी का लूट खसोट कर बहुमंजिला भवन बनाया है। इस परिवार ने सारे नियमों को ताक पर रख करके, अपने परिवार के निजी फायदे के लिए जो अखबार के लिए जमीन अलाट की गई थी उस अखबार का काम बंद कर दिया और एक अलग प्राइवेट सोसाइटी को वह बिल्डिंग किराये पर दे दी गई है जिससे 25 –30 लाख रुपये की आमदनी है और वह सारे का सारा भवन नियमों का उल्लंघन करके बनाया गया है। क्या माननीय मंत्री जी सदन को यह आश्वासन देंगे कि जनसेवा ट्रस्ट, हरकी देवी ट्रस्ट या इनके परिवार की लूट खसोट की जो जनता की सम्पत्ति है उससे जितने भी ट्रस्ट इन्होंने बनाये हैं क्या सबके खिलाफ कार्यवाही करेंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने देवी लाल के परिवार के द्वारा कई ट्रस्ट बनाए गए उनकी चर्चा की। मैं माननीय सदस्य जी को, सदन को और इस प्रान्त के लोगों को विशेषतौर पर सदन के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की ओर से तथा सरकार की ओर से निवेदन करूँगा कि जो भी जानकारी उनके पास उपलब्ध है वह सरकार को मुहैया करवाए। इस समय इस बारे में हमारे पास जो जानकारी है शायद वह पूरी न हो। स्पीकर सर, तेजा खेड़ा सिरसा में देवी लाल

गौशाला के लिए 56 कैनाल, दो मरला जमीन दे दी गई। सिवाह पानीपत में चौधरी देवी लाल शिक्षा समिति को 80 कनाल 11 मरले जमीन इसी प्रकार से दी गई। ओढा सिरसा के अन्दर माता हरकी देवी जो उनकी धर्मपत्नी हैं उनकी ट्रस्ट मैमोरियल ऐजुकेशन सोसाइटी फार कंस्ट्रक्शन ऑफ वीमेन कॉलेज को 80 कनाल जमीन दे दी गई। कर्मण फरीदाबाद के अन्दर चौधरी देवी लाल मैमोरियल ट्रस्ट को 16 कनाल चार मरले जमीन दे दी गई। स्पीकर सर, इसी प्रकार से ऐनीमल हस्बैडरी डिपार्टमैंट, हिसार की लाईव स्टॉक फार्म की 7 कनाल 14 मरले जमीन दे दी गई। म्यूनिसिपल कौंसिल, नारनौल की 7110 गज जमीन भी इसी प्रकार से दे दी गई। स्पीकर सर, इन सब बातों की जांच हम करवाएंगे और जहां–जहां कानून का उल्लंघन हुआ है उसके वारे में सरकार पूरी कार्यवाही करेगी। इसके अलावा भी भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, बहुजन समाजवादी पार्टी, निर्दलीय विधायक, कांग्रेस पार्टी के विधायक अथवा इस प्रान्त के किसी भीं नागरिक के पास जो और जानकारी हो तो माननीय मुख्यमंत्री जी को एक पत्र लिख कर भेजें हम इस बारे में पूरी जांच करवाएंगे और जहां पर कानून का उल्लंघन हुआ है हम उस प्रोपर्टी को प्रोटैक्ट करेंगे और यह ऐश्योर करेंगे कि वह सम्पत्ति लोगों के पास वापस आए।

श्री आनन्द सिंह डांगीः स्पीकर सर, मंत्री जी ने जानकारी लेने के लिए बात कही है आज इनकी प्रोपर्टी के

कारनामों की बात किसी से छुपी हुई नहीं हैं। अरबो खरबों रुपये की प्रोपर्टी इस प्रदेश में इन लोगों ने बनाई है। स्पीकर सर, यही नहीं आपको भी पता है और मुझे भी पता है और इस सदन में हमारे जैसे और भी कई साथी बैठे हुए है। सब को पता है। हमारा और आपका इन लोगों के साथ सम्पर्क हुआ उस वक्त, इनकी पोजीशन क्या थी। इनके पास चलने के लिए बैठने के लिए कोई गाड़ी तक भी नहीं हुआ करती थी। फरीदाबाद के लोगो ने चौधरी देवी लाल को एक एम्बैसडर कार दी थी इसके अलावा इनके परिवार के पास मोटर साइकिल तो क्या साइकिल तक नहीं हुआ करती थी। ओम प्रकाश चौटाला सिरसा से बैठकर कम्पेन के लिए या किसी और काम के लिए मेहम आया करता था तो बस में बैठ कर आया करता था और मेरी जीप में बैठ कर हल्के में जाया करता था। स्पीकर सर, आज वहां पर जा कर देखो, इनके परिवार की 1977, 1978, 1980 तथा 1982 की पोजीशन देखो वहां पर तेजा खडा में इनके कच्चे कोठड़े हुआ करते थे। एक कोठड़ा नीचे से गहरा खोद कर बालू रेत बिछा कर चौधरी देवी लाल के आराम के लिए बना रखा था लेकिन आज वहां पर करोड़ों की नहीं अरबों रुपयों की प्रोपर्टी है। स्पीकर सर, क्या इनका कोई भाई खेती–बाड़ी करता है, क्या कोई व्यापार या धंधा करता है या कोई और दूसरा बिजनैस करता हए। इसी प्रकार से पूरे प्रदेश के अन्दर इन्होंने ष्ट मचाई।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब ने दो तीन दिन पहले बताया था कि चौटाला भेड़ बकरियों का काम करते थे।

श्री आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मैं बताने लग रहा हूँ यही तो बात है कि क्या भेड़ बकरी चराने वाले की इतनी प्रोपर्टी हो सकती है। स्पीकर सर, हम चार सौ–चार सौ बीघे जमीन के जमींदार हैं दिन–रात माटी से माटी होकर पेट पालने की कोशिश करते हैं तब भी गुजारा नहीं हो पाता। स्पीकर सर, इस हरियाणा प्रदेश के खून–पसीने को चूस–चूस कर इन्होंने ये प्रापर्टी बनाई हैं। किसी भी शहर में जा कर देखो। जहाँ–जहाँ क्रीम है जिस–जिस जगह पर इन्होंने जबरदस्ती कब्जे करके जबरदस्ती पंचायतों से रिजोल्यूशन करवा कर बहुत बड़ी–बडी करोड़ों रुपये की अरबों रुपये की बिल्डिंगें बना रखी हैं और उनको कमाई का साधन बक्र रखा है कहीं पर भी उस प्रॉपर्टी का हिसाब–किताब नहीं है। इनकी पार्टी का कोई वर्कर बता दे कि हमारे पास इनका पूरा हिसाब– किताब है। ये तो घर की बही है काका लिखनिया दूसरे किसी आदमी का कोई सरोकार नहीं है, सारे हरियाणा को चूस–चूस कर अरबों खरबों रुपयों की प्रॉपर्टी बना रखी है, इनकी क्या इन्क्वायरी करेंगे। स्पीकर सर, हम इन्क्वायरी का इन्तजार कब तक करेंगे। इसका तो सीधा एक ही मसला था, सरकार के आते ही इसको अन्दर ठोकना चाहिए था जो हाल सद्दाम हुसैन के साथ हुआ था वही हाल इनके साथ भी होना चाहिए था। इस पर सीधा मुकद्दमा– चला कर फांसी की

सजा होनी चाहिए थी ताकि हरियाणा की जनता आगे आने वाले वक्त में ऐसे धोखेबाज. और लुटेरों से बच सके। सरकार किस बात की इन्क्वायरी करवा रही है। स्पीकर सर, प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं होती है। सब कुछ जनता के सामने है कि हर शहर में इनकी प्रॉपर्टी हैं ओंर पता नहीं विदेशों मे इन्होंने कितने अडंगे–पडंग कर रखे हैँ। यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। छोटी–मोटी बातें तो शुरू से हीं चली हुई हैं चोरी डकैती आदि सब कुछ इनके खिलाफ चार्जिज हैं। स्पीकर सर, आज सामने हमारा भाई बैठा हुआ है। आज की जो राजनीति है उस राजनीति को देखते हुए हमारे इस भाई के अन्दर कई कमियां हैं, ईमानदार है, चरित्रवान है, प्रदेश के प्रति निष्ठावान है और एक मुख्यमंत्री न होकर इस प्रदेश की जनता का एक भाई है। जल्लाद के हिसाब से इन लोगों ने काम किया हैय लोगों की हत्याएं की हैं, किसानों को नहीं बख्शा, बहन बेटियों को नहीं बखत, किसी कै। भी इन्होंने नहीं बख्शा और फिर यहाँ पर सदन में आकर इस प्रकार की बात करते हैं, जनता को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। इस ट्रस्ट का मसला क्या है, यह मसला तो कुछ भी नहीं है। स्पीकर साहब, इनकी प्रॉपर्टी पर एकदम से जबरदस्ती सरकार को कब्जा करना चाहिए इसकी पूरी इन्क्वायरी करनी चाहिए और एक–एक पैसे का हिसाब लेना चाहिए। जिस प्रकार से महेन्द्र चौधरी का सारा खुलासा जनता के सामने आया यही वह बात है'। महेन्द्र चौधरी का एक–एक पैसा एक–एक रुपया लोगों ने उस भाई के लिए दिया कि हमारे हरियाणा प्रदेश का एक भाई दूसरे

देश में प्रधानमंत्री है और उसके साथ ज्यादती हुई है भाई भूपेन्द्र सिंह जी, इसने खड़े होकर उसके लिए करोड़ो रुपये का ऐलान किया। उस वक्त यह मुख्यमंत्री था और सारा पैसा हड़प कर गया। उसके पास इस पैसे का कोई हिसाब किताब नहीं है, कोई लेना—देना नहीं उस पैसे को भी हड़प कर गया। जो आदमी ऐसी चीजों को करता है उसके साथ किसी प्रकार की रियायत करना मैं तो यह समझता हूँ कि ठीक बात नहीं है। इसमें सी०बी० आई० क्या करेगी। सी०बी० आई०, पांच—छः साल के बाद रिपोर्ट दे देगी अनट्रेस्ट। स्पीकर सर, मेहम काण्ड को अनट्रेस्ट दे दिया गया जहाँ 15 लोगों की दिन—दिहाडे हत्या हुई है। यह ईश पूरे देश का नहीं बल्कि पूरी दुनियां का एक ईश था उसको सी०बी० आई ० अनट्रेस्ट देने लग रही है तो सी०बी० आई० इस केस में भी क्या करेगी। यह तो सब कुछ खुश है अगर कुछ करने की हिम्मत हो तो इसके खिलाफ खुली कार्यवाही करनी चाहिए। ट्रस्ट वगैरह जो भी है सब कुछ अपने कब्जे में लेकर अच्छी तरह से इसका इलाज करने का जरूरत है और प्रदेश की जनता भी यही चाहती है। स्पीकर साहब, आपका बहुत—बहुत धन्यवाद।

श्री राम कुमार गौतमः स्पीकर सर, सारी बातें बताई गई हैं जल्दी से जल्दी टाइम तय करके एक महीने में बड़े दबंग और ईमानदार अफसर लगाकर कार्यवाही करें क्योंकि कई अफसर बेचारे इनके सामने बिना मतलब के छेरते भी नहीं। अच्छे और ईमानदार अफसर लगा कर एक महीने के अन्दर इसका हाल वह करो जो दो

जजों ने कहा था कि इनका मुंह काला करके चौराहे पर खड़ा करके इनके चेहरे पर लस्सी छिड़क कर इनको फांसी के तख्ते पर लटकाओ। ईमानदारी की बात करें तो असेम्बली में इनका काम क्या है, ये दुनियां के सबसे बड़े डाकू ठग और लुटेरे हें जो किसी के यहाँ रोटी खाने जाएं तो कहें कि हम तो पण्डितों के भी महापंडित है। जब तक बढ़िया खाना नहीं मिलेगा तेरे खाना भी नहीं थियायेंगे। इनकी एक बात है कि इनको तो दांत धिसाई चाहिए। ये कहते है कि मैं तो महा–ब्राह्मण हूँ जिसके खाना खाने चले जाएं उसको कहने लगे कि मकान अच्छा कहां से बना लिया तेरा मकान गिरा देंगे और सवेरे बुलडोजर भेज दिया। हुड्डा साहब, आपकी कमजोरी है, भाई साहब मुआफ करना आपने हरियाणा की जनता के साथ बडा बुरा और गलत काम किया है। आपने ऐसे कुकर्मी को बख्श कर हरियाणा की जनता के साथ बड़ा जुल्म किया है। दो साल के बाद आज आकर बोलने की ताकत रखता है, अध्यक्ष जी के साथ जुबान लडाता है बिना मतलब के। उसका काम क्या था यहाँ पर आने का। इसका तो पोता पडपोता भी कभी राजनीति का नाम नहीं लेगा। इसका मतलब यह हुआ कि छूट हो गई, डाका मारो, डाकाजनी करो।

श्री नरेश मलिकः स्पीकर सर, जैसे भाई आनन्द सिंह डांगी ने कहा, गौतम साहब ने कहा तो इसमें कोई संदेह नहीं कि इस व्यक्ति ने इस प्रदेश में इतने कुकर्म किए हैं, इतनी हत्याएं करवा रखी हैं जिनका कोई हिसाब नहीं। मैं मुख्यमंत्री जी से

आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि मेरा बेटा लन्दन में पड़ता है इसलिए मैं एक बार लन्दन गया था। मुझे पता चला कि वहाँ इस व्यक्ति ने इतना पैसा लगा रखा है कि वहाँ से पौंडस के हिसाब से इसको करोड़ों रुपया आता है। मैं लन्दन में एक महीना रहा। जो इनका पैसे लगाने वाला था उसने हमें बताया कि करोड़ों रुपया महीने में इस आदमी के पास आता है। आनन्द सिंह डांगी ने जैसे कहा कि जो आदमी धोती बांधकर बीड़ी के खे मारता था वह आदमी अब इस तरह से बातें करके सदन का टाइम वेस्ट करें तो क्या वह ठीक है? स्पीकर सर, मुख्यमंत्री जी यह न सोचें कि इन पर कार्यवाही करने से लोग इनसे नाराज होंगे बल्कि अब तो लोग भी चाहते हैं कि तत्काल इसको जेल मे डाला जाए। मैंने तो पहले ही दिन कह दिया था कि इस पर पांच केस बनाओ और यदि इनमें इसको जमानत मिल जाती है तो फिर से पांच केस बनाओ और यदि उनमें भी जमानत मिल जाती है तो पांच केस फिर बनाओ चाहे वह सच्चे बनाओ या झूठे बनाओ मगर बनाओ जरूर क्योकि प्रदेश की जनता हुस मामले में आपके साथ है। एक आदमी भी इसके लिए आपका विरोध नहीं करेगा। स्पीकर साहब, आप यकीन मानिए कि यह आदमी हवाई चप्पल जिसमें घट्ट दिखा करते थे, वह पहनता था। स्पीकर सर, जब राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चौधरी देवीलाल दाखिल थे तब मैंने एक बार इसको देखा था कि वह मांगकर बीड़ी पिया करता था और इसकी चप्पल तले से पाट रही थी लेकिन फिर भी इसने उनको पहन रखा था। उस समय उसने एक लुंगी सी पहन रखी थी और पार्क में वह

किसी से बीड़ी मांगकर पी रहा था तथा आधी बीड़ी उसने अपने कान में टांग रखी थी। मैं इस बात का गवाह हूँ।

श्री अर्जन सिंहः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सरकार को और हाउस को बताना चाहता हूँ कि मेरे हल्के में भी ये जहाँ गए वहां सैकड़ों एकड़ जमीन इन्होंने देवीलाल ट्रस्ट के नाम से पंचायतों से जबरदस्ती रेजोल्युशन डलवाकर ले ली और अब वहाँ पर लोगों को उनके खेतों में पानी ले जाने से भी रोक लिया गया है। वहाँ पर चौधरी देवीलाल का एक काला सा– बुत लगा दिया है। स्पीकर साहब, उस जंगल में तो आजकल कोई बंदर भी नहीं रहता है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकरः सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यसे जानना चाहूँगा कि ये कौन से गाँव की बात कर रहे हैं ताकि हम नोट कर लें?

श्री अर्जन सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह जोहडपुर कला गांव की बात है।

श्री आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, यह नोट करने वाली बात नहीं है बल्कि इन चीजों को काबू करने की जरूरत है। इन चीजों को सरकार एकदम अपने कब्जे में लें।

श्री अध्यक्षः अर्जन सिंह जी, आप क्या चाहते हैं?

श्री अर्जन सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर इस तरह से इनको काबू में करेंगे तब तो बहुत ज्यादा लोग इनके बारे में बताने के लिए तैयार बैठे हैं लेकिन मुख्यमंत्री जी इनको काबू में करने का भरोसा ही नहीँ दे रहे है। जिस तरह से आज वह धमकी देकर गए हैं अगर मुख्यमंत्री जी थोड़ा सा भी इस बारे में एक्टिव हो जाए तो काम चल जाएगा। मैं ईमानदारी से आपको बताना चाहूँगा कि मैं चौधरी देवीलाल की बहुत इज्जत करता हूँ वह बहुत ईमानदार आदमी थे आज भी मेरे दिल में उनके लिए कद्र है। एक बार हमारे यहाँ के कुछ लोग इकट्ठे होकर उनके पास गए और कहने लगे चौधरी साहब, हमारे यहाँ से गिद्ध चले गए हैं क्या होगा, हमारे यहाँ तो गंदगी फैल जाएगी इसलिए आप कुछ इस बारे में सोचो। चौधरी देवीलाल जी चुप हो गए तो वे लोग फिर कहने लगे कि चौधरी साहब आप हमारी बात पर गौर करें और हमें आश्वासन दें। वे कहने लगे कि चिंता करने की जरूरत नहीं क्योंकि मेरे एक गिद्ध जाम गया जो जिन्दों को ही खावेगा। गिद्ध तो मरे हुए को खाते हैं लेकिन यह जिंदों को भी नहीं छोड़ेगा। स्पीकर साहब, मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि आप इनका वार–बार नाम लेकर यह न बताया करें कि यह जिंदा है। अब इसके तो टायरों में हवा निकल गयी है। अध्यक्ष महोदय, इस हाउस में सभी इसी उम्मीद से बैठे हुए हैं कि देखें मुख्यमंत्री जी इनके खिलाफ क्या करते हैं।

श्री अध्यक्षः अर्जन सिंह, आप क्या करते।

श्री अर्जन सिंह: सर, मैं तो पता नहीं क्या कर देता। जो गौतम साहब ने कहा है वही मैं करता। अध्यक्ष महोदय, एक बात और मैं कहना चाहूँगा कि हमारे सामने वाली घड़ी भी है और दूसरी साइड वाली घड़ी भी है लेकिन हमारे पीछे वाली घडी कहाँ चली गयी है?

श्री आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, चौटाला ने इस प्रदेश को बर्बाद करके रखा है। इससे बड़ा आज इस हाउस के सामने कोई प्रश्न नहीं है।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान: अध्यक्ष महोदय, यह जो सवाल है यह आज इस हाउस के समक्ष दो साल के बाद आया है। जैसे डांगी साहब ने कहा कि हम सब इन भावनाओं से जुड़े हुए हैं। संघर्ष के दिनों में कांग्रेस पार्टी ने इस परिवार की निजी लूटपाट के बारे में हर जगह पर भारी संघर्ष किया। इन्होंने कत्ल करवाए इन्होंने जो लूटपाट की उसका जिक्र किया। मैं यह समझता हूँ कि आज जो ये भाई यहाँ पर बैठे हुए हैं उनमें से बहुतों के मन में इनके प्रति बहुत ही ज्यादा नफरत थी और उसी नफरत की वजह से लोगों ने कांग्रेस पार्टी को इतना ज्यादा वोट दिया था। जहाँ आज हमें बहुत अच्छा लगता है कि कांग्रेस पार्टी की सरकार की तरफ से हर चीज के ऊपर बहुत ध्यान से काम हो रहा है। सरकार बहुत ध्यान से और हर बात पर गौर देकर काम कर रही है। वहीं, मुख्यमंत्री जी, आप बुरा न मनाना लेकिन इस इशू पर लोगों में बहुत निराशा है। दो साल हो गए हैं, जो इनके

गैंग ऑफ थीपस है, बाजारों के फरडों में रहने वाले लोग जिन्होंने कत्ल किए जिन्होने करोड़ों रुपये की संपत्ति बनाई और हरियाणा के लोगों का धन लूटकर खाया। इस बारे में हरियाणा प्रदेश का हर व्यक्ति इस सरकार से जवाब चाहता है। हरियाणा प्रदेश का हर आदमी यह महसूस करता है कि जिस मकसद के लिए हमने कांग्रेस को वोट दिया था, जिस आदमी को सजा दिलाने के लिए कांग्रेस को वोट दिया था, वह मकसद शायद आज पूरा नहीं हुआ है। इससे लोगों के मन में निराशा है। मुख्यमंत्री जी, इतनी भी शराफत ठीक नहीं कि गुंडे, मवाली, बदमाश, चोर उचक्के जगह–जगह सामान हेरते फिरे, जो कत्ल इनके समय में हुए दो साल हो गए लेकिन उनका आज तक ब्यौरा भी नहीं मिला है। आपने इंक्वायरी करवाई हो तो बताएं उस समय के अधिकारियों में से कुछ ऐसे व्यक्ति हों जो उन सारी चीजों को रोक लें, उस राज में ऐसे– ऐसे अधिकारी थे जो इनके कहने पर बिना वजह लोगों पर कत्ल के झूठे मुकद्दमे बनाया करते थे और उनके ऐवज में अपनी जमीनें और दूसरी चीजें खरीदते थे। जैसे आनन्द सिंह डली जी नै कहा कि सी०बी०आई० की इंक्वायरी तो किसी केस को लम्बा डालने के तरीके हैं। इस जमहूरियत में मैं भी उनकी बात से पूरी तौर पर सहमत हूँ। कई–कई प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ 10 – 10 साल तक सी०बी० आई० की जांच चलती रही फिर कहीं न कहीं से मैनेज हो जाती है और कोई नतीजा नहीं निकलता। डली साहब और गौतम साहब ने बिल्कुल ठीक फरमाया है मैं अपने आपको डली साहब के सैंटीमैंट्स के साथ

जोड़ता हूँ और कहना चाहता हूँ कि ऐसे व्यक्तियों को समरी ट्रायल्स कर सकते हैं, विजीलैंस से इंक्वायरी करवा सकते हैं। '

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, यह क्वैशचन ऑवर है। सदस्यगण कोई सवाल पूछना चाहते हों तो पूछें।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान: अध्यक्ष महोदय, मेरा तो यही कहना है कि उन व्यक्तियों को सजा दें। पूरी जनता के हितों को जोड़ते हुए इनको सजा दीजिए इनको जेलों में डालिये ताकि आगे की जो क्वालिटी ऑफ पौलिटीशियज है वह अच्छी हो सके।

श्री एस०एस० सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहूँगा कि जो ये चौधरी देवी लाल जी के बुत लगे हैं जगह–जगह पर, जी०टी० रोड पर और शहरों में, पार्कों में, हुडा लैंड में और म्यूनिसिपल कमेटी की लैंड पर टोटल कितना खर्च आया है क्योंकि ये बुत सरकार के खर्चे से बने हैं। उस खर्चे का हिसाब–किताब क्या सदन को बताएंगे। मेरा इस बारे में दूसरा सवाल यह है कि इन ट्रस्टों में कौन–कौन लोग मैंबर हैं, उनके नाम क्या– क्या हैं, पते कौन–कौन से हैं। क्या सरकार डन ट्रस्टों को टेकओवर करेगी। जिन पर उन्होंने बेइमानी और ठगी से कब्जे कर रखे हैं। अध्यक्ष महोदय, ये जमीनें पंचायत की, म्यूनिसिपल कमेटी की, हुडा की और पता नहीं किस–किस की

हैं, उनमें प्राइवेट जमीनें भी हैं, उनके बारे में सरकार इस हाऊस को पूरा ब्यौरा देगी। यह मैं जानना चाहता हूँ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है। यह पृथक प्रश्न है। इसके बारे में वे लिखकर भिजवा दें। हम यह कलैक्ट करवा कर सारी इन्फर्मेशन माननीय सदस्य के पास भिजवा देंगे।

श्री एस०एस० सुरजेवाला: हमने तो उसके बारे में इतनी बड़ी किताब छपवा रखी है, लिखकर क्या दें।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, question hour is over.

नियम 45 (1) के तहत सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Providing accommodation to M.L.A. in Chandigarh/Panchkula

***612. Shri Dinesh Kaushik:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govonment to provide Government accommodation to all the MLAs in Chandigarh/Panchkula on the pattern of State of Rajasthan and Uttar Pradesh ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): नहीं श्रीमान्।

Upgradation of C.H.C. Dabwali to General Hospital

***658. Dr. Sita Ram:** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to upgrade the C.H.C. Dabwali & P.H.C. Kalanwali that of General Hospital ; and

(b) what are the details of vacant posts of doctors, specialized doctors, staff nurses and class-IV employees in C.H.C. Dabwali '?

स्वास्थ्य मंत्री (बहन करतार देवी):

(क) श्रीमान जी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डबवाली का दर्जा बढ़ाकर सामान्य अस्पताल करने का प्रस्ताव है। यद्यपि, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कालांवाली का दर्जा बढ़ाकर सामान्य अस्पताल करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख)

डॉक्टर	1
विशेषज्ञ	शून्य
स्टॉफ नर्स	शून्य
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2

Power supply to Industrial Sector, Agriculture and

Domestic
Sector in the State

***642. Dr. Sushil Indora:** Will the Chief Minister be pleased to state the details of total electricity/power supply provided to the Industrial Sector, Agriculture Sector and Domestic use in the state during the period from 1.4.2004 to 31.3.2005 and 1.4.2005 to 31.3.2006 separately ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): श्रीमान् जी, विवरण तालिका पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

1.4.2004 से 31.3.2005 और 1.4.2005 से 31.3.2006 तक औद्योगिक श्रेणी, कृषि श्रेणी और घरेलू श्रेणी को विद्युत आपूर्ति नालिका दर्शाने वाला विवरण

श्रेणी	अवधि		प्रतिशत वृद्धिकर्मी
	1.4.2004 से 31.3.2005	1.4.2005 से 31.3.2006	
औद्योगिक	30971 लाख यूनिट्स	34323 लाख यूनिट्स	10.82

कृषि	98356 लाख यूनिट्स	15398 लाख यूनिट्स	7.71
शहरी	65632 लाख यूनिट्स	70425 लाख यूनिट्स	7.30
योग	194959	210686	8.06

Extention of A badi-Deh and Lal-Dora in Haryana

***689. Sh. Dharampal Singh Malik:** Will the Minister for Revenue be pleased to state whether the Government has constituted any Committee to examine the need to extend "ABADI-DEH and LAL-DORA" of Villages in the State, if so. the details thereof ?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): जी, हां। हरियाणा सरकार ने आयुक्त, रोहतक मण्डल, रोहतक की अध्यक्षता में दिनांक 15. 2. 2007 को एक कमेटी का गठन किया है जो राज्य के गांवों के आबादी–देह तथा लाल डोरा को बढ़ाने की आवश्यकता एवं संभावना पर सिफारिश करेगी। कमेटी को अपनी रिपोर्ट दो माह के समय में प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

Quantum of Power Generation

***702. Sh. Tejender Pal Singh Mann:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the quantum of power generation in Haryana State owned Thermal and Gas based power stations month-wise during the year 2006-07 till 28th February, 2007 and the details of share in Hydro Power in other central projects; and

(b) the details of distribution of electricity amongst agriculture, industry. essential services and domestic sector alongwith the district-wise details of amount spent on segregation of domestic andagriculture lines in rural areas ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): श्रीमान जी, विवरण सदन के पटल –चर प्रस्तुत है।

विवरण

भाग (क) प्रश्नः

(क) वर्ष 2006 – 07 से 28 फरवरी, 2007 तक के दौरान हरियाणों राज्य में अपने थर्मल तथा गैस पर आधारित बिजली स्टेशनों से बिजली उत्पादन की मासवार मात्रा कितनी है तथा अन्य केन्द्रीय परियोजनाओं में हाइड्रो पावर में हिस्सेदारी का ब्यौरा क्या हैय तथा

ए. वर्ष 2006 – 07 के दौरान मास अनुसार हरियाणा राज्य के अपने ताप विद्युत केन्द्रों से विद्युत उत्पादन की मात्रा

	– उत्पादन (लाख यूनिट्स में)	
मास	के दौरान	तक

अप्रैल, 06	7480	7480
मई, 06	6951	14431
जून, 06	8507	22938
जुलाई, 06	9015	31953
अगस्त, 06	9540	41494
सितम्बर, 06	9649	51143
अक्तूबर, 06	9830	60973
नवम्बर, 06	8839	69812
दिसम्बर, 06	9253	79067
जनवरी. 07	9753	88820
फरवरी, 07	8201	97022

वर्तमान समय में हरियाणा राज्य का अपना कोई भी गैस विद्युत केन्द्र नहीं है।

बी. अन्य केन्द्रीय परियोजनाओं से पन विद्युत में हरियाणा के हिस्से का विवरण:

परियोजना	स्थापित क्षमता (मैगावाट)	हरियाणा का हिस्सा (मैगावाट)
नाथपा–झाखड़ी	1500	64.05
टिहरी– 1	1000	43.00
धोली गंगा	280	15.988
चमेरा– 1	540	85.32
चमेरा– 2	300	17.01
बेरासूल	180	54.9
सलल	690	103.638
टनकपुर	94	6.016
उरी	480	26.016
कुल	5064	415.938

भाग (ख) प्रश्न

(ख) कृषि उद्योग, आवश्यक सेवाओं तथा घरेलू क्षेत्र में बिजली कै वितरण का ब्यौरा क्या है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू तथा कृषि लाइनों के पृथककरण पर खर्च की गई राशि का जिलावार ब्यौरा क्या है?

(ए) वर्ष 2006–07 में कृषि, औद्योगिक और घरेलू क्षेत्रों में विद्युत वितरण को व्यास

	ग्रामीण क्षेत्र	औद्योगिक क्षेत्र	आवश्यक सेवाएं	घरेलू क्षेत्र
मास	औसत उपभोग 2–फेस आपूर्ति सहित प्रतिदिन (लाख यूनिटों में)	औसत उपभोग प्रतिदिन (लाख यूनिटों में)	औसत उपभोग – प्रतिदिन (लाख यूनिटों में)	औसत उपभोग प्रतिदिन (लाख यूनिटों में)
	2006-07	2006-07	2006-07	2006-07
अप्रैल	239	115	75	134
मई	307	129	92	164
जून	393	128	89	159
जुलाई	408	115	94	163
अगस्त	436	87	89	157

सितम्बर	389	127	88	149
अक्तूबर	346	109	79	138
नवम्बर	279	124	71	123
दिसम्बर	300	116	72	123
जनवरी	313	105	72	125
फरवरी	256	123	69	122
औसत प्रतिदिन	333.27	116.18	80.91	141.55

नोटः उपरोक्त आकड़ों में सम्प्रेषण हानियाँ सम्मिलित है।

(बी) ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू तथा कृषि लाइनों का पृथकीकरण करने के लिए किये गये खर्च का जिले अनुसार विवरणः

यू०एच०बी०वी०एन०

क्रम संख्या	जिले का नाम	गांवों की कुल	11 के०वी० फीडरों की कुल	पूर्ण होने की सम्भावित	अब तक किया गया कुल खर्च

		संख्या	संख्या जिनके लिए कार्य आबंटित किया गया है	तिथि	(रुपये लाखों में)
1.	अम्बाला	509	66	13.09.2007	107.09
2.	यमुनानगर	817	63	13.09.2007	584.34
3.	कुरुक्षेत्र एवं कैथल	637	133	13.09.2007	327.85
4.	करनाल एवं पानीपत	608	45	13.09.2007	190.04
5.	रोहतक एवं झज्जर	393	38	13.09-.2007	726.00
6.	जीन्द	332	66	13.09.2007	373.36
7.	सोनीपत	323	36	13.09.2007	0.00
	सम योग	3619	447		2308.68

डी०एच०बी०वी०एन०

8.	फरीदाबाद	388	शून्य	शून्य	शून्य
9.	गुड़गांवा	310	शून्य	शून्य	शून्य
10.	मेवात	507	शून्य	शून्य	शून्य
11.	महेन्द्रगढ	391	2	जनवरी–2007 में पूर्ण	72.00
12.	रेवाड़ी	425	3	अप्रैल–2007	109.84
13.	भिवानी	405	शून्य	शून्य	शून्य
14.	हिसार	289	30	31.8.2007	50.00
15.	फतेहाबाद	310	26	31.08.2007	शून्य
16.	सिरसा	323	13	9 नं० पूर्ण तथा 4 नं० मई, 2007 में पूर्ण कर लिया जायेगा	327.73
	सम–योग	3348	74		559.57
	कुल योग	6967	521		2868.25

Air/Water Pollution in Faridabad

***624. Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Chief Minister be pleased to state the details of level of air/water pollution in District Faridabad from the year 2000 to 2006 monthwise alongwith the details of steps taken by the Government in order to check the air and water pollution in the district ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): श्रीमान्। इस प्रकार के आकड़े उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि पूरे जिले फरीदाबाद में उपर्युक्त अवधि के लिए वायु/ जल के प्रदूषण की मासवार मानिटरिंग नहीं की गयी है। जिला फरीदाबाद में वायु एव जल प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाये गए कदमों का विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

जिला फरीदाबाद में वायु एवं जल प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाये गये कदमों का विवरण

(1) भारत के उच्चतर न्यायालय के निर्देशों के अन्तर्गत, फरीदाबाद शहर के वायु गुणवत्ता के दायरे में सुधार लाने के लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है।

(2) ताप बिजली घर वायु में प्रदूषण को अत्यधिक प्रभावित करता है। रिसने वाली पाइप लाइनें जो सारे रूट को रिसाव वाला बना देती है तथा इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रैसिपिटेटर्ज (ई०एस० पीज) को मजबूरन बन्द करना पड़ता है, उनको 425

लाख रुपये की लागत पर बदला जा रहा है। यह कार्य 31.3.2007 तक पूरा किया जाना संभावित है। उड़ने वाली राख के कणों (एस०पी०एम०) को कम करने के लिए फरीदाबाद ताप बिजली घर की सभी तीनों इकाइयों को (इ०एस०पीज०) के साथ सुसज्जित किया गया है तथा वायु प्रवाह को निरन्तर मानिटर किया जाना है।

(3) वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए यह प्रस्ताव किया गया है कि ईंधन को सी०एन०जी०/पी०एन०जी० में बदला जाए। सी०एन०जी० केन्द्रों के लिए कार्य शुरू किया जा चुका है। सात में से एक केन्द्र जून, 2007 तक पूरा होना संभावित है। संरचना में सुधार लाना जैसे कि सड्कों को चौड़ा करना बदरपुर पर एलीवेटिड मार्ग का निर्माण करने तथा ओवर ब्रिज बनाने से यातायात की भीड कम होगी जिसके परिणामस्वरूप वायु में कणों में कमी आएगी।

(4) जहाँ भी आवश्यकता है वहीं प्रदूषण उपकरण स्थापित करवा दिये गये हैं तथा उनके परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए समय–समय पर मानिटरिंग की जाती है। बड़े उद्योगों को संशोधित मल को री–साइकिल एवं पुनः प्रयोग करने की टैक्नोलोजी को अपनाने तथा क्लनिर इधन प्रयोग करने क प्रात्साहित किया गया है।

(5) बिना स्वीकृत क्षेत्रों में परिचालित 200 प्रदूषण इलैक्ट्रोप्लेटिंग, फास्पेटिंग एवं ताप इकाइयों को स्वीकृत औद्योगिक

क्षेत्र (सैक्टर 58) में पुनः स्थापित किया गया है जहां उनके मल के शोधन के लिए एक सामूहिक मल शोधक संयंत्र स्थापित किया गया है।

(6) यमुना कार्य योजना–1 के अन्तर्गत फरीदाबाद नगर में स्थापित तीन मल शोधक संयंत्रों को यमुनानगर कार्य योजना–3 के अन्तर्गत अपग्रेड किया जायेगा। यमुना कार्य योजना–2 के अन्तर्गत औचित्यतता रिपोर्ट तैयार की जा रही है तथा कार्य 2008 तक शुरू किया जाना संभावित है।

(7) पलवल नगर में जनवरी, 2007 में एक मल शोधक संयंत्र चालू किया गया है। जो स्टेब्लाइजेशन के अन्तर्गत है।

Level of Ground-Water

***659. Dr. Sita Ram:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state -

(a) the district-wise level of underground water in the State during the period from 1990 to-date ; and

(b) the steps taken or proposed to be taken by the Government to check the depleting level of underground water, togetherwith the result thereof ?

कृषि मंत्री (सरदार एच०एस० चट्ठा): (क) तथा (ख) श्रीमान् जी। विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

जिलावार औसत भू–जल स्तर का जून 1990 से जून 2006 तक का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है –

(मीटर में)

क्रमांक	जिला	1990	1991	1992	1993	1994	1995	1996	1997	1998
1	अम्बाला	6.73	5.81	7.04	7.51	8.30	7.63	6.53	6.45	5.96
2.	भिवानी	19.25	18.80	18.60	18.81	18.29	17.70	16.83	17.15	17.06
3.	फरीदाबाद	8.16	8.14	8.65	8.53	9.04	8.62	8.12	7.68	7.73
4.	फतेहाबाद	8.43	8.09	9.15	9.01	9.18	9.13	4.79	7.87	7.68
5.	गुड़गाँवा	13.90	14.08	14.59	15.00	15.00	14.24	15.02	13.62	14.25
6.	हिसार	9.79	9.05	9.31	9.97	8.92	8.54	7.94	7.16	6.85
7.	जीन्द	8.81	8.32	7.56	9.48	9.11	9.07	6.94	6.99	6.36
8.	झज्जर	5.99	5.79	5.95	6.04	6.01	5.85	4.34	4.44	4.51
9.	कुरुक्षेत्र	13.96	13.87	15.86	16.07	16.50	16.55	16.10	16.49	16.72
10.	कैथल	7.44	7.24	9.50	9.08	8.89	8.22	7.64	8.01	8.02
11	करनाल	8.91	8.55	9.07	9.77	10.65	11.02	9.18	8.75	8.26
12.	महेन्द्रगढ़	26.87	26.57	27.11	29.10	29.11	28.42	25.27	24.46	24.13

13.	मेवात	8.79	8.67	8.69	8.62	8.59	8.50	7.39	6.15	6.50
14.	पंचकूला	12.09	10.84	13.02	13.12	14.11	13.28	11.39	10.85	11.83
15.	पानीपत	8.60	8.41	9.13	9.65	9.83	9.88	8.45	8.71	8.79
16.	रिवाड़ी	15.27	14.82	16.09	15.61	15.81	15.87	12.76	12.67	13.23
17.	रोहतक	5.94	5.72	6.17	6.21	5.94	5.42	3.95	3.64	3.59
18.	सिरसा	11.95	10.65	11.01	10.88	10.73	10.34	9.91	9.75	9.91
19.	सोनीपत	5.69	5.36	6.13	6.64	6.73	6.14	5.14	5.46	5.24
20.	यमुनानगर	6.95	6.71	8.29	8.35	8.77	8.32	7.61	8.64	8.07
	राज्य औसत	10.68	10.27	11.04	11.37	11.48	11.56	10.38	10.17	9.70

(मीटर में)

क्रमांक	जिला	1999	2000	2001	2002	2003	2004	2005	2006
1	अम्बाला	5.45	5.65	5.99	7.25	7.52	7.05	8.17	8.77
2.	भिवानी	16.19	16.66	17.52	16.50	17.74	17.91	16.58	18.08
3.	फरीदाबाद	7.47	7.83	8.59	8.78	8.84	8.20	9.12	9.65
4.	फतेहाबाद	6.42	7.98	7.93	10.04	11.68	11.02	10.52	14.21

5.	गुड़गाँवा	15.22	15.74	16.47	17.68	19.02	17.71	18.16	19.99
6.	हिसार	5.87	6.37	7.02	7.14	7.90	7.17	7.43	6.89
7.	जीन्द	5.92	7.02	7.70	7.96	9.28	9.03	9.24	9.74
8.	झज्जर	4.49	4.97	5.29	5.79	6.05	5.64	5.83	5.46
9.	कुरुक्षेत्र	16.72	16.83	18.01	19.35	21.91	23.06	24.47	26.36
10.	कैथल	7.78	8.89	9.80	10.45	12.50	12.87	13.48	14.17
11	करनाल	7.59	8.57	8.86	9.92	11.03	11.51	12.25	13.23
12.	महेन्द्रगढ़	25.01	27.76	26.41	25.73	34.30	36.40	39.59	39.02
13.	मेवात	6.67	7.34	8.19	8.99	9.63	9.12	9.05	9.45
14.	पंचकूला	11.17	11.47	12.26	13.04	13.69	12.14	12.90	13.83
15.	पानीपत	8.53	9.58	10.41	11.27	12.63	12.68	13.10	13.63
16.	रिवाड़ी	13.07	14.03	14.59	16.28	18.01	18.61	20.80	21.20
17.	रोहतक	3.80	4.49	4.53	4.84	5.67	5.12	4.88	4.41
18.	सिरसा	9.45	9.70	10.16	10.32	10.43	11.37	11.48	17 1Q
19.	सोनीपत	5.33	6.04	6.36	6.87	7.76	7.70	7.43	7.44

20.	यमुनानगर	7.13	7.53	7.83	8.75	9.70	9.62	10.09	10.19
	राज्य औसत	9.46	10.22	10.71	11.35	12.77	12.69	13.23	13.90

पानी का सदुपयोग करने हेतु पूर्व उठाए गए पगों में, जनता को शिक्षित करने के लिए जागरुकता के कार्यक्रम, भू–जल पुनर्भरण के लिए सिंचाई परियोजनायें लाग करना, सभी सरकारी भवनों तथा शहरी क्षेत्र के निजी मकानों, जिनकी छत का क्षेत्रफल 100 वर्ग मीटर या अधिक है, के लिए वर्षा के पानी को संचित करके संरचनाएं बनाना आवश्यक करना, फसल विविधीकरण के अन्तर्गत कम पानी वाली फसलों को बढावा देना तथा सिंचाई के लिए सूक्ष्म स्तरीय सिंचाई के तरीके तथा सतही जल एवं भूमिगत जल के मिश्रित उपयोग संबंधी स्कीमों को बढ़ावा देना, शामिल हैं। इन प्रयासों के बिना भू–जल स्तर में वर्तमान स्तर से और अधिक गिरावट आ सकती थी। सरकार इस सम्बन्ध में एक विधेयक बनाने की आवश्यकता पर भी विचार कर रही है।

Hand over work of Meter Readlng to Private Companies

***690. Shri Dharampal Singh Malik:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of Haryana Government/ Uttar Haryana Bijli Vitran Nigam Limited, Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam Limited and Haryana Vidyut Prasaran Limited to hand

over the work of Meter reading to some private companies ; if so, the details thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): नहीं श्रीमान जी। कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

Number of Operational and Non-operational Buses.

***699. Prof. Chhattar Pal Singh:** Will the Minister for Transport be pleased to state -

(a) the details to total strength of Haryana Roadways Buses alongwith the details of operational and non-operational buses ;

(b) what are the reasons that buses are non-operational ; and

(c) the details of operational buses that are being operated by private operators alongwith the details of their prescribed routes ?

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला):

(क और ख) श्रीमान जी. हरियाणा राज्य परिवहन के पास दिनांक 9. 3. 2007 को 3427 बसों का बेडा था। इनमें से लगभग 456 बसें अमले की कमी, निवारक रख रखाव तथा ब्रेक डाऊन/दुर्घटनाओं इत्यादि के कारण सड़क पर नहीं चल रही।

(ग) निजी परिवहन संचालकों के द्वारा परिचालित की जा रही बसों तथा उनके निर्धारित मार्गों का विस्तृत ब्यौरा अनुबंध

'ए', बी ', 'सी', 'डी', व 'ई' @ के रूप में विधान सभा के पटल पर रखा जाता हे।

Land Released by HUDA in the State

***641. Dr. Sushil Indora:** Will the Chief Minister be pleased to state the details of land released by HUDA after issuing the notification for acquisition of land in the State during the period from 01.04.2005 to 31.12.2006, specify the reason, if any, for release of such lands ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपिन्दर सिंह हुड्डा): श्रीमान जी, 01.04. 2005 से 31.12.2006 की अवधि में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम भैंसा टिब्बा, तहसील एवं जिला पंचकूला के खसरा संख्या 351/21/2 स्थित 848 वर्ग मीटर भूमि अर्जन मुक्त की गई है।

भू– स्वामी की प्रार्थना तथा केस की असाधारण परिस्थितियों पर विचार कर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने निर्णय लिया कि भू–स्वामी द्वारा मुआवजा राशि ब्याज सहित लौटाये जाने पर 848 वर्गमीटर भूमि छोड़ी जाये तथा समतुल्य भूमि, सैक्टर की योजना के अनुरूप, उपरोक्त छोड़ी गई भूमि के साथ आदान प्रदान द्वारा नियमित की जाये।

Repair of Roads in Kaithal District

***703. Shri Tejender Pal Singh Mann:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the details of the total amount allocated for repair of new roads by Haryana

Marketing Board in Kaithal District during the year 2006-07 up till 28.02.2007 ?

कृषि मंत्री (सरदार एच ०एस० चट्ठा): श्रीमान जी, सूची सदन के पटल पर रखी जाती है

सूची

हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा जिला कैथल में वर्ष 2006 – 2007 दौरान दिनांक 28.02. 2007 तक ग्रामीण सड़कों की मरम्मत पर

आबंटित राशि का विवरण

विधान सभा क्षेत्र	क्र० सं०	सड़क का नाम	प्रशासकीय स्वीकृति की तिथि	लम्बाई (कि०मी० में)	आबंटित राशि (रुपये लाखों में)
कैथल	1	कयाडक बरोट सड़क से कैथल–पेहवा सड़क	02.05.2006	0.53	2.45
	2.	उजाणा से दयोरा	02.05.2006	2.21	8.54
	3.	खुराना से दयोरा	02.05.2006	3.38	13.45
	4.	कैथल–कुरुक्षेत्र / ढाण्ड	02.05.2006	0.92	3.58

		सड़क से डेरा मोटेवाला			
	5.	मझाला से चकपाडला	02.05.2006	1.25	5.19
	6.	दिवाल से छोत	02.05.2006	4.34	26.09
	7.	बाबा लदाणा–पाडला रोड से स्कूल बाबा लदाणा	02.05.2006	0.34	1.43
	8.	सिरटा से डेरा हरभजन सिंह वाला	02.05.2006	0.75	2.83
	9.	कैथल जींद सड़क से अन्न भण्डारण गोदाम कैथल	02.05.2006	1.03	8.88
	10.	पाडूला से बाबा हू सड़क में गांव पाढुला की फिरनी में सी ०सी ० पेवमैंट	06.11.2006	0.43	9.10
पुण्डरी	11.	कौल–करनाल सडक से साकरा	02.05.2006	0.13	1.12

	12.	पबनावा–जीरा खेड़ा सड़क से रायसन सड़क	02.05.2006	1.28	6.26
	13.	ढाण्ड– कुरुक्षेत्र सड़क से गिराडसी	02.05.2006	1.56	5.90
	14.	पुण्डरी डेरा सड़क से पुण्डरी हाबडी सड़क	02.05.2006	0.83	3.49
	15.	सिरसल से थरौटा	18.10.2006	4.10	19.13
	16.	जडौलाढाण्ड सड़क से रेलवे क्रासिंग (सी, ०सी० का काय)	16.11.2006	0.23	4.54
	17.	खेड़ी साकरा–देरडू सड़क से कौलमण्डी तक	16.11.2006	2.12	9.41
	18.	पुण्डरी सम्पर्क ड्रेन से पुण्डरी	16.11.2006	0.62	2.88
	19.	कुरुक्षेत्र–ढाण्ड सड़क से पबनावा	16.11.2006	0.36	1.56

	20.	कामौदा से कामेश्वर महादेव मन्दिर	16.11.2006	0.79	6.03
	21	पबनावा से ढाण्ड कुरुक्षेत्र सड़क	16.11.2006	0.78	9.87
	22.	चंदलाणा गांव फिरनी से करनाल सड़क	16.11.2006	0.46	9.08
	23.	सिंहपुरा से संगरौली	16.11.2006	1.66	8.04
	24.	खेड़ी मटरवा से घोडापुली	16.11.2006	1.86	8.84
	25.	खेड़ी मटरवा पुल से दुलयानी	16.11.2006	1.48	7.48
	26.	म्यौली स्कूल से पुण्डरी सड़क	16.11.2006	0.63	3.33
	27.	संगरौली गांव में सड़क व तालाब के बीच रिटेनिंग दीवार का निर्माण	22.11.2006	0.00	15.36
गुल्हा	28.	सोसाइटी आफिस से खेड़ी गुलाम अली	02.05.2006	1.00	3.98

		सड़क सिवन			
	29.	पीडल से बलबेडा	02.05.2006	4.54	31.87
	30.	कांगथली से सौंथा	16.11.2006	2.58	11.13
	31.	डेरा ज्ञानी सिंह से डेरा थे बुटाना	16.11.2006	1.86	8.40
	32.	ईदगाह मस्जिद से डेरा गोबिन्दगढ	16.11.2006	1.74	10.41
राजौंद	33.	रत्ताखेडा से बबकपुर	16.11.2006	3.61	24.47
पाई	34.	राजौंद से सन्तोख माजरा	02.05.2006	2.85	9.09
	35.	माजरा नंदकरण से शेरडा	02.05.2006	4.24	18.63
	36	माजरा नंदकरण से कोटडा	02.05.2006	3.58	18.52
	37.	देबन से खेड़ी शेरू	02.05.2006	2.35	10.75
	38.	कैथल–कुरुक्षेत्र सडक से कठवाड	02.05.2006	1.67	10.17

	39.	दौंस से खनौंदा	02.05.2006	2.81	9.24
	40.	तारागढ़ से खेड़ी सिम्बलवाली	02.05.2006	5.25	23.36
	41.	किठाना से गुलियाना जींद सड़क तक	02.05.2006	5.44	26.36
	42.	बांकल से करोडा	02.05.2006	3.96	36.72
	43.	पाई–हरसौला सड़क से प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पाई	02.05.2006	0.18	0.69
	44.	सेगा–हरसौला सड़क से शमशानघाट सेगा	02.05.2006	0.16	0.89
	45.	मुंडवाल से कुकरकंडा	16.11.2006	4.60	19.72
कलायत	46.	पिंजुपुरा से नई अनाज मण्डी कलायत	19.10.2006	2.88	14.88
	47.	दुबल से गुहना	02.05.2006	5.64	31.53
	48.	बालू से जुलाणी खेड़ा	02.05.2006	2.88	10.48
	49.	बाता बस अड्डे से गर्ल्ज स्कूल बाता	16.11.2006	0.60	8.13

		कुल		98.49	543.14

Opening of I.T.I. in Bass and Narnaund

***685. Sh. Ram Kumar Gautam:** Will the Minister for Industries be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open any I.T.I., in Bass and Narnaund in Narnaund Constituency?

औद्योगिक मंत्री (श्री लक्ष्मण दास अरोड़ा): नहीं श्रीमान् जी।

The Details of Foreign Tours

***700. Prof. Chhattar Pal Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the details of foreign tour organized by the various departments of Government during the period from 1999 to 2007 ; and

(b) the details of names and designations of the delegates alongwith the details of purpose, benefits and expenditure in this regard ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): श्रीमान् जी, इस सूचना को एकत्रित करने के लिए जो प्रयास अपेक्षित हैं, वें मिलने वाले परिणाम के अनुरूप नहीं होंगे।

अनुपस्थिति की अनुमति

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I am to inform the

House that I have received a letter from Shri Nirmal Singh, M.L.A. dated 19th March, 2007 which reads as under -

I am unable to attend the current Budget Session from 20th March, 2007 to 21st March, 2007 due to unavoidable circumstances. Therefore, I may be permitted accordingly."

Mr. Speaker: Question is—

That permission for leave of absence from 20th March, 2007 to 21st March, 2007 for the Budget Session be granted.

Voices: Yes, yes.

The motion was carried.

सेकेंड हार्ट वरिष्ठ माध्यमिक विघालय, सैक्टर– 26, चण्डीगढ़ के विद्यार्थियों का अभिनन्दन

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से सदन के बिहाफ पर बताना चाहूँगा कि सेक्रेड हार्ट स्कूल, सैक्टर– 26, चण्डीगढ़ की छात्राएं सदन की कार्यवाही देखने के लिए अलग– अलग बैचिज में सुबह से सदन की दीर्घा में उपस्थित हैं। यह देश की अगली पीढी हैं जिनमें से कुछ तो कल्पना चावला बनेंगी और कुछ इनमें से सुनीता विलियमस बनेगी। देश की हमारी अगली पीढ़ी की ये छात्राएं देश का नाम रोशन करेगी। हम इनका सदन में स्वागत करते हैं।

Mr. Speaker: I also welcome them.

विधान कार्य

1. दि पंजाब लेबर वैल्फेयर फण्ड (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 2007

Mr. Speaker: Now, the Labour & Employment Minister will introduce the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill, 2007 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Birender Singh): Sir, I beg to introduce the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill, 2007.

Sir, **I** also beg to move—

That the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is—

That the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-2 stand part of the Bill.

Ihe motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-4

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-5

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-6

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—

The Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Labour & Employment Minister will move that the

Bill be passed.

Finance Minister (Sh. Birender Singh): Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved–

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

2. दि पंजाब इंडस्ट्रियल ऐस्टेब्लिशमैंटस (नैशनल एंड फैस्टीवल होलीडेज एंड कैजुअल एंड सिक लीव) हरियाणा अमैंडमैंट, बिल 2007

Mr. Speaker: Now, the Labour & Employment Minister will introduce the Punjab Industrial Establishments (National and Festival Holidays and Casual and Sick Leave) Haryana Amendment Bill, 2007 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Birender Singh): Sir, I beg to introduce the Punjab Industrial Establishments (National and Festival Holidays and Casual and Sick Leave) Haryana Amendment Bill, 2007.

Sir, I also beg to move—

That the Punjab Industrial Establishments (National and Festival Holidays and Casual and Sick Leave) Haryana Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Punjab Industrial Establishments (National and Festival Holidays and Casual and Sick Leave) Haryana Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is—

That the Punjab Industrial Establishments (National and Festival Holidays and Casual and Sick Leave) Haryana Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-4

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, a Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Birender Singh): Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved–

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

3. दि हरियाणा लोकल एरिया डिवैल्पमैंट टैक्स (अमैंडमैंट) बिल, 2007

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Haryana Local Area Development Tax (Amendment) Bill, 2007 and will also move the motion for its consideration.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to introduce the Haryana Local Area Development Tax (Amendment) Bill, 2007.

Sir, **I** also beg to move—

That the Haryana Local Area Development Tax (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Local Area Development Tax (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

श्री धर्मपाल सिंह मलिक (गोहाना): स्पीकर सर, यह एक्ट शुरू से ही कंट्रोवर्शियल रहा है। जब सन् 2000 में चौटाला साहब मुख्यमंत्री थे उस समय भी यह बिल पेश किया गया और इस पर बड़ी कंट्रोवर्सी हुई थी कि यह बिल इण्डस्ट्रियल हाउसिज पर नाजायज टैक्स लगाने के लिए लाया जा रहा है। अब आज इसमें अमैंडमैंट लाई गई है और इस अमैंडमैंट के कारण statement of objects and reasons में दिए हैं कि—

"Whereas the Supreme Court of India has in its

judgement dated 13.4.2006 titled - M/s Jindal Stainless Ltd. and others Vs. State of Haryana and others clarified the concept of compensatory tax in the light of Chapter-IV, part 13 of the Constitution of India, it has become necessary to clarify the provisions of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000."

उसके बाद एक हफ्ते पहले इसी एक्ट के खिलाफ उन लोगों ने हाई कोर्ट में केस किया हुआ था उसका फैसला अभी आया है। इस फैसले के बारे में अखबार में जो हैडिंग दिया हुआ है कि हरियाणा लोकल एरिया डिवैल्पमैंट टैक्स एक्ट गलत है। इसमें यही दिया है कि अंडर आर्टिकल 301 यह एक्ट इल्लीगल है। बिलकुल क्लियर कट हाई कोर्ट नै अपनी जजमैंट में लिखा हुआ है। मैं माननीय मंत्री महोदय से यह प्रार्थना करूँगा कि कोई और कम्पत्नीकेशन अराईज न हो जाये जो अमैंडमैंट हम लेकर आ रहे हैं on the basis of the judgement of the Supreme Court. सुप्रीम कोर्ट की जजमैंट के बाद एक हफ्ते पहले हाई कोर्ट की जजमैंट आ गई है। हाई कोर्ट ने इस एक्ट को इल्लीगल घोषित कर दिया है under Article 301 of the Constitution. हाई कोर्ट ने जो जजमैंट दी है इस बारे में मंत्री महोदय क्लैरिफिकेशन दे सकते हैं।

Mr. Speaker: Question is—

That the Haryana Local Area Development Tax (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Th motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clause.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-4

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-5

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is—

That Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—

The Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, a Minister will move that the Bill be passed.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, **I** beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने इस कानून की वैधता को लेकर

जिज्ञासा जाहिर की है। मैं आपकी अनुमति से माननीय सदस्य और सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि इस कानून की वैधता को लेकर उच्चतम न्यायालय की खण्ड पीठ के पास एक मामला विचाराधीन था और वह केवल एक प्रान्त का लोकल ऐरिया डिवैल्पमैंट टैक्स का ही नहीं उत्तरप्रदेश, बिहार आदि कुल 5 इस प्रकार के प्रान्त हैं जिनका मामला वहाँ विचाराधीन था कि क्या यह टैक्स है या फीस है इस विषय को लेकर कुछ मापदण्ड उच्चतम न्यायालय ने निर्धारित किये और यह मामला भेज दिया रिस्पैक्टिव 5 हाईकोर्ट को यह निर्णय करने के लिए कि सुप्रीम कोर्ट के द्वारा निर्धारित किये गये उन मापदण्डों के आधार पर लोकल एरिया डिवैल्पमैंट टैक्स जो है यह टैक्स है या फीस है। उसका निर्णय बिहार ने सर, हाईकोर्ट ऑफ पंजाब एण्ड हरियाणा के विपरीत निर्णय दिया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक निर्णय दिया है बाकी हाई कोर्ट्स के अभी शायद फैसले आने बाकी हैं। हो सकता है उन 5 फैसलों में से कुछ पक्ष में आयें कुछ विपक्ष में आये। यह मामला फिर जायेगा सुप्रीम कोर्ट की खण्ड पीठ के पास और दोबारा इस बात का निर्णय होगा। हरियाणा सरकार इस मामले को दोबारा उच्चतम न्यायालय में लेकर जा रही है। जहाँ तक प्रश्न है प्रैजैन्ट अमेंडमैंट का यह हमारे केस को स्पोर्ट करती है। लोकल ऐरिया डिवैल्पमैंट टैक्स जो आज हम देख रहे हैं नगरपालिकाओं में जो तरक्की का पहिया बहुत तेजी से घूम रहा है और जो प्रगति आज हम पा रहे हैं यह उसका एक हिस्सा है

और यह प्रान्त के लिए अहम् है और मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि इस अमैंडमैंट को पारित किया जाये।

Mr. Speaker: Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

प्राईवेट सदस्य विधेयक

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैंने दो प्राइवेट मैम्बर्ज बिल आपकी सेवा में दिये थे एक था regarding Haryana Code of Criminal Procedure (Haryana Amendment) Bill, 2007 जो लोग शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं उसमें कानून में यह बदलाव करें कि शराब पीकर अगर कोई एक्सीडैंट करेगा तो वह जुर्म गैर जमानती माना जायेगा क्योंकि आज अगर कोई गाड़ी का एक्सीडैंट हो जाता है तो कितनी ही मौतें हो जायें खड़े–खड़े उसकी जमानत हो जाती है और जो यह लोगों में शराब पीने का रूतबा बढ़ रहा है तो इससे आये दिन एक्सीडैंट हो जाते हैं तो अमैंडमैंट के लिए मैंने प्राईवेट मैम्बर बिल आपकी सेवा में दिया था। दूसरा regarding Punjab Prohibition of Cow Slaughter (Haryana Amendment Bill), 2007 जो गौकसी होती है प्रदेश के अन्दर गायों को उठा ले जाते हैं बछड़ों को ले जाते हैं उनकी हत्या करते हैं वो भी गैर जमानती अपराध हरियाणा में माना जाये जैसे कि राजस्थान में सैशन ट्रायल में केस जाता है। सर, यह मैंने आपकी सेवा में अमैंडमैंट दिये थे उनका क्या भविष्य है?

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, जो आपने regarding Punjab Prohibition of Cow Slaughter (Haryana Amendment) Bill, 2007 दिया था वह असैप्ट नहीं किया गया और जो regarding Haryana Code of Criminal Procedure (Haryana Amendment) Bill, 2007 था वह अण्डर कंसिड़ेशन है।

वर्ष 2007 – 08 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Now general discussion on the Budget Estimates for the year 2007-08 will resume.

प्रो० छत्तरपाल सिंह (धिराय): स्पीकर सर, धान्यवाद। माननीय फाईनास मिनिस्टर जी ने जो बजट एस्टीमेट इस साल का सदन में पेश किया है, वह काफी सराहनीय है और इसका एक आधार है। माननीय फाईनांस मिनिस्टर महोदय ने एक बैलेंस दिमाग के साथ जिम्मेवारी की गम्भीरता को समझते हुए यह बजट पेश किया है। इनके विवेक के कारण ही इस साल में जो बजट पेश किया है वह बहुत ही शानदार है। इसमें जो प्रायरिटी फिक्स की है वह भी जनता की थ्रस्ट को देखते हुए की है। हरियाणा की जनता विधायकों को चुनकर भेजती है और उनकी हमारे से जो अपेक्षाएं उनकी जो जरूरतें, तकलीफें उनके गांवों, शहरों, प्रांतों के बारे में होती हैं, उनको उस बारे में चिन्तन करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः छत्तरपाल जी, आपके पास दस मिनट का समय है।

प्रो० छत्तरपाल सिंहः मैं 10 ही मिनट में कन्क्रल्यूड करूँगा Sir, we are yours disciplined soldiers. We are not people like those opposition people. We are totally different people. स्पीकर सर, मुझे अफसोस है कि वे सीटें खाली हैं। मेरे आने से पहले ही उनको निकाल दिया गया।

श्री अध्यक्षः छत्तरपाल सिंह जी, प्रश्न काल में कुछ सवाल ऐसे लगे हुए थे जिसकी वजह से वे बहाना बनाकर यहां से निकले पैं।

प्रो० छत्तरपाल सिंहः सर, मेरे ख्याल से वे जाना ही चाहते थे। उन्होंने सदन में ऐसी परिस्थिति बनाई थी कि यह सदन उनके रवैये को लेकर सदन में निंदा प्रस्ताव लेकर आया है।

Mr. Speaker: Please come to the topic.

प्रो० छत्तरपाल सिंहः जो बजट फाईनांस मिनिस्टर जी ने सदन में पेश किया है उस पर चर्चा हो। स्पीकर सर, हमारे से पहले जो सरकार यहां पर रही है उसकी प्राईऔरिटी कभी भी हरियाणा की जनता के सुख–सुविधा और हरियाणा के विकास को लेकर ठीक नहीं रही। उनके वक्त में विभागो की परफारमेंस कें आधार पर जो पैसा खर्च होना होता था उसको आंकने की कोशिश नहीं की थी। स्पीकर सर, उनकी जो सरकार बनकर आई थी वह कोई पापुलर गवर्नमैंट नहीं थी। उनका बजट लोगों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा था, उनकी कार्यप्रणाली लोगों की अपेक्षा नहीं बनी थी क्योंकि .वे लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि नहीं

थे ' हरियाणा विकास पार्टी की सरकार टूटी थी जब बी०जे०पी० ने उनसे अपना समर्थन वापिस ले लिया था तो उस वक्त हालात ऐसे बन गए और इन लोगों ने जोड़–तोड़ के माध्यम से फायदा उठा लिया था। उस 6 महीने के समय में इन्होंने लोगों से गलत वायदे किये थे, लोगों को गलत सब्जबाग दिखाए और हरियाणा की जनता ने सोचा कि ये लोग उनके अपने ही है और उनके लिए काम करेंगे। इन लोगों ने जनता की भावनाओं को आहत किया उनकी अपेक्षाओं के विरुद्ध काम किया था। इन्होंने कहा था कि हम बिजली में उनको राहत देंगे। अध्यक्ष महोदय, यह बात हमारी समझ मे तो आती है कि आज के हमारे फाईनास मिनिस्टर और मुख्यमंत्री हुड्डा जी ने बजट के अन्दर लोगों से जो वायदे भी नहीं किए थे, उनसे बढ़कर इन्होंने बजट में राहतें दी हैं। लेकिन हमारे साथी जो आज अपोजीशन में बैठे हैं, ये लोगों से जो वायदे करके आए थे, जो कामिटमैंट करके आए थे उसके विरुद्ध काम किया था। लोगों से वायदा किया था कि उनके बिजली के बिल माफ कर देंगे लेकिन वैसा इन्होंने कुछ नहीं किया था। बल्कि इन्होंने लोगों को बाध्य बनाया कि जो भी व्यक्ति बिजली के बिल की रसीद नहीं दिखाएगा. उसको कोई भी विभाग एन्टरटेन नहीं करेगा। स्कूलों में बच्चों के एडमिशन नहीं होंगे अगर वह बिजली कै बिल की कापी नहीं देगा। सरकारी अधिकारी उनकी कोई परवाह नहीं करेगा। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के राज में पुलिस परफौरमैंस जो कानून व्यवस्था को देखने के लिए बैटर होनी चाहिए थी, जो उत्तरदायित्व कानून व्यवस्थ क्यो मेनटेन

करने का काम था, उसको इनकी सरकार ने बिगाडने का काम किया था उसका दुरुपयोग किया और हरियाणा के किसानों की छातियों पर गोलियां चलाने का काम किया। सर, सरकार का नेतृत्व लोगों को दिशा अमन और चौन देता है। पुलिस एक अच्छी भूमिका बनाती है लेकिन पिछली सरकार ने एक ऐसा माहौल बनाया और हरियाणा पुलिस का दुरुपयोग किया था। उनका जो बजट था उसमें हरियाणा के विकास के लिए क्ष। बल्कि ओम प्रकाश चौटाला जी की जो बुद्धि थी उसका टोटल कंसन्ट्रेशन इस बात पर था कि इस चीफ मिनिस्टर की पोस्ट का अपने परिवार के पोषण के लिए परिवार के विकास के लिए उनके गिरोह के साथियों के विकास के लिए हरियाणा के बजट और महकमों का प्रयोग किस प्रकार हो। स्पीकर सर, उन्होंने निरन्तर उसका दुरुपयोग किया और सारे सरकारी खजाने का अपने लिए प्रयोग किया था। सारे हरियाणा का बजट उन्होंने अपने विकास के लिए इस्तेमाल किया था। स्पीकर सर, पहले ओम प्रकाश चौटाला की माली हालत इतनी खराब थी कि जो वह बीड़ी पीता था तो एक बीड़ी को बुझा–बुझा कर तीन बार पीता था। एक बार पीने के बाद बीड़ी को बुझाकर कान पर टांग लेता था। अगर कहीं जाना होता था तो वह रिक्शा पर जाया करता था और रिक्शा को भी शेयर करता था ताकि जहाँ तक उसने जाना है अगर वहां तक पांच रुपये लगते हैं तो उसके हिस्से में अढ़ाई रुपये ही आएं। स्पीकर सर, आनन्द सिंह डली जी ने सदन में जिक्र किया कि किस प्रकार से वह एक टूटा हुई अम्बैंस्डर सै गुजारा करते थे। स्पीकर सर,

उनके दिमाग में इतनी थ्रस्ट थी, इतनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा कि वह बीड़ी से सिग्रेट पर आया और कार से मर्सिडीज पर आया। उनकी माली हालत जो ठीक हुई उसके लिए उन्होंने हरियाणा के बजट का दुरुपयोग किया। स्पीकर सर, प्रश्न काल के वक्त सदन मैं चर्चा चल रही थी कि वे जब भी किसी प्राइवेट आर्गनाइजेशन की फाईल निकालते थे या उसको कोई प्रोफिट देते थे तो उसमें अपना हिस्सा मांगते थे या उसमें पार्टनरशीप मांगते थे। वे हरियाणा के बजट के बारे में नहीं सोचते थे उसके अन्दर से कितना पैसा ले सकते थे, इस तरह की सोच हरियाणा के मुख्यमंत्री की उस समय हुआ करती थी। हरियाणा का किसान और मजदूर कितनी बुरी हालत में है इस बारे में नहीं सोचते थे। उनको बिजली पानी मिल रहा है कि नहीं. कारखानों की हालत ठीक है कि नहीं इस बारे में कोइ विचार नहीं किया जाता था उनको तो बस अपनी जायदाद बनाने की थ्रस्ट थी। जब इस तरह से भी उनकी थ्रस्ट की रिक्वायरमैंट पूरी नहीं हुई तब उन्होंने चौधरी देवी लाल ट्रस्ट बनाया। उनके साढ़े पांच साल के राज में बतौर मुख्यमंत्री इन्होंने जितना भी पैसा क्लीयर किया वह सारे का सारा चौधरी देवी लाल ट्रस्ट में आया उसका प्रयोग उन्होंने अपनी पर्सनल प्रापर्टी के रूप में इस्तेमाल किया। स्पीकर सर, इण्डियन नैशनल कांग्रेस पार्टी जिसने इस देश को आजादी दिलवाई, जिसने बुनियाद रखी, सालों साल इस देश पर राज किया, उस पार्टी का हिन्दुस्तान के अन्दर हर जिले में पार्टी का कार्यालय न हो लेकिन इन्होंने मात्र पांच साढे पांच साल के राज के अंदर यह

किया है कि इंडियन नेशनल लोकदल के पास हर जिले के अंदर आलीशान बिल्डिंग्ज हैं जिनके अंदर इंडियन नेशनल लोकदल के दफ्तर चलते हैं। क्या देवीलाल ट्रस्ट का मतलब इंडियन नेशनल लोकदल के दफ्तर चलाना है? इस तरीके से हरियाणा का खजाना इन लोगों ने लूटा है। आज जो यह बात यहाँ पर उठी है कि इनके इस ट्रस्ट को आप यदि आकेंगे तो पिछले साढ़े पांच साल के अंदर आप पाएंगे कि कितना चंदा इनको मिला, फितना पैसा इनको मिला। स्पीकर सर, दो सालों का यदि आप पिछले साढ़े पांच सालों के चंदे से मुकाबला करें तो यह बात समझ में आएगी कि यह टोटल हरियाणा के बजट को चौधरी देवीलाल ट्रस्ट में खपाते थे, हरियाणा के सोर बजट को अपने फाईव स्टार होटल बनाने में खपाते थे, हरियाणा के सारे बजट को चौटाला साहब तेजाखेडा के फार्म हाउस को आलीशान फार्म हाउस बनाने के लिए लगाते थे। अभी जैसे भारतीय जनता पार्टी के हमारे एक साथी ने बताया कि इग्लैड के अंदर इनके पास बहुत ज्यादा आलीशान होटल और रैस्तरां हैं। स्पीकर सर, गंदे धंधे करना तो इनका एक काम रहा भी है। आप तो जानते ही हैं कि दिल्ली के करोल बाग के इनके होटल के अंदर किस किस्म की इल्लीसिट हरकतें करते हुए लोग पकडे जाते है उस होटल के सरगना अच्छे। प्रकाश चौटाला और उनका परिवार है। स्पीकर सर, इस किस्म के लोगों के हाथों में राज रहा है। कल यहाँ पर भूना शूगर मिल का जिक्र आया था। मैं कहना चाहूँगा कि इनकी जो अपनी पोलटिकल मंशाएं हैं चुनावों के अंदर वाहवाही लूटने के लिए और लोगों के

कैसे वोट अटरैक्ट करने हैं वही बातें ये सोचते रहते हैं। स्पीकर सर, जो इनके पितामह थे जिनको चौधरी देवीलाल जी कहते थे वे भी यही बाते कहा करते थे और इस तरह की बातें, वहीं शिक्षा ये भी लेकर चल रहे हैं कि लोगों की तकलीफ और दर्द को समझो और उसको मुद्दा बनाकर वही नारे दो, वही स्लोग्न दो अरि वही अपेक्षाएं उनकी जगाओ और इन्हीं अपेक्षाओं और नारों के आधार पर लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करो। उनका यह सोचना है कि लोगों को भावनाओं में बहाकर अपने साथ लगाओ और उससे मिली हुई सत्ता का अपने परिवार के पक्ष में प्रयोग करो। स्पीकर सर, चुनाव जीतने के बाद ये लोग जनता को भावनाओं को भूल जाते हैं, अपने दिए हुए भाषणों को भूल जाते है। स्पीकर सर, पन्नीवाला मोटा के अंदर शूगर मिल लगायी गयी लेकिन आपको जानकर ताज्जुब होगा कि वहां के लोगों को लैंड इक्वीजिशन का जो पैसा दिया जाना था वह पैसा किसानों को नहीं दिया गया बल्कि उनको इन्होंने यह कहा कि हम आपके गांव के अंदर एक कॉलेज बनाकर देंगे। उन किसानों का वह करोडो रुपया सिर्फ कॉलेज के नाम पर ही लगाया गया और उस कॉलेज का इन्होंने नाम चौधरी देवीलाल मैमोरियल कॉलेज रख दिया। स्पीकर सर, लोगों की जमीनें इन्होंने हड़पी। जमीन का मुआवजा जो सरकारी खजाने से दिया जाना चाहिए था वह उनको नहीं दिया गया। जो लोग लैंड लैस हो गये थे उनको रोजगार के साधन इनको मुहैया करवाने चाहिएं थे। उनके बच्चों को इनको कोई कारोबार देना चाहिए था लेकिन इन्होंने अपने बाप के नाम

पर एक संस्था तो और खड़ी कर दी परन्तु उन लोगों को रोजगार देने से वंचित कर दिया। स्पीकर सर, वहाँ पर एक कॉलेज का निर्माण लोगों के पैसे से किया गया और उसका नाम इन्होंने अपने बाप के नाम पर रखा। स्पीकर सर, सुरजेवाला जी ने यह कहा था कि इनके बजट के अंदर तो सिर्फ यही रहता था कि चौधरी देवीलाल की आदमकद प्रतिमाएं बनायी जाएंगी। इन्होंने उन प्रतिमाओं को जहाँ होनहार बच्चे पढ़ते थे, जहां होनहार नागरिक रहते थे वहाँ पर उन लोगों कै बीच मैं डरावने बुत की तरह खड़ा कर दिया। स्पीकर सर, पैसा किसका लगा? पैसा हरियाणा की जनता का लगा। स्पीकर सर, मैं फाइनैंस मिनिस्टर साहब से गुजारिश करूँगा कि आप एक एकड़ जमीन चौटाला गांव के अन्दर ऐक्वायर करें और इनके ट्रस्ट को आप सरकारी तंत्र के अंदर लें। जितने भी चौधरी देवीलाल के बुत हैं जिनके ऊपर आज कौए और कबूतर बीट कर रहे हैं, उनको वहाँ पर एकत्र किया जाए। स्पीकर सर, कुछ भी हो चौधरी देवीलाल जी आज स्वर्ग में है उन्होंने मेरे खिलाफ असैम्बली का चुनाव भी हारा था फिर भी मैं उनका सम्मान करता हूं। मैं चाहूँगा कि जितने भी बुत उनके हैं उनके लिए आप बजट में प्रावधान कर दें कि चौटाला गांव के तेजाखेडा फार्म के नजदीक ही एक एकड़ जमीन में इनको रखा जाएगा। स्पीकर सर, इनका रख–रखाव ओम प्रकाश चौटाला को दे दिया जाए। स्पीकर सर, वित्त मंत्री महोदय ने सिंचाई के लिए बिजली के लिए जो बजट में प्रावधान किए हैं उनके लिए मैं उनका आभार

व्यक्त करता हूँ और इस बजट को पास करने के लिए सारे सदन से गुजारिश करता हूँ।

11.00 बजे

मुख्य संसदीय सचिव (श्री धर्मबीर सिंह): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ। 16 तारीख को माननीय वित्त मंत्री श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बजट पेश किया मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

श्री अध्यक्षः आपको दस मिनट का समय बजट पर बोलने के लिए दिया जाता है। श्री धर्मबीर सिंहः ठीक है सर। अध्यक्ष महोदय आज का हरियाणा जिस प्रकार से होना चाहिए था, यह बजट दर्शाता है। जिस प्रकार से बजट में योजनाबद्ध तरीके से व्यवस्था की गई है, जिस प्रकार का हरियाणा प्रदेश हम चाहते थे उस प्रकार का हरियाणा प्रदेश हम पिछले कई सालों से बना नहीं पाए थे। आज एक नये युग का हरियाणा प्रदेश कैसे बन सकता है इस बारे में विचार करना चाहिए। आदरणीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से जो नया बजट आया है इससे उसकी झलक लगती है। इस साल के बजट में 5300 करोड़ रुपये की वार्षिक योजना मंजूर हुई है उसकी तुलना में देखें तो पिछले पांच साल के विपक्ष के साथियों की जो सरकार रही उन्होंने केवल मात्र 9237 करोड़ 41 लाख रुपये खर्च किए थे। उनकी तुलना में केवल एक साल में

5300 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान करके दिखाया है कि आज का नया हरियाणा हम कैसे बना सकते हैं न केवल एक क्षेत्र में बल्कि अलग–अलग क्षेत्रों में। क्योंकि हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है, यह सभी मानते हैं। कृषि प्रधान प्रदेश होने के कारण फसल को पानी की, बिजली की और उसके फसल के उत्पादन के भाव की जरूरत है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने जिस प्रकार से प्लानिंग कमीशन के साथ बैठक की है उससे न केवल हरियाणा प्रदेश की बल्कि हिन्दुस्तान के हर प्रदेश की निगाहें हरियाणा प्रदेश की तरफ लगी हैं कि देखें हरियाणा प्रदेश बजट में किस प्रकार की प्लानिंग करता है। हम भी उसी लाइन पर चले। जिस प्रकार से हरियाणा प्रदेश के किसानों के लिए पानी के लिए फैसला लिया गया। इस बात का विरोध पिछले टेन्योर में आज से 20 साल पहले लिया था जिसमें आप भी शामिल थे, डांगी साहब भी शामिल थे और ज्यादा नहीं तो इस सदन के लगभग एक तिहाई सदस्य मेरे समेत राजीव लौंगोवाल समझौते का विरोध करने में और इस प्रदेश का नाश करने में शामिल थे, हम सारे दोषी थे। राजीव लौंगोवाल समझौता जब हुआ, उसका विरोध सिर्फ कुछ लोगों ने सत्ता में आने के लिए किया था क्योंकि इस मुद्दे पर प्रदेश की जनता ने हमारा साथ दिया था। उसका खामियाजा आज तक हरियाणा प्रदेश की जनता भुगत रही है। यह पहला एक ऐसा समझौता था, जिसके लागू हो जाने से हरियाणा की जनता को 3 .85 एम०ए०एफ० पानी मिलना था। सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि दूसरा जिस प्रदेश की सीमाओं में नहर

बनती, उस प्रदेश को उसका खर्च वहन करना था। जिस प्रकार से हरियाणा प्रदेश को जो रावी–व्यास का सरप्लस पानी पंजाब से आना था, उसका खर्च वहन करना था। पंजाब में जो एस०वाई०एल० कैनाल बननी थी पहले उसका पैसा हरियाणा सरकार के बजट से जाना था लेकिन बड़ी खुशी की बात यह है कि स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने पहली बार राजीव लौंगोवाल समझौते के माध्यम से प्रावधान किया कि जो भी नहर बनेगी उसका सारा खर्च केन्द्र सरकार वहन करेगी। उसके बावजूद भी उस वक्त राजीव लौंगोवाल समझौते को रद्द करने में अहम् भूमिका उस वक्त की लोकदल और भारतीय जनता पार्टी की रही और उसके बाद उनके 16 विधायकों ने इस्तीफे दे दिए थे लेकिन उनके इस्तीफे मंजूर नहीं हुए थे। कुछ समय बाद महम और रोहतक का बाई इलैक्शन हुआ। आज सबसे जरूरी बात यह है कि तमाम चुने हुए प्रतिनिधियों को और उन लोगों को जिन्होंने राजीव–लौंगोवाल समझौते को रद्द करवाया था उस के एक बार उन सभी लोगों को सरेआम माफी मांगनी चाहिए कि हमने बड़ी गलती की जिसकी वजह से इस प्रदेश को उसके हिस्से का पानी नहीं मिल पाया। इस प्रदेश की जनता जानती है कि राजीव लौंगोवाल समझौते के विरोध के कारण वह मामला लटका हुआ था। केवल यही नहीं प्रदेश के आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने जब यह देखा कि जो मौजूदा पानी है उसी उपलब्ध पानी से प्रदेश का बराबर विकास कैसे कर सकते हैं। उस योजना को पहली बार हमारे कैप्टन अजय सिंह जी, जिनके पास सिंचाई विभाग है, के

साथ मिलकर उन्होंने एक योजना बनाई कि भाखड़ा मेन लाइन का पानी किसी प्रकार से डब्ल्यू० जे०सी० में डालकर दक्षिणी हरियाणा को दिया जाए जहाँ पीने का पानी नहीं था। पानी न मिलने के कारण दक्षिणी हरियाणा के लोग गाँव के गाँव खाली करने के लिए मजबूर हो रैप थे। इस सरकार ने तकरीबन 350 करोड़ रुपये की लागत से उस नहर के निर्माण का डस बजट में प्रावधान किया है। दूसरा चाहे वह मेवात का इलाका हो जहां रैनी वैल की स्कीम बनाकर मेवात को पीने का पानी दिया जाएगा। इसी प्रकार से तीसरी स्कीम यमुना पर बनाई है जिससे करनाल और कुरुक्षेत्र के उन इलाकों को जहां चार महीने बारिश का पानी आता है उनको पानी दिया जायेगा जिससे वहाँ का वाटर लैवल ऊपर आ जाये। अध्यक्ष महोदय, इस बात का दुख है कि कुछ भाई चाहे वे विधान सभा के सदस्य हैं या बाहर हैं वे देर–सवेर नहरी पानी के समान बंटवारे का विरोध करते हैं। मैं उनसे कहता हूँ कि इस बंटवारे का विरोध न किया जाए। जिस दिन यह पानी हरियाणा प्रदेश को मिलना शुरू हो जायेगा उस दिन जहाँ पर हरियाणा का नक्शा जो कुछ जगह हरा और कुछ जगह लाल दिखाई देता है जो जगह लाल दिखाई देती है वहाँ पर भी हरियाणा प्रदेश हराभरा हो जायेगा और प्रदेश का विकास बराबर होगा। जहाँ तक बाढ़ का प्रश्न है, हमारे पुराने साथी जो केवल भाषणबाजी के सिवाए कुछ नहीं करते हैं जब बारिश की वजह से प्रदेश में बाढ़ आ जति। थी तो उस पानी को ड्रेन आऊट करने के लिए उन्होंने कभी कोई पैसा नहीं दिया। यह पहली सरकार है

जिसने बाढ़ का पानी ड्रेन आऊट करने के लिए 200 करोड़ रुपये का इस बजट में प्रावधान किया है और किसानों को दस गुणा मुआवजा देने का काम किया है। ड्रेन आऊट सिस्टम से अब प्रदेश में अगर कभी भी बाढ़ आती है तो प्रदेश का एक भी हिस्सा नहीं होगा जहां बाढ़ से नुकसान हो। इसके लिए इस बजट में अलग से प्रावधान किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इरीगेशन के बारे में एक सुझाव देना चाहता हूँ दुनियां में जिस प्रकार से मौसम विशेषज्ञ बताते हैं कि गलेसियर पिघल रहे हैं और पानी की उपलब्धता आने वाले समय में ज्यादा होगी जिसकी आज प्रदेश को बहुत आवश्यकता है। मेरा सुझाव यह है कि जिस प्रकार फारैस्ट एक्ट है जिसके तहत जो आदमी लकड़ी काटता है या किसी दरखत को काटता है तो उसके लिए उसको सजा हो सकती है उसके लिए अलग से कोर्ट बनी हुई है। इसी प्रकार का ऐक्ट सरकार को इरीगेशन के बारे में भी लाना चाहिए जिससे जो लोग नहरी पानी की चोरी करते हैं उनको सजा का प्रावधान हो ताकि लोगों पर प्रभाव पड़े। अगर तीन दिन की किसी आदमी को सजा हो जायेगी तो वह फिर से पानी की चोरी नहीं करेगा। सिंचाई मंत्री जी सदन में बैठे नहीं हैं। मैं इस बजट भाषण के माध्यम से उनको यह सुझाव देना चाहता हूँ कि फोरैस्ट ऐक्ट की तरह नहरी पानी की चोरी के लिए भी एक अलग से कोर्ट बना देनी चाहिए। इसके अलावा पानी की बचत के बारे में स्कूलों में भी पाठ्यक्रम में यह बात शामिल कर देनी चाहिए ताकि बच्चे अपने बुजुर्गों को

पानी की बचत के बारे में समझा सके कि पानी कितना कीमती है। इसको बर्बाद न होने दें।

श्री अध्यक्षः धर्मबीर जी आप कन्कलूड करें आपको बोलते हुए 8 मिनट हो चुके हैं। श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से बिजली के मामले में भी इस सरकार ने काफी प्रावधान किया है। पहले तो 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल किसानों के माफ किए। इसी प्रकार से बिजली के सुधारीकरण के लिए पिछले 40 सालों में प्रदेश में जितनी भी सरकारें आई चाहें वह किसी भी पार्टी की सरकार रही हो उन्होंने केवल 1860 मैगावाट बिजली पैदा करने का प्रावधान किया चाहे वह कोयला बेस्ट थर्मल प्लांट हो चाहे गैस बेस्ट हो। लेकिन आदरणीय श्री हुड्डा साहब की सरकार ने जिस प्रकार सै बड़ी सूझबूझ से काम लेते हुए लगभग 5000 मैगावाट बिजली पैदा करने के न केवल कार्यक्रम बनाये बल्कि उनको मन्जूर भी करवाया

श्री अध्यक्षः चौधरी धर्मबीर जी कन्कल्यूड कीजिए।

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, 1200 मैगावाट कोयला बेस्ट प्लांट हिसार में और 600 मैगावाट के दो यूनिट यमुनानगर में लगाये हैं। इसके अलावा साल्हावास–मातनहेल के एरिया में झज्जर जिले में 1500 मैगावाट का गैस बेस्ट बिजली का थर्मल प्लांट लगाने का काम किया

श्री अध्यक्षः धर्मबीर जी, आपको बोलते हुए 10 मिनट हो गय है। दूसर माननीय सदस्य भी हाउस में बैठे हैं आप प्लीज कन्क्लूड कीजिए। घड़ी तो चलती है यह न आपके बस की बात है और न ही मेरे बस की बात है।

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर सर, जहाँ तक एग्रीकल्चर सैक्टर में मुआवजा देने की बात हैं, आप पाँच साल का रिकार्ड उठाकर देखे लीजिए 'उसमें चाहे सूखा पड़ा हो या ओलावृष्टि से या प्राकृतिक आपदा हो पिछले पांच साल का रिकार्ड देख लें इन पांच साल में केवल मात्र 48 करोड़ रुपये का मुआवजा किसानों को देने का काम पिछली सरकार ने किया था जबकि इस सरकार ने इस साल 100 करोड़ रुपये अकेले ओलावृष्टि से हुए फसलों के नुकसान का मुआवजा देने का प्रावधान किया है। हम धन्यवादी हैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय के कि जिस प्रकार से 100 प्रतिशत खराब होने वाली फसल पर किसानों को 5000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया जायेगा। जबकि हमारे पड़ोसी राज्य राजस्थान में बी०जे०पी० की सरकार है वहां पर 100 प्रतिशत फसल खराब होने पर 1000 रुपये और 500 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के बारे में कुछ बातें कहना चाहूँगा कि जब एन०डी०ए० की सरकार केन्द्र में थी जिसमें बी०जे०पी० मेन पार्टी थी उस समय रावी, व्यास सतलुज आदि नदियों पर जो भी बिजली के हाईडल प्रोजैक्ट बने उनमें हरियाणा को कोई हिस्सेदारी नहीं मिली। उस

समय अटल बिहारी वाजपेयी जी प्रधानमंत्री होते थे, रावी पर बी०बी०एम०बी० का हाईडल प्रोजैक्ट लगा था जिसमें हरियाणा प्रदेश को एक यूनिट बिजली की हिस्सेदारी नहीं मिली जबकि कांग्रेस पार्टी की सरकार में जब भी कभी कहीं कोई हाईडल प्रोजैक्ट लगा तो उसमें हरियाणा का प्रोपर बिजली का हिस्सा रखा गया था, चाहे कोई हाईडल प्रोजैक्ट रावी पर लगा था या व्यास पर लगा था। अध्यक्ष महोदय, आज हमारे मुख्यमंत्री जी की सूझ–बूझ के कारण ही प्लानिंग कमीशन में हमारे प्रदेश को बराबर हिस्सा दिया जाता है। जब भी कभी प्लानिंग कमीशन की मीटिंग होती है तो उसके अधिकारी हमारे प्रदेश की प्लानिंग का इंतजार करते हैं कि वह किस तरह की आयेगी और जो–जो मांगे प्लानिंग कमीशन से रखी जाती हैं उनको आख बंद करके मंजूर कर दिया जाता है। बाकी के प्रदेशों को भी हरियाणा प्रदेश के बजट का इंतजार रहता है कि किस प्रकार का हरियाणा का बजट आयेगा। अध्यक्ष महोदय. न केवल हिन्दुस्तान के लोग बल्कि दूसरे देशों के लोग भी अब दिल्ली की बजाय हरियाणा के गुड़गांव की तरफ आकर्षित होने लगे हैं। यह सब हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी की अच्छी उद्योग नीति के कारण ही होने लगा है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय को बधाई देता हूँ। आज पंजाब का भी सैशन चल रहा है। पंजाब प्रदेश पर जहाँ 53 हजार करोड़ रुपये का कर्जा चढ़ा हुआ है वहीं दूसरी तरफ हरियाणा प्रदेश की सरकार है जिसकी प्लानिंग को आख बंद करके प्लांनिग कमीशन मंजूर कर देता है। इसका कारण यही है कि प्लानिंग कमीशन के

अधिकारी सोचते हैं कि जिस प्रकार से हरियाणा प्रदेश पहल करके आगे बढ रहा है उसका दूसरे प्रदेश भी अनुसरण कर सकें और आगे बढ़ सकें। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा को बने हुए 40 साल हो गये हैं। इन 40 सालों में चाहे पहले किसी भी पार्टी की सरकार रही हो किसी ने भी प्रदेश का इतनी तेजी से विकास नहीं किया जितना विकास हम चाहते थे और पंजाब से अलग हुए थे। जो हरियाणा प्रदेश आज विकास कर रहा है वह विकास ओज से 40 साल पहले होना चाहिए था। लेकिन अब हमारे मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बहुत सारे विकास के कार्य किए हैं और लोगों ने हरियाणा प्रदेश को नम्बर एक प्रदेश बनाने के बारे में आज से 40 साल पहले सोचा था वह सपना जल्दी ही पूरा होने वाला है। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं बजट का समर्थन करता हूँ और आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद करता हूँ।

श्री एस०एस० सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैंने तीन दिन पहले बजट पर बोलने के लिए पर्ची दी थी लेकिन मुझे अभी तक बोलने का अवसर नहीं दिया गया है। मैं कभी भी इररैलेवैंट बात नही करता। मैं हमेशा रैलेवैंट बात करता हूँ।

श्री अध्यक्षः सुरजेवाला जी, आप सदन के सीनियर मैंबर हैं। आपको राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए 24 मिनट का समय दिया गया था। सदन में दूसरे सदस्य भी हैं जिनको न बजट पर न राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने

का समय मिला। यदि समय बचेगा तो आपको भी बाद में दे दिया जायेगा।

श्री उदयभान (हसनपुर, एस०सी०): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ और साथ ही साथ 16 तारीख को वित्तमंत्री महोदय ने शानदार और बेहतरीन बजट जो अपने आप में एक मिसाल है सदन में पेश किया है उसके लिए उनका भी धन्यवाद करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, पिछला बजट वित्तमंत्री जी ने 17 मार्च, 2006 को सदन में प्रस्तुत किया था उस बजट में 3300 करोड़ रुपये वार्षिक योजनाओं के लिए रखे थे ताकि प्रदेश का चहूंमुखी विकास हो। इस बार के बजट में वार्षिक प्लान में बेहतरीन और कुशल प्रबन्धान करके पिछले बजट से 785 करोड रुपये की ज्यादा बढ़ौतरी की गई है और वार्षिक योजना को 4085 करोड़ रुपये पर पहुंचाया है। उसके लिए भी मैं वित्तमंत्री जी को बधाई देता हूँ। अध्यक्ष महोदय, हम तो सोचते थे कि हमारे वित्त मंत्री जी कृषि मंत्री या गृह मंत्री के रूप में ही अपने आपको साबित कर सकते हैं लेकिन इन्होंने जिस तरह से कुशल प्रबन्धान बजट में किए हैं उससे साबित होता है कि ये एक कुशल वित्तमंत्री भी हैं. मुनीम भी हैं। यही कारण हैं कि हमारे वित्तमंत्री जी ने 11th five year plan में 35 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान प्लानिंग कमीशन से करवाया है। इसके लिए वित्तमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय. जिस तरह से उन्होंने अपने कुशल

प्रबन्धन के माध्यम से बिजली, सिंचाई, शिक्षा, रोड परिवहन, कृषि, जनस्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसी चीजों के लिए पहले से बहुत अधिक बजट का प्रावधान किया है। बिजली के लिए 14.34 प्रतिशत रखा है सिंचाई के लिए 2.5 परसेंट रखा है और शिक्षा और टैक्नीकल एजूकेशन में 13.44 प्रतिशत उन्होंने रखा है उसी प्रकार से सामाजिक कल्याण में 650 करोड़ रुपये का उन्होंने प्रावधान किया है और जो वैलफेयर ऑफ एस०सी० एण्ड बैकवर्ड क्लासिज की तरफ जो पिछली सरकार थी उसने इसमें 1 4– 15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था लेकिन माननीय मुख्यमंत्री ने उसको बढ़ाकर 100 करोड रुपये का प्रावधान किया है। उसके लिए मैं उनका बहुत बहुत धन्यवाद और आभार प्रकट करना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी ने जिस तरीके से जो किसानों की और जो गरीब आदमियों के ऊपर बिजली के बिलों का जो बोझ था उन 1600 करोड़ के बिजली के बिलों को माफ किया। जिस तरह से उन्होने कोऑपरटिव बैंकों के ओंर लण्ड डिवैल्पमैंट बैंक के जो ऋणों पर ब्याज था उसमें भी 820 करोड़ रुपये की जो राहत दी है उसके लिए ये बहुत ज्यादा बधाई के पात्र हैं। जो किसान मजदूर गरीब आदमी ब्याज नहीं दे सकते थे इसमें सहकारी ऋणों पर 553 करोड़ रुपये लैण्ड डिवैल्पमैंट बैंक के ब्याज के 267 करोड़ रुपये हैं कुल लगभग 820 करोड़ रुपये की जो राहत प्रदान की है उसके लिए वे बहुत धन्यवाद के पात्र हैं लेकिन मैं माननीय वित्त मंत्री जी और मुख्यमंत्री जी से एक प्रार्थना करना चाहूँगा कि समाज में और

भी बहुत से गरीब तबके हैं। हरियाणा हरिजन कल्याण निगम जिसको अब अनुसूचित जाति वित्त एर्वे विकास निगम के नाम सै जाना जाता है और बैकवर्ड क्लासिज एवं आर्थिक पिछड़े वर्ग कल्याण निगम जो समाज के गरीब तबके के लोग है जो लोग इन निगमों के माध्यम से ऋण लेते हैं उनके ब्याज भी बकाया हैं उनको भी इसी तरह, इसी तर्ज पर माफ किया जाये। एक Scheduled Caste के लिए जो बहुत ही सराहनीय कार्य किया है कि जो छ लाख दलित परिवारों के लिए पीने के पानी का कनैक्शन और 2000 लीटर की टंकी का प्रावधान किया है उसकी मैं बहुत सराहना करता हूँ कि एक बहुत ही बेहतरीन कार्य किया है। इसी तरह से गरीब लोगों को राहत देने के लिए मजदूरों को मिनीमम वेजिज जो 3510 रुपये दिया है उसके लिए मैं सरकार को बहुत–बहुत बधाई देता हूँ। सरकार ने 85वां संविधान संशोधन को लाग किया है उसके लिए मैं सरकार का बहुत आभार व्यक्त करता हूँ लेकिन मैं मुख्यमंत्री जी से इस 85वे संशोधन के सन्दर्भ में यह अनुरोध करना चाहूँगा कि जो इसकी आर्टिकल 16 का 4 ए है उसको मूल रूप में जिसमें consequential seniority जो प्रोवाईड की है उसको मूल रूप में जब से यह अस्तित्व में आया यानि 17.6 .95 से तब से यह लागू होना चाहिए था लेकिन इसको 16 मार्च, 2006 से लागू किया है मैं चाहूँगा कि उस पर पुनर्विचार करके इसको मूल रूप में लाग किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय वित्त मंत्री जी का बहुत धन्यवाद करूँगा कि उन्होंने अपने बजट में कहा है कि जो एस०सी० बी०सी० का बैकलॉग है वह हम पीछे

तक का पूर्ण रूप से पूरा करेंगे। पहले भी बजट में इस तरह से किया था अभी भी सरकार ने इसमें काफी काम किया है। कुछ हद तक विकलांगों के लिए स्पेशल ड्राईव चलाकर और कुछ एस०सी० का भी बैकलॉग भरने का काम किया लेकिन वह अभी सफिशियन्ट नहीं है। करीब 26 हजार बैकलोग है उसके लिए टाइम बाऊंड प्रोग्राम सरकार की तरफ से होना चाहिए। इसके लिए निश्चित समय होना चाहिए या इसके बारे में सरकार को कदम उठाने चाहिए .और समय तय करना चाहिए कि यह बैकलॉग हम कब तक पूरा करने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं विशेष कर पुलिस के बी– 1 टैस्ट के मार्क्स के मामले में आपसे अनुरोध करना चाहूँगा। जब आपने 85वां संविधान संशोधन लागू कर लिया तो बी– 1 टैस्ट में लोवर, इंटर और अपर के जो टैस्ट होते हैं इसमें भी उसी तरह से परमोशन के लिए बी– 1 टैस्ट में भी रिजर्वेशन होनी चाहिए। पहले 18.09.1992 से बी– 1 टैस्ट में रिजर्वेशन थी बाद में 01.03.।996 को हाई कोर्ट से इन्स्पूक्यान्न आई थीं उसके तहत चीफ सैक्रेटरी, गवर्नमैंट हरियाणा ने 14.10. 1999 को सारे विभागों को पत्र भेजा था। उस पत्र में जो इससे रिलेटिड परमोशन थी उनको कांसीक्वैशनल सीनियोरिटी को न मान कर ऐसिलैरेटिड परमोशन मानी थी और इसको ध्यान में रखते हुए यह वर्ष 2001 में होम डिपार्टमैंट ने बी– 1 टैस्ट में परमोशन में जो रिजर्वेशन थी वह वापिस ले ली थी। अध्यक्ष महोदय, मेरा अपिसे अनुरोध है कि इस परमोशन मे यह रिजर्वेशन लागू की जाए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपनी कांस्टीच्यूएंसी

की बात ही ले लेता हूँ। अध्यक्ष महोदय. आपके माध्यम से मैं यह अनुरोध करना चाहूंगा कि मेरे हल्के में 18 दिसम्बर, 2005 को माननीय मुख्यमंत्री जी ने डिवैल्पमैंट की काफी घोषणाएं की थी जिन में से काफी काम हौ गए हैं लेकिन कुछेक काम अभी होने बाकी हैं। इनमें से एक तो मेरा पी०एच०सी० सिहोल उन्होंने मंजूर किया था लेकिन अभी तक उसका कार्य शुरू नहीं किया गया है। अध्यक्ष महोदय, एक आई०टी०आई० उन्होंने मंजूर की थी लेकिन उस पर भी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इसी तरह से हसनपुर के पास यमुना पर एक पुल बनना था, उस पर भी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, होडल का एक पुलिस स्टेशन बनना था और एक मवेशी अस्पताल बनना था। स्पीकर सर, ये पांच कार्य ऐसे हैं जिन पर अभी कार्यवाही नहीं हुई है लेकिन बाकी के जो कार्य थे उन पर तेजी से और अच्छी प्रकार से कार्य चल रहे हैं। (विघन) ये पाँचों काम जो मैंने बताएं हैं सभी सी०एम० साहब की एनाउसमैंट में हैं। स्पीकर सर, इसके साथ ही मैं यह कहना चाहूँगा कि सिंचाई और बिजली के मामलों पर बोलने के लिए आप मुझे समय नहीं दे रहे हैं लेकिन माननीय मंत्री महोदय से मैं इतना जरूर कहना चाहूँगा कि पहले तो वे इस बारे में काफी सीरियस और चिन्तित लग रहे थे परन्तु मुझे लगता है कि अब उन्होंने इसमें कुछ ढील दे रखी है। अगर हमें फरीदाबाद में सही ढंग से पानी पहुँचाना है तो रेणुका, किसाऊ और लस्कर बांध पर कंस्ट्रट करके कार्य करवाएं। इनके बन जाने से हमें सिंचाई का पानी भी मिल सकता है और बिजली में भी

काफी राहत मिल सकती है। स्पीकर साहब, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री नरेश यादव (अटेली): स्पीकर सर, आपका धन्यवाद जो आपने मूझे बोलने के लिये समय दिया। 16 तारीख को जो बजट प्रस्ताव हाउस में पेश हुआ है वह बहुत ही अच्छा है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने बहुत ही बढिया और बेहतरीन बजट दिया है मैं इसका समर्थन करता हूँ। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: यादव साहब, आप अपनी बात दस मिनट में समाप्त कर लें क्योंकि आपको दस मिनट बोलने के लिए समय दिया जाता है।

श्री नरेश यादव: स्पीकर सर, मुझे बोलने के लिए कम से कम बीस मिनट का समय चाहिए।

श्री अध्यक्ष: आप बहुत ही इरैलिजैंट आदमी हैं और दस मिनट में तो आप बहुत सा मैटीरियल दे सकते हैं।

श्री नरेश यादव: अध्यक्ष जी, जो बजट में प्रावधान दिया गया है उसमें सिंचाई के लिए बिजली के लिए उद्योग आदि सब चीजों के लिए बजट में पैसे का प्रावधान किया गया है लेकिन जो हमारा इलाका है चाहे दक्षिणी इलाका कह दो या अहीरवाल कह दो और चौधरी कर्ण सिंह जी भी कहते हैं कि हमारा इलाका फरीदाबाद और पलवल तक भी दक्षिणी हरियाणा पड़ता है। स्पीकर सर, खासतौर से जो मेन प्राब्लम है महेन्द्रगढ़, अटेली, नांगल

चौधरी, बोदबलावा की बैल्ट कुछ ऐसी बैल्ट है जहां पर वाटर लैवल 200 फुट से लेकर और पीछे दोस्तपुर में बोर करवाया था तो 1400 फुट पानी नीचे चला गया है। स्पीकर सर, माननीय वित्त मंत्री जी इस समय हाउस में नहीं हैं इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहूँगा कि वाटर लैवल निरन्तर गिर रहा है और वाटर लैवल रिचार्ज करने के लिए इस बजट में कोई स्पैशल प्रावधान नहीं किया गया है। इस साल जिस किसान ने पानी के लिए बोर करवाया उसके दो चार लाख रुपये खर्च हो जाते हैं लेकिन अगले साल वाटर लेवल नीचे चला जाता है। इसको रिचार्ज करने कै लिए जिला महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस बारे में वित्तमंत्री जी से अनुरोध है कि इस बारे में गौर करें क्योंकि आगे जो गर्मी आएगी, उस समय पीने के पानी के लाले पड़ जायेंगे। इसलिए मेरा वित्तमंत्री जी से निवेदन है कि उन जिलों में वाटर लैवल ऊपर करने के लिए बजट में कोई प्रावधान करें। इसके साथ ही सिंचाई के लिए नहरी पानी में बढ़ोतरी हुई है लेकिन उतनी ज्यादा नहीं हो पाई है। इस सरकार का नवम्बर तक नई नहरों को बनाने का विचार चल रहा है। मुख्यमंत्री जी ने भी कहा है कि हांसी बुटाना नहर बनेगी और उसमें 2 हजार क्यूसिक पानी आयेगा। मैं सिंचाई मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि हमें पूरी आशा है कि नवम्बर तक पानी आएगा। सर, अटेलीनागल चौधरी में नहर है जहां पर पानी नहीं पहुँच पा रहा है, इसके साथ ही जो नहरें अटी पड़ी हैं उनकी सफाई करवाई जाए और जहां पर रिपेयर की जरुरत है वहां पर

रिपेयर काम शुरू हो जाए ताकि टेलों तक पानी पहुँच सके। इसके साथ ही हमारी नहरों पर जो पम्प हाउस हैं जो जीर्णशीर्ण हालत में है और ट्रांसफार्मर भी खराब हालत में पड़े हुए हैं तथा उनकी कैपेसिटी भी बढ़ानी है। कई जगह तो नहरी पानी को पम्प करने के लिए और गांवों को बिजली देने के लिए एक ही ट्रांसफार्मर है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से कहना है कि वे इस बारे में विचार करें। पिछली सरकार के वक्त में पानी के बंटवारे को लेकर बहुत अनियमिताए बरती गई थीं। पिछले 20 – 25 सालों से हमारे हिस्से का 18 लाख एकड़ फीट पानी केवल दो जिलों में ही जा रहा था और वहाँ पर पानी की बहुतायत से सेम की समस्या रह रही थी और जब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में मेला लगता था, वहाँ के लोग उस मेले में सिर्फ यही कहने आते थे कि हमारे यहां से पानी निकालो। आज हमारी सरकार .आई है तो हमारे मुख्यमंत्री जी ने पहले ही दिन कहा कि नहरों में इक्वल डिस्ट्रीब्यूशन करके दक्षिणी हरियाणा के आखिरी छोर तक पानी जाएगा। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ।

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने जो प्यायंट उठाया है उस बारे में मैं यह कहना चाहता हूँ कि जो पम्प हाउसिज खराब हो –गए हैं उनको ठीक भी करवाएंगे। इसके अलावा जहाँ–जहाँ पर ट्रांसफार्मर्ज प्राइवेट लोगों ने ले रखे हैं, पम्प हाउसिज लगा रखे हैं उनको भी हम

सैप्रेट करवाएंगे और इनके रजबाहों की सफाई और रिपेयर भी करवाएंगे।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि काफी काम चल रहे हैं। पिछली सरकार के साढ़े पांच साल के वक्त में कोई काम नहीं हुआ था। आज नहरें बनी हैं, स्कूलों की बिल्डिंग्ज बनी हैं, कॉलेजों की छतें रिपेयर हुई हैं। नांगल चौधरी, अटेली आदि सभी कॉलेजों में काम हुआ है लेकिन बिजली की जो समस्या है वह आज सबसे ज्यादा है। आज यह सरकार बिजली का नया प्रोडक्शन शुरू नहीं कर पाई है और इसके प्रोडक्शन में साल डेढ़ साल लग जाएगा। इस बारे में मेरा सरकार को सुझाव है कि आज जो भी हमारे ट्रांसफार्मर हैं उनके साथ एडिशनल ट्रांसफार्मर लगाने से एक दो घंटे बिजली का फायदा हो सकता है। सर, मैंने पहले भी मांग की थी कि अटेली, नांगल चौधरी, भोजावास कनीना आदि में जितने भी सब–स्टेशंज हैं इनमें एडिशनल ट्रांसफार्मर लगाने की जरूरत है, इसकी वजह से वहाँ पर एक साल एडिशनल बिजली दी जा सकती है। लेकिन हमारे बार–बार सुझाव देने के बावजूद भी पिछले दो साल में इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। हालांकि बजट में इस बात का प्रावधान किया गया हें ओर कहा गया है कि इसको किया जाएगा।

श्री अध्यक्षः यादव जी, अब आप कनक्लूड करें।

श्री नरेश यादवः सर, मैं कनक्लूड ही कर रहा हूँ। सर बिजली के अधिकारियों की तरफ से कहा गया कि दो तीन महीने में इस बारे मैं कार्यवाही शुरू होगी लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि बिजली की हमारे यहाँ पर समस्या है क्योंकि बिजली हमारे यहां पर डिम आती है और बार–बार इसमें कट लगता है। वहाँ पर इसके समाधान के लिए एडिशनल ट्रांसफार्मर लगा दिये जाएं तो यह समस्या दूर हो सकती है। यह पैसे से ही काम होना है इसलिए इस बारे में जल्दी से आर्डर किए जाएं और साथ ही बजट में भी इसका प्रावधान करके यह चीजें हमे दी जाएं। आज हमारे यहां पर वाटर लेवल भी नीचे जा रहा है जिसके कारण पीने के पानी की बहुत प्राब्लम है। जून के महीने से पहले–पहले इस काम को किया जाए ताकि इस बार वहाँ पर पीने के पानी की समस्या का समाधान हो सके। स्पीकर साहब, मैं पेयजल के लिए भी पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर का और सरकार का धन्यवाद करना चाहूँगा। अब गांवों में बहुत नलकूप लगाए गए हैं और पानी के बहुत बोर किये गये हैं। अब इतने बोर लगाए गए हैं जितने पिछले दस सालों में नहीं लगाए गए। गाँव–गाँव में ट्यूबवैल लगे हैं लेकिन हुआ क्या है कि जो पानी का बोर सवा साल पहले हुआ था उसमें आज तक कनैक्शन नहीं हुआ, उनमें लोगों ने पत्थर डाल दिए जिसके कारण वह बोर खराब हो गए। इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहूँगा कि वे ऐसा प्रावधान करें कि बोर करने वाली कम्पनी जिस दिन वह बोर करे तो सेम दिन बिजली विभाग और

दूसरे विभाग मोटर साथ ही देकर गांवों में पानी पहुँचाएं। स्पीकर साहब, एक–एक साल से बोर किये हुये हो गये हैं और वे ऐसे ही पड़े हैं। हालांकि पिछले एक महीने में इस बारे में काफी प्रयास हुए हैं लेकिन अभी इस बारे में और ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उन पर पैसा भी खर्च हो गया लेकिन गांवों वालों को पीने का पानी नहीं मिला इसलिए ऐसा प्रावधान करें कि जिस दिन बोर हो उसी दिन कनैक्शन जोड्ने के बाद जब पानी चल जाए तो ही कम्पनी को पेमैंट दें। इसके अलावा मैं मंत्री महोदय को आपके माध्यम से यह भी कहना चाहूँगा कि जो कन्यादान राशि, विधवा पैंशन या महिलाओं को राहत देने वाली दूसरी स्कीम्ज हैं इनके ओफिसिज अलग अलग जगहों पर हैं, दूर–दूर हैं। मैंने एक गरीब कन्या की शादी करवायी थी वह हरिजन लडकी थी इस लड़की का फादर इसको छोड्कर इसलिए चला गया था क्योंकि उसके पास पैसा नहीं था। वह कहने लगा कि मैं इतना खर्च कहाँ से करूं तो इसके बाद हम उसको लेकर ओफिस में गए थे। वहाँ जाकर हमें पता चला कि एक भी परिवार को मौके पर यह कन्यादान की राशि नहीं मिलती। स्पीकर सर, जो बिलो पॉवर्टी लाइन के लोग है जिनका पाच हजार या 15 हजार रुपये की राशि मिलती है उनके बारे में मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूँगा कि हमारे पूरे जिले के अंदर एक भी शादी के लिए मौके पर हैल्प नहीं मिली। इसलिए मेरा अनुरोध है कि इस तरह का प्रावधान शुरू करना चाहिए कि कन्यादान की राशि शादी के वक्त मौके पर ही मिल जाए क्योंकि गरीब आदमियों को कोई भी उधार पैसा नहीं देता

है। इनकी लिस्ट थोड़ी सी ही होती हैं और महकमा खाली बैठा रहता है इसलिए मेरा अनुरोध है कि शादी के मौके पर ही यह राशि मिलनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः यादव जी, आपको बोलते हुए दस मिनट हो गये हैं। आप अपने हल्के के बारे में जल्दी से कह दें।

श्री नरेश यादवः स्पीकर सर, जो उद्योगों की एस०ई०जैड० की बात आयी है। गुड़गांव से लेकर बावल तक और रिवाड़ी तक बहुत बड़ी–बड़ी इंडस्ट्रीज लगी हैं और अब भी उद्योग लग रहे हैं। एस०ई०जैड० की भी परमिशन मिली है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूँगा क्योंकि उन्होंने पहले भी आश्वासन दिया था कि जो भी उद्योग हरियाणा में लगेंगे तो उनमें कुछ रिजर्वेशन हरियाणा के लोगों के लिए रखेंगे क्योंकि धरती तो हमारी लगातार जा रही है। गुड़गांव से लेकर रिवाड़ी तक रोहतक तक हरियाणा की धरती पर उद्योग लग रहे हैं और इनमें पूरी दुनिया का इम्पलाई आ रहा है लेकिन लोकल व्यक्ति को इनमें काम नहीं मिल रहा है। अभी तक इस बारे में कोई प्रावधान नहीं किया गया है जबकि जमीनें हमारी दी जा रही हैं। उद्योग लगातार लग रहे हैं लेकिन हरियाणा के लोगों को उनमें लेबर के रूप में भी काम नहीं दिया जाता है। सरकार को ऐसा प्रावधान करना चाहिए कि इनमें पहले हरियाणा की जनता को प्रेफरैन्स मिलेगा। स्पीकर सर, बेशकीमती जमीनों को बड़ी–बड़ी कम्पनियों के लिए ऐक्वायर करके देते हैं, दूसरे तरीके से देते हैं इसका ऐसा प्रावधान होना

चाहिए कि जो चिकित्सा और शिक्षा के इंतजाम हैं वे उनके द्वारा किए जाने चाहिएं और उन अस्पतालों में गवर्नमैंट के रेट पर इलाज किया जाना चाहिए उन शिक्षण संस्थाओं में गवर्नमैंट जैसे अभी कैंसर के बारे में इस सदन में बात चल रही थी। मेरी लड़की भी कैंसर की बीमारी की वजह से ऐक्सपायर हुई थी इसलिए मुझे पता है कि कैंसर का मरीज कितनी परेशानी में जीवन गुजारता है। सबसे बड़ी परेशानी तब होती है जब उस रोग की आईडैंटिफिकेशन सही समय पर न हो। यही एक ऐसी बीमारी है जिसका पता लगते ही आदमी वैसे ही मर जाता पै। इसलिए मेरी मंत्री महोदया से प्रार्थना है कि हर जिले में इस बीमारी की चौकिंग का प्रावधान हो। गरीब आदमी चक्कर काटता रहना है। जब उसका मुंह हमेशा के लिए बंद हो जाता है तब इस बीमारी से उसको राहत मिलती है। मैं तो यह भी कहूँगा कि गरीब लोगों की इस मामले में रेड क्रॉस सोसायटी या अन्य किसी संस्था के मार्फत मदद की जानी चाहिए। इस बीमारी से ग्रस्त कई लोग अस्पतालों के चक्कर काटते रहते हैं और उनकी डैथ हो जाती है।

श्री अध्यक्षः आपको बोलते हुए दस मिनट का समय हो गया है। अब आप बैठ जाएं और सदस्यों ने भी बजट पर बोलना है।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष जी, मैं कन्क्लूड ही कर रहा हूँ। जहाँ तक भ्रष्टाचार की बात है अभी पिछली सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार हुदा घोटाले हुए और उन्होंने उनकी गलत

नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने वालों के खिलाफ झूठे मुकद्दमे बनाए। मेरे खिलाफ भी मुकद्दमे बनाए गए थे जो कि आज भी चल रहे हैं। गरीब लोगों के बारे में आवाज उठाने नहीं देते थे। उनकी आवाज को दबाने के लिए पिछली सरकार ने जो अपराधी छोड रखे थे, वे अपराधी आज भी वैसे ही घूम रहे हैं, माफिया सरेआम घूम रहा है। उनकी सरकार के समय के चहेते अधिकारी उनको संरक्षण देते हैं। आज भी वे लोग कहते हैं कि हमारी सरकार बनेगी तो हम यह कर देंगे, वह कर देंगे। मेरी सरकार से मांग है कि पिछली सरकार के समय के जो अपराधी तत्व हैं उनके खिलाफ मुकद्दमे बनाकर उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए। (विघन)

श्री अध्यक्षः आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गए हैं। अब आप बैठ जाए।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं समाप्त कर रहा हूँ। अध्यक्ष महोदय, कार्यवाही के लिए जो फाइल चलाई जाती है वह नीचे जाकर दब जाती है और उससे उन अपराधियों के हौंसले बुलंद हो जाते हैं। उनके खिलाफ ऐफीडेविट दे दो और उनको एक महीने मे गिरफ्तार नहीं किया जाए तो इतने समय में तो वे सोर्स निकाल लेते हैं। वे अपने लोगों को बचाने में कामयाब हो जाते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह सब बातें रिपीट हो चुकी हैं। You are repeating the same things again and again. Please sit down.

आपको बोलते हुए 16 मिनट का समय हो गया है। अब आप बैठिए।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, मुझे अपने हल्के के बारे में एक महत्वपूर्ण बात और कहनी है। वह कह लेने दीजिए। माननीय मुख्यमंत्री जी से मैं कहना चाहूँगा कि पहले तो मैंने माँग की थी कि हमारे इलाके में 900 एकड़ जमीन सरकार को देने के लिए प्रयास किया है। मैंने मैडीकल यूनिवर्सिटी की मांग की थी। नांगल चौधरी बैकवर्ड एरिया है। वहाँ पर नौजवान बच्चों के लिए कोई काम नहीं है। सरकार ने जिस तरह से शराब के बारे में पालिसी बनाई है उससे हर जिले में हजारों लडकों को अच्छा रोजगार मिल गया है। फिर भी और लोगों को रोजगार देने का भी सरकार को कोई न कोई प्रावधान करना चाहिए। जिससे बेरोजगार नौजवानों को मौका मिले। मैं यह भी कहना चाहूँगा कि नांगल चौधरी में कोई भी टैक्नीकल इंस्टीच्यूट नहीं है। जो आई०टी० आई० नांगल चौधरी में खोलने की बात है वहां से बहरोड और नीम का थाना जो औद्योगिक नगर हैं नजदीक लगते हैं उनसे अटैच होकर यह आई०टी० आई० चल सकती है 1 एक कांटी खेड़ी में आई ०टी० आई० बनाने की मांग की गई थी जहाँ से 5 किलोमीटर दूरी पर इण्डस्ट्रियल सैट अप लगा हुआ है। इसलिए यह आई०टी०आई० उसके साथ अटैच हो सकती है। इसी प्रकार से अटेली मण्डी में पिछले 12 साल से म्यूनिस्पिल कमेटी नहीं थी लेकिन अभी बनी है और उसका चुनाव अभी हुआ है।

इसलिए पिछले 12 सालों में अटेली मण्डी का कोई डिवैल्पमैंट नहीं हुआ। इसलिए अटेली मण्डी के विकास के लिए कम से कम 2 – 3 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाए ऐसा मेरा माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है ताकि वहाँ पर सुधार हो सके क्योंकि वहाँ पर न तो चौपाल है, सीवरेज की व्यवस्था का बुरा हाल है, सारी सड़कें टूटी हुई हैं और अस्पताल में पानी भर जाता

श्री अध्यक्षः यादव साहब, आपको बोलते हुए 18 मिनट हो गये हैं आप प्लीज कनक्लूड कीजिए।

श्री नरेश यादवः स्पीकर साहब, मैं केवल ये। मिनट और लूंगा। अध्यक्ष महोदय, अटेली से कनीना तक की सडक तो काफी अच्छी हालत की बन गई है लेकिन अटेली से बहरोड की जो रोड है वह दस किलोमीटर की रोड है और वह रोड काफी जीर्ण–शीर्ण अवस्था में है उसको बनवाया जाये क्योंकि राजस्थान सरकार ने तो अपने हिस्से की रोड के लिए 6 करोड़ रुपया पास कर दिया है। हमारे एरिया के लोगों को राजस्थान हाईवे पर काफी आना जाना पड़ता है तो मात्र 15–20 मिनट में अटेली का आदमी बहरोड पहुँच सकता है, किसानों को इससे राहत मिल सकती है। इसी प्रकार सै अटेली सै नारनौल की सड़क को बनवाया जाए। जितनी भी हमारी 6 सड़कें जो हमारे क्षेत्र को राजस्थान से लिंक करती हैं उनको बनवाया जाए क्योंकि हमारे किसानों को वहाँ पर आना जाना पडता है। इनके बारे में मैंने

मंत्री जी को लिखकर भी दिया है। दस किलोमीटर का टुकड़ा है इसको बनवाया जाए आपने मुझे समय दिया इसके लिए धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: धन्यवाद।

श्री ओम प्रकाश चौटाला: एम०एल०ए० के विरुद्ध

विशेषाधिकार भंग का प्रश्न

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of breach of privilege from Parliamentary Affairs Minister against Shri Om Parkash Chautala M.L.A. for grossly misconduct, misbehaviour and obstructing the proceedings of the House, thereby committing contempt of this House/breach of privilege.

I give my consent to the raising of this question of alleged breach of privilege and hold that the matter proposed to be discussed is in order and I now ask Parliamentary Affairs Minister to rise and ask for leave to raise the question of breach of privilege.

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से इस सदन का ध्यान Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly Rule 278 read with 295 की तरफ आकर्षित करते हुए एक रेजोल्यूशन सदन में लाना चाहता हूँ कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी के खिलाफ उनके दुर्व्यवहार को और उनके कन्डक्ट को देखते हुए यह मामला प्रिविलेज कमेटी को भेज दिया जाए।

वह इस हाउस के समक्ष लाना चाहता हूँ। लेकिन इससे पहले मैं यह कहना चाहूँगा कि इस हाउस ने 15 मार्च को और कल 19 मार्च को दो बार निन्दा प्रस्ताव पारित करके लोकदल के साथियों के दुर्व्यवहार और बार–बार सदन के कार्यो में व्यवधान डालने का प्रयास किसी नीतिगत बात पर चर्चा न होने को उनकी जो मन्शा और हर प्रकार से पूरे सदन का अपमान किया और सदन के साथ–साथ जो सदन के गॉरडियन हैं आदरणीय अध्यक्ष महोदय उनके सम्मान में आपत्तिजनक बातें कहना और सदन के अन्दर नारे लगाना, सदन के अन्दर दुर्व्यवहार करना और आपके द्वारा फ्राखदिली और सदन के नेता की फ्राखदिली के बावजूद वापस सदन आकर हरियाणा के लोगों की समस्याओं पर अपनी बातें न कहना यह उनके चरित्र और कार्यशैली का हिस्सा बन गई है व इस सदन के अन्दर किसी भी प्रकार से उन्हें दुर्व्यवहार करना है। इस दुर्व्यवहार से पूरा ताना बना श्री ओमप्रकाश चौटाला और उनके साथी सदन से बाहर बुनकर आते हैं और एक बिलकुल टेप में जो प्रोसिडिंग्ज हैं उसकी तरह उनका व्यवहार होता है और न उससे आगे जींते और न उससे पीछे जाते। स्पीकर सर, मुझे याद है जब महामहिम के अभिभाषण पर पेश हुए धन्यवाद प्रस्ताव पर डिस्कशन चल रही थी तो आपने उनको बोलने के लिए 54 मिनट का समय जो उनका बनता था वह दिया परन्तु उसके बावजूद भी डेढ़ घण्टे के करीब अकेले श्री ओमप्रकाश चौटाला जी बोले और उन्होंने यह भी कह दिया जैसा कि कल एक माननीय सदस्य ने कहा था कि मेरे बाकी किसी सदस्य को बुलाने की जरूरत नहीं

है, इनका समय भी मैं लूंगा। इन बातों से जाहिर होता है कि आज भी वे कितने ज्यादा अहंकार से ग्रस्त हैं। वे अपने सदस्यों को बंधुआ मजदूर बनाकर रखते है। अध्यक्ष महोदय, आपने जहाँ चौटाला जी को डेढ़ घंटे का समय दिया उनकी बात को न मानते हुए उनकी पार्टी के सदस्यों को भी 10– 10 मिनट का समय सदन के नेता के आग्रह पर दिया। लेकिन फिर भी उन्होंने एक शब्द नहीं बोला और सदन से बर्हिगमन करके चले गये। बोले इसलिए नहीं कि उनके पास अपने पाप छुपाने के अलावा कुछ कहने को नहीं है और सदन में इधर–उधर की बातें करके सदन का समय बर्बाद करना उनका मुख्य काम होता है। उनके गलत व्यवहार के कारण ही सदन में 15 मार्च और 19 मार्च को निंदा प्रस्ताव लाना पड़ा था। उससे भी उन्होंने कोई सीख नहीं ली और आज सदन में उन्होंने प्रजातांत्रिक मूल्यों की धज्जियां ही उड़ा दीं। अध्यक्ष महोदय, प्रश्न काल एक अहम् विषय होता हैं। आज प्रश्न काल पर चर्चा चल रहा थी उस समय उन्होंने उठकर कहा कि पूरे सदन को माफी मांगनी चाहिए। स्पीकर सर, मुझे नहीं लगता कि इस महान् सदन में आज से पहले कभी इतनी गैर जिम्मेदाराना बात किसी सदस्य के द्वारा कही गई हो खासतौर पर ऐसे सदस्य द्वारा जौ दुर्भाग्य से इस प्रदेश का दों–तीन बार मुख्यमत्री रहा हो और पार्लियामैंट में भी गया हुआ हो 1 उन्होंने शे सदन से माफी मांगने की बात प्रश्न काल में कहकर अपने अहंकार की हद ही कर दी। कल को वे यह कहेंगे कि पूरे हरियाणा प्रदेश की जनता उनसे माफी मांगे कि उन्हें चुनाव में इतनी बुरी तरह से क्यों हरा

दिया, बाहर क्यों कर दिया, नकार क्यों दिया। स्पीकर सर, ओम प्रकाश चौटाला जी ने सदन की वैल में आकर जिस तरह की अभद्र भाषा का इस्तेमाल करके गाली–गलोच की मैं समझता हूँ. उससे पूरे मदन को और प्रदेश के लोगों को शर्म महसूस हुई होगी। इस तरह के लोग गलती से चुनकर सदन में आ गये हैं। इन लोगों ने सदन की मर्यादाओं का और सारी परिपाटियों का घोर उल्लघंन किया है। इसलिए मैं स्पीकर सर, आपकी अनुमति से इस सदन के समक्ष एक प्रीविलेज मोशन रखना चाहूँगा।

Sir, now I beg to seek' the leave of the House to raise the question of breach of privilege against Shri Om Parkash Chautala M.L.A. for grossly misconduct, misbehaviour and obstructing the proceedings of the House, thereby committing contempt of this House/breach of privilege.

Mr. Speaker: Have the Hon'ble Members the leave of the House to raise the question of breach of privilege ?

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The leave granted.

Now the Parliamentary Affairs Minister may please move his motion to refer the matter to the Committee of Privileges.

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, **I** beg to move—

That the matter regarding misconduct, mis-behaviour and disorderly disrupting the proceedings of the

House, unbecoming of a Member of this House, thereby committing the contempt of the House/ breach of privilege on 20th March, 2007 and on earlier occasions also during the present Session, by Shri Om Parkash Chautala, MLA, a Member of this House, be referred to the Committee of privileges for examination and report by the first sitting of next Session.

Mr. Speaker: Motion moved–

That the matter regarding misconduct, mis-behaviour and disorderly disrupting the proceedings of the House, unbecoming of a Member of this House, thereby committing the contempt of the House/ breach of privilege on 20th March, 2007 and on earlier occasions also during the present Session, by Shri Om Parkash Chautala, **M.L.A.,** a Member of this House, be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of next Session.

कृषि मंत्री (सरदार एच०एस० चट्ठा): आज बड़े दुख दी गॅल है जिस ऑगस्त हाउस विच जिस महान् हाउस दे विच चौधरी रणबीर सिंह, एम०एल०ए० रहे जिस महान् हाउस दे विच सरदार प्रताप सिंह कैरों, गोपीचन्द भार्गव, किचलू जहे ररम०एल०ए० रहे उस हाउस दे विच चौटाला साहब ने एक ऐहोजियाँ भदिया गॅलां कितिया जेहडा एक एक्सपीरियंसड कदी नहीं करेगा। स्पीकर साहब, मैं मुबारक देसा तुहानू जिन्ना सबर, संतोख, शान्ति द्या दिखाई है ऐ बी एक हद ऐ। उत्थों उनाने शोर पाया, रोला पाया, वरज्यूअली गालां कितिया और फिर करदे करदे वैल विच आ गये,

मैं ईदां कदी नहीं वेख्या, 30 साल विच कदी नहीं वेख्या। कोई उत्थे वैल ते आ जाए ते स्पीकर वाल उगल करके आक्खे कि तू पापी है, तू गुनहगार है, यो ३ बी सबर कित्ता द्या फिर भी समाई कीत्ती उन्हों नू ऐ गॅल आक्सी तूसीं हौर बोलणा हे ते बोल लवा। मुख्यमंत्री जी मैंनू बहुत डिबेटां देखने दा मांका मिल्या। मुख्यमंत्री ने बडी उदारता दिखाई, मुख्यमंत्री दे खिलाफ भी, सरकार दे खिलाफ बोलते सुनिया, सारे हाउस दे खिलाफ बोलदे सुनिया और तो हुण ओहने पूरे स्टेट दे खिलाफ बोलणा सी। सारे हाउस के खिलाफ बोलते सुना और कहते हैं कि हाउस माफी को। शायद कोई वो खास कष्ट होवेगा कोइ खास रूल होवेगा कोइ खास मयादा हावंगा, काइ खास हावगा या चाधरी साहब वो चौधगई साहब होणगे कि जिन्ना कोलों हाउस माफी मंगे कि कल जेहडा इन्हां किता, गलत है। बहुत दुख दी गॅल है जदों हाउस की मर्यादा इन्नी थल्ले डेगी है कदी उम्मीद नहीं कर सकदे जेहडा होण स्तर बचिया है हाउस दी मर्यादा बारे तूसीं उन्हां कोलों किन्हीं कु उम्मीद कर सकदे हो। साडियां धियां आइया ने इत्थे। ऐना जाके स्कूल विच गॅलाँ करनी ऐ, ऐना जाके स्कूल विच दसणा है कत्थे एक बुजुर्ग एक उहदे नाल हीर बुजुर्ग हीर चंगे चंगे बंद इद्दां लडूदे हन जिद्दा कूकॅडु लडदे ने पए। अजीब सी गॅल ऐ जेहडी सुणी है। इस तरहा मैं कदी नहीं वेख्या, यां तां कूकॅडु लडदे हन इस तरहां या फिर भेड्डा बकरियां जदों इकट्ठी होदिया ने जदो एक दूसरे नाल ओह लडदिया ने कदी इन्सान इस तरहा लडदे नहीं देखे और इस मर्यादा दे दायरे विच। पंचायत दे विच

जेहडा ऊंची बोले ओहनू कहंदे नें गुस्ताख है। ओह पंचायत जेहडी केवल एक पिंड दी पंचायत है। 6000 पिंडां दी पंचायत है, ऐहदे विँच ऐना मद्दा बोलणा ऐना नाजायज ऐना गलत बालणा और फिर ऐ कहणा कि हाउस माफी को। आज तक ऐ मिसाल असी नहीं कदी सुणी। असो तां ऐ नहीं सुणिया कि स्पीकर माफी मंगे। हाउस को चलने नहीं देंगे और हाउस को तोड़ देंगे और असीं हाउस को हाउस नहीं समझते। बहुत दुःख दी गॅल है और मेरा कहने को तो बहुत दिल करता है पर कहणा भी होवे लेकिन जिन्ना भी कह लो ओनानू। मैं जेहडा पार्लियामैंटरी मिनिस्टर सुरजेवाला साहब ने मोशन रखी है उसदी सपोर्ट करदा हां।

श्री रामकुमार गौतम (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, असल में जो उन्होंने किया है उनके लिए कोई ऐसी शर्म की बात नहीं है क्योंकि वे हैं ही ऐसे लोग और नाम भी पार्टी का रखा इंडियन नैशनल लोकदल। न तो इंडियन न नैशनल न लोकदल। यह तो एक गिरोह है और गिरोह के सरगना हैं ये और इसके दो बेटे। भय भ्रष्टाचार, भेदभाव, जातिपाति का रंग देकर ऐसे नारे देकर राज ले लेना उसके बाद बहुत बेहूदगी से लूटना। आप इनसे और उम्मीद क्या करोगे? इसलिए ये जो उन्होंने कुकर्म किया है वह वाकई कंडैमनेबल है उनको जितना कंडैम किया जाए उतना ही थोड़ा है मैं यह समझता हूँ कि ये अपनी संस्कृति के लोग भी नहीं हैं। ये तो अलाऊद्दीन खिलजी और तैमूरलंग वंश के हैं। तैमूरलंग से इनके काफी गुण मिलते हैं। आप देखिये तैमूरलंग सारे

हिन्दुस्तान को लूटता था, दिल्ली को लूटता था उसके बाद महम में आकर वह कांपने लग जाता था। दौगी साहब ने उसको सबक सिखाया। चुनावों के दौरान इन्होंने वहाँ बूथ कैपचरिंग रोकी। ये बधाई के पात्र हैं। ये तो बच गये इनको मारने की साजिश थी। दोस्ती करके छुरा घोंपना तो इनकी संस्कृति का सबसे बड़ा दोष है। अमीरसिंह का क्या दोष था? जब वह बच्चा था उस समय वह इनके बाप के साथ लगा था। उसका बेरहमी से कत्ल कर दिया गया। उसके घर जाकर हलुआ मंडे खाकर उसका कत्ल करके उसकी लाश को फेंक दिया। स्पीकर सर, ऐसे लोगों को तो शर्म आनी चाहिए। ये लोग जनता को बेवकूफ बनाते हुए घूमते रहे हैं। जनता भी बेचारी ऐसी भोली है कि इनके नारों में आ जाती है लेकिन अब जो हालत इनकी हुई है मैं समझता हूँ कि इसके बाद जिन्दगी भर इनकी शक्ल यहाँ पर दिखाई नहीं देगी। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी में हुड्डा साहब और चौधरी भजन लाल जी के आपस में लड़ने से ये आठ– नौ लोग हाउस में आ गए हैं नहीं तो इनके इतने विधायक कहाँ से बनने थे। इनका तो एक ही अकेला आदमी बनता और वह भी बड़े तगड़े मुकाबले से ही बनता। अध्यक्ष महोदय, जो मोशन यहाँ पर लाया गया है मैं उसको सपोर्ट करता हूँ उसका समर्थन करता हूँ। धन्यवाद।

श्री अरजन सिंह (छछरौली): अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। जहाँ तक इस बजट का सवाल है, यह बहुत ही अच्छा बजट है।

श्री अध्यक्षः अरजन सिंह जी, आप इस मोशन पर बोलें। इस वक्त जो मोशन हाउस में विचाराधीन है उस पर आप बोले अभी बजट पर चर्चा नहीं चल रही है। आप हाथ खड़ा कर रहे थे इसलिए यदि आपको इस मोशन पर बोलना है तो बोलें।

श्री अरजन सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं हाथ तो किसी और बात के लिए खड़ा कर रहा था। जब आपका आदेश हुआ है तो मैं दो चार बातें इसके बारे में बता देता हूँ। सीकर सर, मैं गौतम साहब की हर बात से सहमत हूँ। इन्होंने जो कहा हे वह बिलकुल ठीक है इसलिए मैं और कुछ कह कर हाउस का वक्त बर्बाद नहीं करना चाहता। इन लोगों ने जनता पर इतने अत्याचार किए हैं वे किसी से छिपे हुए नहीं हैं। स्पीकर सर, अगर आज ये गिने चुने हुए लोग ही हाउस में बैठे हुए हैं यह उसी का नतीजा है। जहाँ तक अखबार नहीं पहुँचते या टी०वी० नहीं पहुँचता हो ये लोग वहां तक के लोगों के पास पहुँच जाएंगे कि हाउस में क्या चीज हुई। आज हाउस में जो कुछ भी देखने को मिला है मुझे तो इस बोर में कुछ पता ही नहीं था। पता नहीं इन लोगों ने कैसे पांच साल तक पब्लिक के साथ व्यवहार किया उसका रिजल्ट इनको मिल गया है। स्पीकर सर, अगर इनको राज करने के लिए दो–चार महीने और मिल जाते तो मैं यह बात बिलकुल सत्य कह रहा हूँ कि इनका एक भी मैम्बर चुनकर हाउस में नहीं आना था। स्पीकर सर, यह तो एक उदाहरण है, एक कहानी है लेकिन मैं वह

यहां पर कहना नहीं चाहता। जो मोशन यहाँ पर प्रस्तुत किया गया है मैं उसका समर्थन करता हूँ?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): स्पीकर सर, हमारे संसदीय मंत्री जी जो प्रस्ताव सदन में आज लेकर आए हुँ मैं कहना चाहूँगा कि दो साल तक तो ये श्रीमान हाउस में आये नहीं। मैं पिछले करीब 1 छ साल से इस सदन के अन्दर आ रहा हूँ। लेकिन पूरे क्वैश्चन आवर के दौरान कभी भी व्यवधान नहीं डला। हम लोग भी इस तरफ विपक्ष में बैठते रहे हैं लेकिन हमने कभी भी हाउस को डिस्टर्ब नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने जो चेयर पर एसपर्शन करने का प्रयास किया है उसको 'अभद्र कहा जाएगा क्योंकि आप इस हाउस कै कस्टोडियन हैं और उन्होंने आपके प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। स्पीकर सर, मैं समझता हूँ कि इसमें उन्होंने न तो हाउस की गरिमा का ध्यान रखा और न ही ठीक व्यवहार किया। मैं समझता हूँ कि यह ग्रोस मिस कण्डक्ट था। असल बात तौ यह थी कि चौधरी दैवी लाल ट्रस्ट के बोरे में आज एक प्रश्न था जिसके तहत इनके काले कारनामों के बारे में सारी बात उजागर होनी थी ये उससे बचना चाहते थे। दूसरे भल्ला कमीशन की रिपोर्ट भी आज टेबल होनी थी इसलिए यह बहाना ढूंढते रहे कि किस तरह से हाउस को डिस्टर्ब किया जाए किस तरह से लोकतान्त्रिक प्रणाली का हनन करने में ये लोग लगे रहते थे 1 अध्यक्ष महोदय, इससे पहले जब आप और हम इस तरफ बैठते थे तो हम को खड़े–खड़े नेम कर

दिया जाता था। मैम्बर्ज वापिस बुलाने के लिए रिक्वैस्ट करते रहते थे लेकिन आज तक कभी भी इन्होंने किसी मैम्बर को हाउस में वापिस नहीं बुलाया। स्पीकर सर, यहाँ पर हमारे लीडर ऑफ दी हाउस ने फ्राखदिली दिखाते हुए इनको नेम होने के बावजूद भी आपको यह कहा कि इनको वापिस बुलाया जाए। अध्यक्ष महोदय, आज से पहले कभी भी ऐसा नहीं हुआ कि किसी मैम्बर को नेमिंग के बाद वापिस बुलाया हो। किस तरह से हमें उठा– उठा कर बाहर फेंका जाता था। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि हाउस में गाली –गलौच करना और अब तक का उनका जो बिहेवियर था वह दर्शाता है कि अब तक भी तानाशाही की प्रवृत्ति उनमें बनी हुई है। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने यहां पर यह कहा कि पूरा हाउस माफी मांगे यह बात बहुत ही गलत बात है। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूँ कि ये लोग भ्रष्टाचार की जननी हैं, इन लोगों की लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति कभी भी आस्था नहीं थी। मैं एक बात कहना चाहूँगा कि इनके दल की पार्टी का नाम अकल दल होना चाहिए ये अकाली दल से मिले हुए हैं और जो भी कार्य करते हैं वे सारे कार्य उनसे मिल कर करते हैं। इनका बिहेवियर किस तरह का रहा है वह माफी के बिलकुल लायक नहीं हैं। इनकी हालत तो यह रही है कि इन लोगों ने पंचायतों की जमीनों पर गैर कानूनी कब्जे कर रखे हैं और पंचायतों की जमीनों पर 3 प्रतिशत गिफ्ट टैक्स दिया जाता है वह भी नहीं दिया। स्पीकर सर, उनकी सारी बातें आज उजागर होनी थी उस बात से बचने के लिए उन्होंने बहाना मार कर क्वैश्चन आवर को डिस्टर्ब किया है।

आपने बड़े तरीके से कहा कि आपको बोलने के लिए समय देंगे लेकिन उन्होंने इस बात की कोई परवाह नहीं की। अध्यक्ष महोदय, मैं यह समझता हूँ कि इनके खिलाफ जो प्रिविलेज मोशन लाया गया है उसकी बहुत जरूरत थी इसलिए थें इसका पूरा समर्थन करता हूँ।

12.00 बजे

शिक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): माननीय अध्यक्ष महोदय, कोई संस्था, कोई भी समाज या घर नियमों के नहीं चलता है। उसी तरह से हरियाणा विधान सभा को चलाने के लिए नियमावली बनी हुई है और उस नियमावली में इस बात की चर्चा नहीं है कि प्रश्न काल से पहले कोई भी मुद्दा सदन में उठाया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, सदन में सबसे पहले प्रश्न काल को महत्त्व दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, आप भी कई बार इस सदन के सदस्य रहे हैं और मैं भी चौथी बार यहाँ पर चुनकर आया हूँ। इतने समय से सदन में कभी भी ऐसा मौका नहीं आया है कि प्रश्नकाल से पहले जीरो ऑवर शुरू किया गया हो। आपने बड़े ही रहम दिल से उनको कहा कि अपनी सीटों पर जाएं लेकिन उन्होंने सदन का कोई सम्मान नहीं किया। उन्होंने तो चुने हुए नुमायंदो को कभी भी सम्मान नहीं दिया है वे यहां पर यही बोलते रहे '' क्या बोलता है, बैठ जा '', इस तरह का अभद्र व्यवहार वे करते हैं। आपने फिर भी उनको उनकी सीट पर बैठ जाने के लिए कहा। अध्यक्ष महोदय, जब ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री थे,

उस वक्त यदि कोई एम०एल०ए० इनके पास काम करवाने के लिए जाता था तो ये कहते थे '' बड़ी आयो एम०एल०ए०, काम करवाएगा, थानै बालदी कोई लावे नहीं, भीजजा अठयो '' (विघन)। अध्यक्ष महोदय, यह बागड़ी बोली है, वहाँ की भाषा भी कड्वी है और आदमी भी कड़वे हैं। (विघन) उन्होंने चुने हुए नुमायन्दों को कभी सम्मान दिया ही नहीं है, हमेशा उन्होंने तो तानाशाही चलाई है। आपने भी देखा है कि बिना किसी नियम के बोलते रहे और सदन की वैल में आ गए थे। आपके प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, पता नहीं क्या बोल रहे थे '' अै, अै '' अध्यक्ष महोदय, आपको बोला था। उन्होंने यह भी कहा था कि हाउस को नहीं चलने देंगे। अध्यक्ष महोदय, ये किस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। यह तो पशुओं की भाषा हैं '' मै पै ऐ ''। यह भाषा तो पशु ही बोलते हैं। तब भी आपने बहुत सब्र दिखाया, इस सब के बावजूद भी आपने उनको कहा कि आप अपनी सीट पर जाएं। वे अपनी सीट पर नहीं गए। आपने तो यह भी कहा था कि आप अपनी बात बजट स्पीच में बोल लेना आपको बजट पर बोलने का समय दिया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने भी उनको दो बार कहा लेकिन वे अपनी सीट पर नहीं गए। आपने नियमों का पालन करते हुए उन्हें सदन से बाहर निकाल दिया। इसके बावजूद मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि उनको सदन में वापिस बुला लें। आपने बड़ी उदारता दिखाते हुए आदेश दे दिया कि बुला लो, लेकिन तब भी वे सदन में वापिस नहीं आए। वे बिना किसी बात के हर बात का विरोध करते हैं। उनके पास सदन में बोलने के लिए कोई मुद्दा

नहीं है और वे सदन में बिना किसी बात के विरोध करते रहते हैं। आज कैप्टन अजय सिंह जी बोले कि भला कमीशन की रिपोर्ट आएगी तो उस बारे में वे बताएंगे तो वे शर्मशार हो गए। जब इन्होंने चौधरी देवी लाल ट्रस्ट की बात की कि वह ट्रस्ट रजिस्टर्ड भी नहीं है उस पर भी वे शर्मसार हो गए। अब वे यहाँ पर बैठे नहीं हूँ अगर वे यहाँ पर होते तो पता नहीं उनको क्या-क्या बातें सुनने को मिलती। लेकिन लोकतंत्र का तकाजा यह है कि अपोजीशन को सदन में बैठकर सारी बात सुननी चाहिए। आज सदन में स्कूल के बच्चे आए हुए हैं और उन्होंने सदन में जो कुछ हुआ उसको भी देखा है और कांग्रेस पार्टी की सरकार किस तरह से नियमों के अनुसार कार्यवाही चला रही है, उस बारे में भी उन्होंने देखा है। आप नियमों के अनुसार इस सदन को चलाते हैं या चला रहे हैं। उनके पास न तो कोई नियम है और न ही कोई मान्यताएं हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर इस सदन का मान गिरेगा तो जब कल हम सदन से चले जाएंगे और जो रेखाएं हम खींच कर जाएंगे तो उनका क्या होगा। हमारे समाज का क्या होगा। अध्यक्ष महोदय, उस लोकतंत्र को बचाने के लिए ऐसे प्रस्ताव का आना आवश्यक है। अध्यक्ष महोदय, यह जो सदन में प्रस्ताव लाया गया है मैं उसका समर्थन करता हूँ। धन्यवाद।

श्री आनन्द सिंह डांगी (महम): अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो प्रस्ताव रखा है उस पर हमारे सदन में विचार-विमर्श हो रहा है। एक ऐसा व्यक्ति जो यह कहता था कि मैं भगवान से नहीं

डरता, भगवान को नहीं मानता वह कैसे इस सदन की गरिमा को मानेगा? यह तो उनका इतिहास रहा है। जिस तानाशाही रवैये के हिसाब से उन्होंने राज किया, जिस तरह से उन्होंने इस प्रदेश को लूटा उसके बारे में ही यहाँ पर बातें आती हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महान सदन है इस सदन के साथ हरियाणा प्रदेश की सारी जनता जुड़ी हुई है। यही तो एक स्थान है जहाँ से जनता की आवाज, इस प्रदेश की आवाज, उसके दुख तकलीफ की आवाज, उनके विकास एवं तरक्की की आवाज हर नुमाइन्दा यहाँ पर उठाने की कोशिश करता है और विशेषकर प्रश्न काल के दौरान अपनी बात कहकर सरकार से उसको क्रियान्वित करने की उम्मीद रखता है। अध्यक्ष महोदय, प्रश्न काल तो विधान सभा के अंदर एक ऐसा घंटा होता है जिसमें हर सदस्य अपनी एक जनरल बात भी कह सकता है और अपने इलाके की बात भी रख सकता है। इस प्रश्नकाल में बहुत सारी बातें आ जाती हैं। लेकिन अगर वे लोग प्रश्न काल में इस तरह सै डिस्टरबैंस करते हैं तो वे लोग इस सदन के काबिल नहों हैं। हमेशा से ही उनका ऐसा रवैया रहा है सदन में भी और सदन के बाहर भी। सदन के बाहर भी इन लोगों ने पहले झूठ बोलकर इस प्रदेश को लूटा और जब अब इस सदन में सच्ची बातें आती हैं, माननीय सदस्य सारी बातें यहाँ पर रखते हैं तो ये लोग उन बातों का जवाब न देने की बजाय शोर शराबा करके यहों से भागने की कोशिश करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हूं कि आप इन सीटों पर बैल्ट लगवाएं! जो भी इन पर बैठें वह बैल्ट लगाकर बैठे और इस बैल्ट को लाक का

दिया जाए। इनका कंट्रोल आपके पास होना चाहिए जिस किसी सदस्य को भी आप बोलने का समय दें तो उसकी बैल्ट आप अपने पास से ही खोल दें और जो कुछ उसने बोलना हो वह बोल लें। आपके पास ऐसा बटन होना चाहिए ताकि ठीक ढंग से विधान सभा की कार्यवाही चल जाए। अध्यक्ष महोदय, जिस आदमी ने सारी जिंदगी जुल्म किए हों, अत्याचार किए हों वह जनता को कैसे फेस करेगा। अगर आप इजाजत दें तो मैं थोड़ी सी बात कहना चाहूँगा हालांकि यह हमारे प्रदेश के लिए बड़े दुर्भाग्य की बात है। हमारे प्रदेश में इन लोगों ने बहुत बड़े–बड़े काण्ड किए हैं, प्रजातंत्र का हनन किया है और वोट के अधिकार को तोड्ने और लूटने का काम किया है। इन्होंने अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए लोगों का मर्डर तक करवाया है। उसके बाद कमीशन भी बैठे हैं और उन कमीशन ने अपनी रिपोर्ट भी दी है। आज भी एक कमीशन की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जाएगी। मैं समझता हूँ कि अब उस कमीशन की रिपोर्ट पर निश्चित रूप से कार्यवाही होगी क्योंकि जो हमारे सदन के नेता हैं वह ठीक नीति और नियत के आदमी हैं। जो कुछ भी क्रियाकलाप उन्होंने इस प्रदेश में किए हैं उनको उजागर करने की बात वे करते हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर आप इजाजत दें तो मैं आपका ध्यान 1990 में हुए महम काण्ड की तरफ दिलाना चाहूँगा। इन लोगों ने अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए इलैक्शन को काउंटर माइंड करने के लिए एक निर्दोष और भोले भाले भाई का मर्डर किया और उस इलैक्शन को काउंटर माईंड करवाया लेकिन हिन्दुस्तान के उच्चतम

न्यायालय ने इस काण्ड के हालात को देखते हुए क्योंकि यह सिर्फ देशव्यापी ही नहीं बल्कि दुनियाव्यापी काण्ड बन गया था, के लिए एक इंन्क्वायरी बिठायी थी कि किस तरह से वहाँ पर अमीर सिंह का मर्डर हुआ था, किस तरह से पुलिस का रोल वहाँ पर था। अध्यक्ष महोदय, अगर आप इजाजत दें तो इस बारे में जो सैकिया कमीशन की रिपोर्ट है उसके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूँ। इसके बाद यदि इस रिपोर्ट पर कार्यवाही की जाए तो उसको कोई बचा नहीं सकता। इसके साथ ही उसके उस समय के जितने भी साथी थे उनके बचने की कोई गुंजाइश नहीं रह जाती। अध्यक्ष महोदय, मैं इस रिपोर्ट के कुछ पार्ट पढ़ना चाहूँगा। इसमें कम–2 में प्रिफ्रैन्स है कि 16– 17 मई की रात को हरियाणा विधान सभा के उप चुनाव में महम चुनाव क्षेत्र के उम्मीदवार अमीर सिंह की हत्या से तत्काल पूर्ववर्ती परिस्थितियाँ जिनके कारण उनकी मृत्यु हुई और उसके बाद मदीना गांव में हुई हिंसक घटनाओं में संबंधित तथ्य और उनके पुलिस प्राधिकारियों की भूमिका और इससे अलग इस मामले में संबंधित कोई भी बात जो पहला प्रिफरैन्स अमीर सिंह की मृत्यु का है, उसमें है। उसमें जो कंक्लूजन माननीय आयोग ने दिया है। दुर्भाग्य रहा कि जो रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। पार्लियामैंट ने इसको पास किया और स्टेट गवर्नमैंट के पास कार्यवाही के लिए भेज दिया। लेकिन किसी भी सरकार ने किसी भी मुख्यमंत्री ने उसके ऊपर अमल न करते हुए उस पर कार्यवाही नहीं की। अगर वह कार्यवाही हो जाती तो आज इस प्रदेश के अंदर ऐसे हालात पैदा न होते। इस तरह के लोग

राजनीति में टिक नहीं पाते। एक शब्द भी कहीं बोलने की हिम्मत नहीं रहती। इतने काले कारनामे इन कातिल लोगों ने किये और जो इस तरह की कार्यवाही की और प्रजातंत्र के साथ खिलवाड़ किया। अध्यक्ष महोदय, आयोग ने श्री अमीर सिंह की मृत्यु के बारे में श्री अजय सिंह और श्री चौटाला की प्रक्रिया पर पहले ही चर्चा की है। श्री चौटाला ने श्री अमीर सिंह की मृत्यु पर कोई भावना प्रकट नहीं की। इन्क्वायरी कमीशन ने जो इंक्वायरी की उसमें इन्होंने शामिल होने की हिम्मत भी नहीं की। कमीशन को फेस नहीं किया। चाहे ओम प्रकाश चौटाला हो, चाहे अजय चौटाला हो। बार–बार नोटिस देने के बाद भी कमीशन के सामने ये लोग पेश नहीं हुए। उन्होंने प्रताप सिंह से केवल यही पूछा कि दाह संस्कार किस समय होगा?, प्रताप सिंह अमीर सिंह का भाई था। पहली बार जाकर मिले, जवान भाई मरा पड़ा है और सीधे ही एक ही बात पूछी कि दाह संस्कार किस समय होगा। भिवानी के एस०पी० तोमर थे। तोमर के अनुसार उनका पहला शब्द था कि अब चुनाव नहीं होगा। यही इसकी मंशा थी कि चुनाव न हो। यह प्रत्यादिष्ट कर दिया गया है कि जिज्ञासापूर्ण ऐसा कोई प्रश्न नहीं पूछा गया कि उस अमीर सिंह की लाश वहाँ कैसे आ गई? यह सही है कि तोमर ने आयोग के समक्ष जो बयान दिया, उसका श्री चौटाला की अनुपस्थिति से पूर्णतया सत्यापन नहीं किया जा सकता। श्री प्रताप सिंह को तोमर के इस बयान से संतुष्टि नहीं थी। उन्होंने अपनी मुख्य परीक्षा में इसका उल्लेख नहीं किया। दोनों कमीशन के सामने जब आए तो वे सारी की सारी बातें

भूलकर एक किस्म से कटघरे में आकर खड़े रहे। उन्होंने अपनी मुख्य परीक्षा में इसका उल्लेख नहीं किया। श्री हुड्डा वकील थे प्रति परीक्षा किए जाने पर उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम था, वह भी आए थे, उन्होंने मेरे से बात नहीं की सिवाय ये पूछने के कि दाह संस्कार किस समय किया जाएगा। हमने कोई स्वतंत्र और निष्पक्ष साथियों ने बयान दिया कि अमीर सिंह की हत्या में मई 1990 के उप चुनाव को प्रत्यादिष्ट कराने की श्री चौटाला की जो साजिश थी, वह सफल हो गई और लाश के मुंढाल में मिलने के परिणामस्वरूप ये मामला भिवानी के पुलिस अधीक्षक श्री के०एस० तोमर के क्षेत्राधिकार में आ गया जो कि श्री चोटाला के विश्वासपात्र थे। पैरा नंबर 6 व 9 में मौजूदा परिस्थितियों से किसी उम्मीदवार की हत्या और उपचुनाव के प्रत्यादिष्ट कराए जाने की आशंका विद्यमान होने के बारे में विचार किया जाए। इस बात को किसी ने भी अस्वीकार नहीं किया। इस पर आयोग ने यह तर्कसंगत निष्कर्ष निकाला कि श्री चौटाला और उसके आदमी की कार्यवाहियों के कारण और उनके आस–पास की परिस्थितियों के परिणामस्वरूप इस दुर्भाग्यपूर्ण रात में अमीर सिंह की मृत्यु हुई। सब कुछ स्पष्ट है। 302 का मुकदमा इनके खिलाफ बनना चाहिए था और उठाकर जेल में डालना चाहिए था। लेकिन हालात जैसे भी जो भी थे। हमने तो बहुत भुगता। भगवान की कृपा जनता का साथ और जनता का प्यार और जनता के आशीर्वाद और आप जैसे भाइयों के साथ की वजह से हम आज यहां विद्यमान हैं वरना तो उन लोगों की मंशा पूरी हो जाती तो शायद

हमारी लाश भी न मिलती। मैं तो आदरणीय मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने भाई मान कर उस वक्त जिस तरह से साथ दिया मैं कभी उसको भुला नहीं सकता। लेकिन इस तरह के कारनामे जिन लोगों ने किए। इस तरह की बेहूदा हरकतें प्रजातंत्र के हनन के लिए लोगों ने की। हम उनसे क्या अपेक्षा रखते हैं। आप को उनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए और ऐसी कार्यवाही करनी चाहिए कि फिर विधान सभा का मुंह न देखें। हरियाणा की जनता चाहती है कि ओम प्रकाश चौटाला के खिलाफ कार्यवाही की जाए और यहाँ तक जनता चाहती है कि जेल में ठूंस दिया जाए और टिकट लगा दिया जाए ताकि लोग भूक कर जाएं। ऐसे कारनामे इन लोगों ने कर रखे हैं और जो मंत्री जी ने इस सदन में प्रस्ताव रखा है मैं उसका समर्थन करता हूँ और प्रिविलेज कमेटी के चेयरपर्सन से अनुरोध करूँगा कि सही ढंग से, अच्छे ढंग से इनका हिसाब–किताब इनके साथ चुकता करें, यहीं मेरी सदन से प्रार्थना है। धन्यवाद।

श्री तेजेन्द्रपाल सिंह मान (पाई): अध्यक्ष महोदय, अभी पार्लियामेंटरी अफेयर्स मंत्री जी ने जो प्रिविलेज मोशन सदन के सामने रखा है। वह बहुत महत्वपूर्ण है।

श्री अध्यक्षः मान साहब, सिर्फ दो मिनट में अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, इनेलो के माननीय सदस्यों ने जिस प्रकार का व्यवहार सदन में किया वह शर्मनाक था। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनके खिलाफ प्रश्न काल में प्रश्न लगे हुए थे और इन प्रश्नों के जवाब में उनके लेखे जोखे सामने आने थे। उन्होंने प्रश्नकाल शुरू होते ही अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। आम तौर पर ऐसा प्रचलन जीरो आवर में किया करते हैं। उसका खामियाजा हम जैसे सदस्यों को भुगतना पड़ा क्योंकि मेरे दो महत्वपूर्ण सवाल लगे हुए थे। उनके द्वारा ऐसा करने में मेरे सवाल नहीं पूछे जा सके। स्टेट की जनरेशन की बात थी स्टेट के अन्दर डिवलैपमैंट की बात थी। सड्कों की बात थी। मार्केटिंग बोर्ड के कायदे–कानून और तरीकों की बात थी लेकिन इन सब बातों से हम वंचित रह गये। हमारे पास यही तो एक फोरम है जहाँ हम अपनी समस्याओं का, इलाके के लोगों की जो भी समस्याएं हैं उनको हम दूर कर सकें। आज केवल दो प्रश्न ही लग पाये।

श्री अध्यक्षः मान साहब, कन्क्लूड कीजिए। मोशन पर बोलिए।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि दागी साहब, दूसरे वजीर साहेबान ने कहा, चट्ठा साहब ने कहा इन सारी बातों को देखते हुए हरेक का अपना–अपना अनुभव रहा है हरेक ने तरह–तरह का इस सदन में समय बिताया है। ऐसा व्यवहार जो उन्होंने किया है ऐसी घटना इस सदन में हरियाणा

बनने के बाद पहले कभी नहीं देखी। उनके खिलाफ जो प्रिविलेज मोशन मंत्री महोदय लाये हैं मैं उसका अनुमोदन करता हूँ और इस सदन से अनुरोध करता हूँ कि इस प्रिविलेज मोशन को जल्दी से जल्दी निपटाया जाए ताकि ऐसे लोगों को सबक मिल सके तथा आने वाले सदस्य इससे सबक ले सकें चाहे वे किसी पार्टी के हों वे यह समझें कि Discipline is very important in the House. धन्यवाद।

श्री भरत सिंह बेनीवाल (दड़बा कलां): अध्यक्ष महोदय, बागड़ी भाषा की बात चली थी कि बागड़ी भाषा बहुत माड़ी होती है। कुछ आदमी माडे हो सकते हैं लेकिन बागड़ी भाषा माड़ी नहीं होती। मेरे कहने का मतलब यह हे कि जिन आदमियों की यहाँ चर्चा हो रही है वे माडे हो सकते हैं। मेरी सदन से हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि यहाँ चर्चा बागड़ी भाषा की नहीं होनी चाहिए। कुछ लोग माडे हैं वे भुगतते हैं आगे, क्योंकि उन्होंने माडे काम किए हैं माडे बोले हैं। कोई बागड़ी आदमी माडा हो सकता है। बागड़ी भाषा के बारे में मंत्री जी ने जो माडा शब्द कहा है, बागड़ी माड़ी भाषा नहीं है।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने भाषा के लिए माडा शब्द नहीं कहा। बागड़ी भाषा बोलने वाले व्यक्ति के लिए कहा है हम सब जानते हैं कि बागड़ी भाषा भी और बागड़ी मानष भी घणे मीठे होवैं हैं।

श्री अध्यक्ष: भरत सिंह जी, उनके बारे में ही मंत्री जी बता रहे हैं।

श्री भरत सिंह बैनीवाल: अध्यक्ष महोदय, वे माडे बोले तो जनता ने उनको सबक दे दिया। बाकी तो 8 आदमी भोले भाले जीत कर आये थे। अगर वह गलत बोला तो उसको उसका जवाब जनता ने पूरा दिया है और कहते हैं कि वह बहुत खूंखार आदमी है। कुछ खूँखार नहीं है वह तो सरकार के दम पर नाचता है और यह वही चौटाला है जिसने न 991 में चुनाव मेरे सामने लड़ा था और चार जगह नोमिनेशन भरा था और उनको निकालकर भागा था उसके अन्दर कुछ दम नहीं हैं। सिरसा में जो वारदातें की हैं उनका पूरा ब्योरा लेकर उनकी पूरी जांच सी०बी० आई० से करवानी चाहिए। ज्यादा न कहते हुए आपने मुझे समय दिया इसके लिए धन्यवाद।

श्री फूलचन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, जैसा कि बेनीवाल जी ने कहा, बेनीवाल जी बहुत मीठा बोलते हैं बागड़ी बहुत मीठी भाषा है और जो बागड़ी भाषा बोलते हैं वे व्यक्ति अच्छे भी हैं और बुरे भी होते हैं। हर समाज में और हर बिरादरी में कोई भी भाषा मीठी हो सकती है लेकिन उसको बोलने वाले ही कड़वे होते हैं।

श्रीमती अनिता यादव (साल्हावास): माननीय स्पीकर साहब, जैसा कि आप सबको पता है कि जब चौटाला साहब इस

जगह पर बैठते थे जिस जगह पर आज हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री हुड्डा साहब बैठे हैं उस समय उनका रूड बिहेवियर होता था और तानाशाही रवैया होता था। जब वे हरियाणा के लोगों के पास चाय के बहाने जाते थे तो वहाँ पर भी चाय की फीस मांगते थे इससे घटिया बात और क्या हो सकती है। रोटी खाने के लिए किसी के पास जाते थे तो वे कहते थे कि कोई बड़ी गिफ्ट मिलनी चाहिए। एक हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच है कि गरीब जमींदारों और गरीबों के हमदर्द हैं जो यह कहते हैं कि मजदूरों के विकास के लिए जाना है। इनको कोई गिफ्ट नहीं चाहिए बल्कि गिफ्ट की जगह यह कहते हैं कि एक छोटा सा फूल हम लेंगे। इनैलो लोगों का कहीं जिक्र नहीं था बदकिस्मती तो मैं उस हल्के के लोगों की मानती हूँ जिस क्षेत्र से वे जीत कर आये हैं क्योंकि प्रदेश की जनता बहुत भोली– भाली और सीधी है जो इनके झूठे और लुभावने वायदों में आ जाती है जिसके कारण इस तरह के शरारती तत्व जीतकर आ गये। अध्यक्ष महोदय, ऐसी बात नहीं है कि इनके सारे सदस्य ही चौटाला जी की तरह ही हैं इनमें डाक्टर सीता राम जी और सढौरा जी जैसे काबिल सदस्य भी हैं। लेकिन वे अपनी तरफ से कुछ नहीं बोल सकते। उनकी इस तरह से नकेलबदी की जाती है कि वे अपने आप हिल भी नहीं सकते। उनको मालूम है कि यदि वे अपने आप कुछ कहेंगे तो उनकी बाद में पिटाई होगी। उनको मालूम है कि यदि उन्होंने अपने मुखिया के कहे अनुसार सदन की वैल में आकर बदतमीजी नहीं की तो बाहर जाने पर चौटाला के दोनों बेटे उनकी पिटाई करेंगे। अध्यक्ष

महोदय, उनके इस तरह के व्यवहार से सदन का बहुत ही कीमती समय बर्बाद होता है। ये लोग अब भी वही तानाशाही तरीका अपनाना चाहते हैं जो वे पहले वाले स्पीकर के समय अपनाया करते थे और इनके पैंसिल के इशारे पर उस समय के स्पीकर महोदय चला करते थे। लेकिन अब इनको याद रखना चाहिए कि डॉ० रघुवीर सिंह कादियान सदन के अध्यक्ष हैं जो इनकी पैंसिल के इशारे पर चलने वाले नहीं हैं और चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार है जो ईमानदारी और नेक नीयती पर चलती है। अंत में हमारे संसदीय कार्यकारी मंत्री जो प्रिविलेज मोशन लेकर आये हैं मैं उसका समर्थन करती हूँ।

श्री सुखबीर सिंह (रोहट): स्पीकर सर, हमारे संसदीय कार्य मंत्री श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी जो प्रीविलेज मोशन लेकर आये हैं मैं इसका समर्थन करता हूँ। सदन में चौटाला साहब का कई दिनों से नाम लिया जा रहा है। इनका नाम नहीं लेना चाहिए। क्योंकि अपने मुंह से किसी गंदे आदमी का नाम बार–बार लेने से हम भी गंदे हो जाएंगे। स्पीकर सर, मैंने पहले भी कहा था इनको सदन से निकाल दो। जनता ने तो इनको पहले ही निकाल दिया है और आगे भी निकालने वाली है। अध्यक्ष महोदय, हम जनता में रहते हैं और हमें मालूम है कि जनता क्या चाहती है। जनता इनको जेल में देखना चाहती है। ऐसे आदमी को उस जेल में डाला जाये जहां चोर–उचक्के और स्मैकिए नशेड़ियों को रखा जाता है। नशे के कारण जिन लोगों की तस्वीर ही बदली

हुई होती है ऐसी जेल में इस आदमी को रखा जाना चाहिए। कई बार किसी पढ़े लिखे आदमी से गलती होने पर वे भी जेल में चले जाते हैं उनके साथ इनको नहीं रखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यह आदमी चन्द्र शेखर से मिला हुआ है जिस पर राजीव गांधी की हत्या का आरोप है। मैं तो यह कहूँगा कि यह आदमी भी राजीव गांधी की हत्या से संबंध रखता है। इस पर जल्दी से जल्दी कार्यवाही होनी चाहिए। हुड्डा साहब से पहले जो भी मुख्यमंत्री रहे हैं ये आपसी तालमेल से रहे हैं। किसी ने एक दूसरे के गलत कामों को नहीं उठाया और मिलकर चोरियां की हैं। लेकिन अब हुड्डा साहब की साफ सुथरी सरकार है 1 सभी को मालूम है कि इन लोगों ने अपनी सरकार के समय में कितने काण्ड करवाये हैं। महम काण्ड में इन लोगों ने 20–25 निर्दीष लोगों को मरवाया था और लोगों की बहुत सी प्रोपर्टी भी ढहाई गई। इस तरह से इन लोगों ने जो हजारों गलत कार्य किए हैं उनका बदला इनसे कौन लेगा। मैं तो यह कहता हूँ कि इन पर हजारों मुकदमें जो इन्होंने गलत काम किए हैं उनके बनाये जाएं और साल में 365 दिन उन पर सुनवाई हो ताकि प्रदेश के लोगों के साथ जो अन्याय हुआ है उसकी इन्हें सजा दी जा सके। अध्यक्ष महोदय, इनमें कोई ताकत नहीं है। इन्होंने दो जगह चुनाव लड़ा था और एक जगह से हमारे संसदीय कार्य मंत्री ने इनको हरा दिया। यदि इनमें दम होता तो ये सुरजेवाला जी को हराकर दिखाते। अपनी गली में तो कुत्ता भी शेर होता है। अध्यक्ष महोदय, इनमें सारी बुराई ही बुराई हैं, अच्छाई से इनका नाता दूर–दूर तक नहीं है। बुराई को पहले ही

दबा देना चाहिए अगर हम बुराई का जिक्र करेंगे तो वह हमारे को गंदा करेगी। हमारे मंत्री जी जो प्रिविलेज मोशन लेकर आये हैं मैं उसका समर्थन करता हूँ। धन्यवाद।

संसदीय सचिव (राव दान सिंह): अध्यक्ष महोदय, इस हरियाणा प्रदेश को बने हुए 40 वर्ष हो चुके हैं और इन 40 वर्षों में अनेक सरकारें आई अनेक सरकारें गई क्योंकि सत्ता परिवर्तनशील है। यहाँ आकृतियों आती हैं और अपने पात्र निभा करके चले जाते हैं जनमानस बहुत से चेहरों को दोहरा देता है और बहुत से चेहरों को नकार देता है लेकिन गणतंत्र की गंगा अनवरत बहती रहती है। यहाँ व्यक्ति नहीं सदन ज्यादा महत्वपूर्ण है इसलिए रोबर्ट कोस्ट ने कहा है कि man may come, man may go but I go forever. अध्यक्ष महोदय, 3–4 दिनों से लगातार जिस तरह के तानाशाही के आरोप आज की सरकार पर लगाये जा रहे हैं वे निसन्देह निन्दनीय हैं क्योंकि वे स्वयं जानते हैं कि सरकार का कोई भी कारनामा ऐसा नहीं है जिसे तानाशाहीपूर्ण कहा जा सके 1 मैं अध्यक्ष महोदय, ज्यादा कुछ नहीं आपको मात्र दो वर्ष के अतीत में ले जा करके एक बात बताने का प्रयास करना चाहता हूँ कि जब आज से 2 वर्ष पहले के अतीत में आप झांकेगे तो वहाँ निसन्देह आप पायेंगे एक ऐसा हरियाणा प्रदेश जहाँ पर भय, संतृप्त, उत्पीड़न और शोषण का राज्य था। जहाँ पर गरीब मुजालिम और मेहनतकश के आसू सत्य और न्याय की जिन्दा लाश थे। जहां का किसान अपने किये पर पछता रहा था। कानून

व्यवस्था चरमरा रही थी। कर्मचारी और व्यापारी भय और घुटन के अन्दर जी रहे थे। अध्यक्ष महोदय, सबसे अफसोस जनक बात तो यह है कि सरकार के प्रशासन के वे हाथ जिनके हाथ में बागडोर होनी चाहिए थी वे वी०आई०पी० लोगों की खिड़की के ऊपर होते थे। अध्यक्ष महोदय, सरकार के अन्दर मूलतः 4 अक्षर आते हैं लेकिन उस समय सरकार की परिभाषा को सीमित 3 अक्षरों में कर दिया था वे थे ए०बी० और सी०। इतनी सीमित परिभाषा तो जहाँ तक मैं समझता हूँ आज तक के गणतंत्र के इतिहास में आपने कभी नहीं देखी होगी। अध्यक्ष महोदय, आज मैं बताना चाहता हूँ कि जिन परिस्थितियों के अन्दर उन्होंने यह बात कहीं वे इस चीज के आदी हैं कि वे सोच नहीं सकते कि प्रजातंत्र और तानाशाही के अन्दर फर्क क्या है 1 एक गलती उनसे हुई कि उन्होंने इसको प्रजातंत्र न समझ करके तानाशाही समझा लेकिन हरियाणा प्रदेश की जनता जानती है कि उन्होंने किस तरह से गलती की थी और उसका खामियाजा आज पूरा प्रदेश भुगत रहा है। कहते हैं कि लम्हों ने खता की थी सदियों ने सजा पाई। एक क्षण की गलती जो इस प्रदेश की जनता से 5 साल पहले हुई थी जिसको आज नहीं अगले 50 साल तक हम भुगतते रहेंगे। अध्यक्ष जी जो प्रस्ताव लाया गया है मैं उसका समर्थन करता हूँ क्योंकि एक हमारे माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी हैं जो जीओ और जीने की नीति में विश्वास रखते हैं जिनको रात को भी अगर किसी गरीब को पीड़ा होती है तो आहट के साथ खाट से उठ जाते हैं और एक वो मुख्यमंत्री थे जो हरियाणा प्रदेश की जनता को खाट

से नीचे रख कर उनको एक तसल्ली होती थी कि वाकई में मैंने कोई अच्छा काम किया है। इसलिए अध्यक्ष महोदय मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ और यह कहना चाहता हूँ कि मुझे रहजनों की फिक्र नहीं तेरी रहबरी का ख्याल है, तू इधर उधर की बात न कर ये बता कि कारवां क्यों लुटा। वे तो कारवां लुटा करके चले गये अध्यक्ष महोदय अब आपको इसकी गरिमा को बचाना है। धन्यवाद।

श्री धर्मबीर गाबा (गुड़गांव): अध्यक्ष महोदय, मुझे अफसोस सिर्फ इस बात का है कि सबसे ज्यादा जख्म गुड़गांव की जनता के कुरेदे गये हैं। जिस तरह से यहाँ लोग कह रहे हैं कि लूट गया है या कुछ और हुआ लेकिन कैसे लुट गये यह बात गुड़गांव के लोगों ने देखी है या फिर मैंने देखी है। आज मुझे उस बात का दुख है। आज इस आदमी को निकालकर बाहर फेंको और इसका नाम मत लो। उनका नाम लेना इस हाऊस का टाइम जाया करना है। जब इनकी पार्टी के एक एजेन्ट ने कहा कि जी फलाँ मिठाई बड़ी अच्छी बनाता है। मिठाई वाला बुलवाया गया। चौटाला जी कहते हैं उस मिठाई वाले से पूछो कि क्या चीफ मिनिस्टर मिठाई खाता है? उसको कहो कि 5 किलो वाले डिब्बे में 500 वाले नोट भरकर लाये तब मैं मिठाई लूँगा नहीं तो नहीं लूँगा। अगर हाउस जानना चाहे तो एक सोम स्वीट्स वाले हैं और एक शाम स्वीट्स वाले हैं जिनसे ये पैसा भरकर डिब्बों में लेकर गये थे। क्या ऐसा अनर्थ कभी आपने देखा है कि जो हमारे

गुड़गांव के अन्दर माईन्स हैं अगर किसी ने 10 ट्रक लेने हैं तो वह 50 हजार देकर जाए और वह टोकन लेकर जाये। मुझे अफसोस इस बात का है कि उनमें वे लोग शामिल थे जो यहाँ के सिटिंग एम०एल०ए० थे। जब मैंने उनसे बात की कि आप क्यों जुल्म सहन कर रहे हैं तो वे कहने लगे कि हमने अपने क्रैशर थोड़े ही बन्द करवाने हैं। यानी टोकन फेंको और बॉर्डर क्रॉस करो और उसकी कोई रसीद नहीं, कुछ नहीं सिर्फ यही कहा जाता है कि यह चौटाला टैक्स है इससे फालतू हमारे साथ बात नहीं करना। मेरी तो आप लोगों से यही प्रार्थना है कि न तो वह इतनी वर्थ का है कि उसका नाम लिया जाये और न इतनी पावर उसमें है कि हम उस पर इतना टाईम जाया करें। मेहरबानी करके उसको बाहर फेंको और हमेशा के लिए उसका नाम ही लेना बन्द कर दिया जाये।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूँ कि यदि श्रीमती इन्दिरा गांधी जी को हाउस से निकाला जा सकता है तो क्या इन साथियों को हाउस से नहीं निकाला जा सकता है? अध्यक्ष महोदय, इनको अब हाउस में मत बुलवाएं नहीं तो मेरे को उल्टी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, जो यह मोशन प्रस्तुत की गई है मैं इसका समर्थन करता हूँ धन्यवाद।

श्री नरेश शर्मा (बादली): अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय जो प्रिविलेज मोशन लाए हैं मैं उसका समर्थन करता हूँ और उस पर तो कार्यवाही की ही जाए लेकिन एक

एफ०आई०आर० इन लोगों के खिलाफ और दर्ज होनी चाहिए 1 स्पीकर सर, मैं मुआफी चाहूँगा, उधर एक घड़ी है और इधर भी एक घड़ी है लेकिन उस तरफ जगह खाली है, उस तरफ की घड़ी नहीं है।

श्री अध्यक्षः वह घड़ी कहां गई?

श्री नरेश शर्माः अध्यक्ष महोदय, वह घड़ी तो घड़ी चोर ले गये मैं तो लेकर नहीं गया हूँ क्योंकि मैं यहीं पर बैठा हुआ हूँ। अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker: Question is -

That the matter regarding misconduct, misbehavior and disorderly disrupting the proceedings of the House, unbecoming of a member of this House thereby committing contempt of the House/breach of privilege on 20th March, 2007 and on earlier occasions also during the present Session by Shri OM Parkash Chautala, MLA be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of next Session.

(The motion was carried.)

वर्ष 2007 – 2008 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the general discussion on the Budget Estimates for the year 2007-2008 will resume.

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, क्या आप मुझे बोलने का मौका नहीं देंगे? आपने मुझे गवर्नर महोदय के ऐड्रैस पर भी बोलने का मौका नहीं दिया है।

श्री अध्यक्षः गौतम साहब, आपको भी बोलने का समय मिलेगा। अगर फाईनैंस मिनिस्टर जी बोल लिये हों और आपको मौका न मिला हो तो आप कहें।

श्री राम कुमार गौतमः आपने मुझे गवर्नर एड्रैस पर भी बोलने का मौका नहीं दिया था। श्री अध्यक्ष गौतम साहब, डांगी साहब आपको बुलवाना चाहते थे लेकिन आप उस वक्त हाउस में नहीं थे। आपको बोलने का मौका मिलेगा अभी आप बैठें। चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी के बाद आपको बोलने का मौका दिया जाएगा।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, शुक्रवार को माननीय वित्त मंत्री महोदय ने बजट पेश किया। हाउस को चलते हुए तकरीबन दो हफ्ते का समय हो गया है इत्तेफाकन कहिए या विडम्बना कहिए कि जबसे विपक्ष ने इस बार हाउस में प्रवेश किया है तब से लेकर आज तक हाउस का जो वास्तविक काम है उसमें व्यवधान ही उत्पन्न होता रहा है। स्पीकर सर, इससे एक बात तो साबित होती है कि माननीय वे साथी जिन्होंने मर्यादा, मूल्यों और नियमों के विषय में बहुत कुछ कहा है लेकिन मैं समझता हूँ कि विपक्ष के सदस्यों द्वारा ऐसा

दुव्यर्वहार करने से सारे प्रदेश के लोगों की ओर हाउस के सदस्यों की भी भावनाएं आहत हुई हैं, उनके दिल में कसक भी है। इसमें कोई सन्देह नहीं है कि जन– भावनाएं आहत हुई हैं। इसकी जिम्मेदारी के लिए जो मोशन लाया गयो है मैं तो इसके विषय में सिर्फ इतना ही कहूँगा कि आप हाउस के कस्टोडियन हैं, इस हाउस की मर्यादा, मूल्यों, नियमों और जन– भावनाओं को सहलाना, उनको कायम करना आपके हाथ में है। हाउस आपके साथ है इसके जरिए हाउस में मूल्यों और मर्यादा जो हमारी संस्कृति जो हमारा गौरव भी है वह कायम होने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हम सब की यह जिम्मेदारी है कि आप जो भी रास्ता निकालें यह हाउस की भावना और यह हाउस आपके साथ है। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। जब से हमारी सरकार बनी है यह तीसरा बजट हाउस में आया है। इस सरकार के दो बजट पहले पेश हो चुके हैं और यह तीसरा बजट हमारे काबिल वित्तमंत्री जी ने पेश किया है। (इस समय सभापतियों की सूची में से माननीय सदस्य श्री आनन्द सिंह डांगी पदासीन हुए) चेयरमैन सर, बजट जो होता है वह उस सरकार का लेखा जोखा होता है। उस पर ही प्रदेश का विकास और उन्नति निर्भर होती है। चेयरमैन सर, मैं सभी मैम्बर्ज को, मंत्री जी को और मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूँ और निःसन्देह वे बधाई के लायक भी हैं क्योंकि वे बहुत अच्छा बजट लेकर आए हैं। इन्होंने बजट को निरन्तर 3 साल से जिस परसैंटेज से बढ़ाया है वह बहुत सराहनीय है और बजट में कोई

नया कर भी नहीं लगाया है। यह एक करिश्माई बजट है हमारे मंत्री महोदय तथा हमारी सरकार इसके लिए बधाई की पात्र है। चेयरमैन सर, हमारी सरकार ने दूसरा बजट प्रस्तुत करते समय आश्वासन दिया था कि वार्षिक योजना 2006–07 की बजट की 3300 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग प्रदेश में चहुंमुखी विकास के लिए किया जाएगा जोकि पिछली सरकार के मुकाबले में बहुत ज्यादा है। पिछली सरकार में तो शायद 2200 से 2400 करोड़ रुपये या उससे कम का प्रावधान किया गया था। चेयरमैन साहब, यह गर्व की बात है कि पिछले बजट के 3300 करोड़ रुपये के मुकाबले वास्तविक विकास खर्च 4085 करोड़ रुपये पर समाप्त होता है ' चेयरमैन सर, मैं यह समझता हूँ कि इसको आप हैल्दी बजट कहिये या समृद्धि का हैल्दी आधार कहिए। मैं तो यह समझता हूँ कि इनकी कुशल सरकार का वित्तीय प्रबन्धन और संसाधनों का दोहन इन्होंने इस ढंग से किया है कि इस सरकार की जितनी भी प्रशंसा की जाए उतनी ही कम है। चेयरमैन सर, विकसित दिशा की तरफ जो कि हमने एक कल्पना की है और जो हमारे मुख्यमंत्री जी का सपना भी है कि इस प्रदेश को देश में एक विकसित प्रदेश बनाएंगे, उस विकसित दिशा में बढ़ने के लिए यह एक विकासशील बजट है। मैं इसके लिए सरकार को एक बार फिर से मुबारिकबाद देना चाहता हूँ। वित्तमंत्री जी यहाँ पर बैठे हुए हैं। मैं आपके माध्यम से इनको कहना चाहता हूँ कि इस बजट में कोई कर नहीं लगाया गया है यह बहुत ही अच्छा काम किया है। मेरा विचार है कि हर वर्ष में 15 से 20 प्रतिशत स्टेट के एक्सचौकर के

माध्यम से, टैक्सिज के माध्यम से, ट्रांजैक्शन के माध्यम से, व्यापार, व्यवहार, कंज्म्पशन, जनरेशन के आधार पर इजाफा स्वतः ही हो जाता है। इस बार बजट में 60 प्रतिशत के करीब इजाफा किया गया है, जोकि काबिले तारीफ है। इस बारे में मैं यह पूछना चाहता हूँ कि इसमें कहीं किसी प्राइवेट या सरकारी संस्था पर कोई ऋण शामिल तो नहीं है क्योंकि इस बारे में मैंने अखबार में पढ़ा है कि पंजाब पर 50 हजार करोड़ रुपए का कर्जा आज है। अब पता नहीं वह कोई ग्रान्ट थी या ऐड थी। वैसी ही स्थिति कहीं यहां पर न आ जाए। हमारा जो दो साल का बजट है वह विकास का दर्पण है। उससे जो विकास प्रदेश का होना है वह सबूत है कि यहाँ पर ऐसा कुछ नहीं है। लेकिन मैंने ऐसा जिक्र इसलिए किया है क्योंकि मैंने आज अखबार में यह पढ़ा है तो मुझे शंका हुई कि कहीं वैसा हमारे यहां पर कोई ऋण तो नहीं है अगर है तो क्या बजट में ऐसे साधन और संसाधन जुटाएंगे। आज बजट में 60 प्रतिशत के करीब इजाफा हुआ है। पिछले दो साल के बजट को अगर हम देखें तो उसका आज रिजल्ट हमारे सामने आया है। आज सत्ता पक्ष के मैम्बर्ज ही नहीं बल्कि बी०जे०पी० के हमारे साथी और बसपा के साथी सब लोगों ने ही यह बात कही है कि हरियाणा में दो सालों में विशेषकर इस पिछले साल में विकास का पहिया बहुत तेजी से घूमा है। चेयरमैन सर, प्रदेश की जनता ने भी यह कहा है कि विकास की दृष्टि से अगर देखा जाए तो पहली बार हरियाणा में विकास को बहुत तेजी से गति मिली है, बजट लगा है उसका सदुपयोग हुआ है। चेयरमैन सर, यह

अपने आप में एक सबूत है। आज हम सत्ता में बैठे हैं लेकिन मैं कहना चाहूँगा कि कांग्रेस ने यह वायदा कभी नहीं किया था और न ही यह हमारे मैनीफैस्टो में था कि किसान के बिजली के बिल माफ किए जाएंगे लेकिन जो ये भाई इस समय हमारे सामने नहीं बैठे हैं, ये सत्ता में रहे हैं इन्होंने वोट बटोरने के लिए जनता की आखों में धूल झोंकी थी, भ्रमित किया था और कहा था कि हम जनता के बिजली के बिल माफ करेंगे। इसके बाद यह हुआ कि बिजली के बिल तो माफ हुए नहीं लेकिन किसानों पर ब्याज का पहाड़ जरूर बन गया था। हमारे मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं कि उन्होंने बगैर वायदा किए हुए भी जन भावनाओं को देखा, किसानों की पीड़ा को देखा, किसानों की हालत को देखा और एक फैसला किया कि 1600 करोड़ रुपये बिजली के बिल के माफ किए जाएंगे। चेयरमैन सर, वे लोग गलत थे या सही लेकिन हममें और उनमें क्या फर्क है यदि हम किसान की पीड़ा को न समझे। मैं समझता हूँ कि मुख्यमंत्री का यह निर्णय किसानों को सम्मान है, किसानों की सुख समृद्धि का एक नमूना है। इसके साथ उन्होंने अनेक और ऐसे डिसीजन लिए जो जन भावनाओं के अनुरूप थे और जिनका जनता के ऊपर, जन कल्याण के ऊपर एक व्यापक असर हुआ है। चेयरमैन सर, रोजगार की दृष्टि से देखें तो बेरोजगारी भत्ता देने का काम भी हमारी सरकार ने किया है। आज हमारे नौजवानों में बेरोजगारी बड़ी है। एक सवाल के जवाब में भी यह बात आयी थी और आपने भी यह देखा होगा कि अन स्किल्ड लोगों में और दूसरे लोगों में किस कद्र बेरोजगारी में बढ़ोत्तरी

हुई है। इसको देखते हुए हमारी सरकार द्वारा बेरोजगारी भत्ता देना समय के अनुरूप है। इसी प्रकार से स्वतंत्रता सेनानी जो राजभक्त होते हैं, देशभक्त होते हैं, उनका सम्मान करना धर्म को मानने से भी कहीं ज्यादा है क्योंकि इन्होंने राष्ट्र के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर किया है इसलिए इनके सम्मान करने से बड़ा कुछ नहीं है। मैं इनको दी जाने वाली पेंशन को पेंशन तो नहीं कहूँगा यह तो उनका सम्मान है लेकिन हमारी सरकार ने इस सम्मान को भी डबल किया है। यह बात अपने आप में ही एक मिसाल है। इसी तरह से अनुसूचित जातियों के उत्थान और सामाजिक समानता को कायम करने के लिए भी एक योजना सरकार द्वारा लायी गयी है। 15 हजार रुपये बी०पी०एल० के अनुसूचित जाति के लोगों की कन्याओं की शादी के लिए 5100 रुपये दूसरे सभी वर्गों की कन्याओं की शादी के लिए जो दिए जा रहे हैं मैं समझता हूँ कि यह समय की जरूरत भी थी क्योंकि आज गरीबी और अमीरी के बीच में खाई बढ़ती ही जा रही है। विशेषकर उस सामान्य वर्ग के बीच में जो अब नया तैयार हो रहा है इसलिए इनको भी कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में कुछ न कुछ राहत जरूर दी जाए। मैं समझता हूँ कि सरकार का यह फैसला काफी प्रशंसनीय है। इसी प्रकार से सरपंच और पंचों की तरफ पहले किसी सरकार ने नहीं देखा। पंच सुबह से शाम तक बस्ता उठाते हैं, गांवों के लिए मेहनत करते हैं लेकिन आज तक उनके सम्मान के लिए नहीं सोचा गया था। परन्तु पहली बार

सरकार ने फैसला किया है कि एक हजार रुपये सरपंच और 200 रुपये पंचों को दिए जाएंगे। हालांकि 200 रुपये बहुत कम हैं।

श्री सभापति लेकिन सरपंच की जिम्मेवारी भी तो ज्यादा होती है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः चेयरमैन सर, वे भी बराबर के साथी हैं, भागीदार हैं। सबसे मिलकर ही पंचायत बनती है। बहुत कुछ उनके सम्मान में किया गया है। कृषि और उद्योग किसी भी प्रदेश और किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते हैं। अध्यक्ष महोदय, पानी के लिए सबसे पहले एक चर्चा होती थी कि दक्षिणी हरियाणा में तो उसके बंटवारे के हिस्से का पानी भी नहीं मिलता था। सबसे पहले मुख्यमंत्री बनते ही हुड्डा साहब का जो न्यायोचित फैसला पानी के समान बंटवारे के बारे में आया वह काबिले तारीफ है। बराबर का पानी दक्षिणी हरियाणा के एरिया में पहुंचाने के लिए उसमें 25 फीसदी की वृद्धि की गई। यह एक प्रशंसनीय काम किया गया है। अब मैं सिंचाई के बारे में थोड़ा सा कह दूं कि बिजली सिंचाई का आधार है। सिंचाई के लिए जो पानी उपलब्ध होता है वह किसान के लिए जीवन है। उसके ठीक से इस्तेमाल के लिए कई कदम सरकार ने उठाए हैं। नहर बनाने का काम किया गया है जिसमें भाखड़ा मेन ब्रांच को उसमें जोड़ने के लिए हांसी बुटाना नहर और दादूपुर नलवी नहर का काम चल रहा है इस नहर के बनने के बाद पानी का सही उपयोग हो सकेगा। जैसा बताया गया है कि उसमें लाखों एकड जमीन

अतिरिक्त सिंचित होगी। मैं समझता हूँ यह नहर किसान की समृद्धि के इतिहास में नया मील का पत्थर साबित होगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं थोड़ा सा फरीदाबाद के विषय में जोड़ दूं। प्रदेश को एक समानता के आधार पर सरकार किसान के हित में उसकी खुशहाली का निरंतर चिंतन कर रही है।

श्री सभापतिः आपको दो मिनट का समय और दिया जाता है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः फरीदाबाद जिसमें बल्लबगढ़, पलवल, होडल, मेवात तक का इलाका है इनके लिए 1994 में 5 राज्यों का फैसला हुआ था जिसमें पानी का बंटवारा हुआ था और उसके मुताबिक हमें तकरीबन 48 परसैंट पांच राज्यों का जो दूसरा फैसला था, के करीब हमें हिस्सा दिया गया था लेकिन बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि आज की स्थिति यह है कि दिल्ली जिसको कि उस फैसले के मुताबिक 238 क्यूसिक्स पानी देना चाहिए था। जब यह फैसला पांच राज्यों के बारे में हुआ था तो मैं पूछना चाहता हूँ कि उसके मुताबिक फरीदाबाद को पानी क्यों न मिले। हमें तकरीबन 1200 क्यूसिक्स पानी देना चाहिए था और आज दिल्ली को मेरे रिकार्ड के मुताबिक 800 क्यूसिक्स पानी मिल रहा है। लेकिन अभी उदय भान जी ने बोलते हुए बताया कि दिल्ली 800 नहीं तकरीबन 1200 क्यूसिक्स पानी ले रहा है और फरीदाबाद की स्थिति यह है कि सन् 2000 में इसके अंतर्गत जो हमारा हिस्सा था वहाँ तकरीबन 43 हजार हैक्टेयर से ऊपर सिंचाई

होती थी और 2002– 2003 में यह घटकर 25 हजार हैक्टेयर रह गई और 2005 में पानी की उपलब्धता रही ही नहीं। रही भी तो न के बराबर। इस साल भी यही स्थिति है और इससे पिछले साल भी यही स्थिति थी अगर यह बारिश न हुई होती हालांकि इस बारिश से कई जगह नुकसान भी हुआ है तो मैं समझता हूँ कि इन जगहों पर एक चौथाई फसल जो आज पूरी होगी वह भी पूरी न होती। इसका इंतजाम भी सरकार को करना चाहिए। इसके लिए जब तक हमें वह पानी के बारे में जिन स्टेट्स से हमारा समझौता हुआ है, वहां रेणुका बांध आदि वगैरह गवर्नमैंट की स्कीम भी रही है, वे जब तक नहीं बनायी जाएगी तब तक हमें पानी नहीं मिलेगा। एक तरफ तो हम समानता के आधार पर पानी दे रहे हैं और दूसरी तरफ जो हमारे हिस्से का पानी है वह भी हमें नहीं मिल रहा है तो मैं समझता हूँ कि सरकार को इस पर कोई न कोई चिंतन करके कोई न कोई व्यवस्था करनी चाहिए। बिजली के मामले में भी बड़े दूरगामी कदम सरकार ने उठाए हैं। चेयरमैन महोदय, बिजली आज रोजमर्रा की जरूरत हो गई है। आज चूंकि हमारी जनरेशन और कन्जमशन में बहुत बड़ा अन्तर है। इसलिए बिजली की कमी को देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने और हमारी सरकार ने अनेकों कम्पनियों को चाहे वह प्राइवेट हों चाहे सरकारी अदायरें हो इसके लिए एक व्यवस्था की है ताकि इस गैप को पूरा किया जाए। इसके लिए आने वाले तीन सालों के लिए सरकार ने फैसला लिया है। लेकिन मैं एक बड़ी जरूरी बात कहना चाहूँगा और इसके लिए एक सुझाव सरकार को देना चाहूँगा।

अगर इस बारे में डिटेल बताऊंगा तो हाउस का ज्यादा समय लगेगा। फरीदाबाद में एक एन०टी०पी०सी० का गैस बेस्ट थर्मल पावर प्लांट पहले से लगा हुआ है और उसकी कैपेसिटी के मुताबिक सारा इन्फ्रास्ट्रक्चर वहां पर बना हुआ है जिसमें 865 मैगावाट बिजली की जनरेशन होती है लेकिन आज उससे तकरीबन आधी बिजली की जनरेशन हो रही है। जो दूसरा इन्फ्रास्ट्रक्चर वहाँ पर तैयार है उस पर जनरेशन शुरू नहीं हुई है क्योंकि उसके लिए वहाँ पर गैस की उपलब्धता नहीं है। चेयरमैन सर, मैं सरकार से अनुरोध करूँगा किसरकार यह कोशिश करे कि भारत सरकार से उस प्लांट के लिए गैस की उपलब्धता हो ताकि जो बिजली की कमी है वह काफी हद तक दूर हो जायेगी। सरकार बाहर की कम्पनियों से 14– 14/1/2 मैगावाट के लीग टर्म एग्रीमेंट करने जा रही है जो अपने आप में एक दूरदर्शिता का फैसला है। क्योंकि आगे आने वाले समय में बिजली की डिमाण्ड बढेगी और उसकी पूर्ति के लिए और बिजली का संकट न आये यह एक दीर्घकालीन फैसला है आज इसको भी आगे देखा जाए। चेयरमैन सर, अब मैं ग्रामीण विकास के विषय में कहना चाहूँगा। सरकार ने इस बजट में प्रदेश के 59 गाँवों को मॉडल विलेज बनाने का फैसला किया है। मेरा सरकार से यह सुझाव है कि 59 गाँवों की बजाए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक मॉडल विलेज बनाया जाये ताकि हर हल्के में इसकी व्यवस्था हो सके। चेयरमैन सर, मुझे एक बात का ध्यान और आ गया। फरीदाबाद में एक पुराना थर्मल पावर प्लांट लगा हुआ है जिसकी तीन यूनिट्स 60–60 मैगावाट की हैं।

इस बारे में एक सवाल दलाल साहब ने भी उठाया था और मैंने भी उठाया था लेकिन उस प्रश्न का कोई सन्तोषजनक उत्तर नहीं मिला। देहली के बाद सबसे ज्यादा कैंसर की बीमारी से जो मौतें होती हैं वे फरीदाबाद में होती हैं। इसका सबसे ज्यादा कारण यह है कि फरीदाबाद में वाटर पोल्यूशन और एयर पोल्यूशन सबसे ज्यादा है। क्योंकि जो पानी फरीदाबाद को मिलता है वह देहली से होकर आता है जिसमें एयर पोल्यूशन और कोयला बेस्ट प्लांट की जो ऐश है उसकी डिस्पोजल उसमें डाली गई है। गर्मियों के मौसम में सारे शहर और ग्रामीण क्षेत्र में धूल ही धूल हो जाती है। इसके लिए भी सरकार को कोई योजना बनानी चाहिए। जो कौल बेस्ट थर्मल पावर प्लांट है वह तकरीबन 30 साल पुराना हो गया है और इसकी जनरेशन कैपेसिटी घटकर आधी रह गई है। इसके स्थान पर दूसरा प्लांट लगाने की व्यवस्था की जाए। इसके लिए मैं समझता हूँ कि यह ज्यादा उपयोगी होगा। चेयरमैन सर, अब मैं अपने क्षेत्र की बात करना चाहता हूँ। मैंने एक सवाल किया था कि जो मेरे क्षेत्र के पहाड़ी एरिया में एक काफी पुरानी कालोनी है, यह अथोराइजड और लाइसेंस शुदा कालोनी है तथा आज से 20 साल पुरानी है जो सरकार ने टेक ओवर की हुई है हजारों मकान बने हुए हैं लेकिन आज स्थिति यह है कि वे मकान बनने के बाद जो वहाँ पहाड़ी है उसकी नींव से मलबा और पत्थर निकलता है। वह सड्कों पर, पार्कों में और दूसरे प्लांटों में पड़ा रहता है जिससे जनता बहुत परेशान है। लोगों ने मकान बनाने के लिए नक्शे भी पास करवा रखे हैं। वे कहते हैं कि हम मकान कहाँ

बनायें। हमारे मुख्यमंत्री जी ने भी आदेश दिया हुआ है कि यह बहुत बड़ी समस्या है इसका शोल्यूशन तुरंत निकाला जाये लेकिन आज तक उसका कोई हल नहीं निकला है। इस बारे में मेरे एक सवाल के जवाब में यह कह दिया गया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कारण यह मामला अटका हुआ है। सभापति महोदय, पता नहीं कहाँ से, किस आड़ू में इस तरह की जानकारी दी जाती है। मैं उस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि तीन वर्ष पहले गुड़गांव पहाड़ी क्षेत्र में सड़क निकाली गई है। जिसको बनाते वक्त पत्थरों को तोड़ा गया और सड़क बनाई गई। जिसकी मंजूरी डायरैक्टर माईन्ज ने दे दी। इतनी बड़ी आबादी परेशानी झेल रही है फिर उसकी मंजूरी में सुप्रीम कोर्ट के आदेश कहाँ से आ गये। सभापति महोदय, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हाईकोर्ट ने प्राईवेट कालोनाईजर्स वर्सिज गवर्नमैंट के केस में फैसला दिया है कि जो कालोनियां लाईसैंस शुदा है उनकी डिवैल्पमैट को सरकार नहीं रोक सकती। उनकी डिवैल्पमैंट कानून सम्मत है। हाई कोर्ट का इस तरह का फैसला आने के बाद भी इस मामले को इतना लम्बा क्यों खींचा जा रहा है यह बात मेरी समझ में नहीं आ रही। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करता हूँ कि उस कालोनी की डिवैल्पमैंट की तरफ सरकार ध्यान दे और उसमें जो परेशानी लोगों को हो रही हैं उनको दूर करवाया जाये। अंत में मैं यह कहना चाहूँगा कि हमारे वित्तमंत्री महोदय ने जो प्रगतिशील बजट सदन में पेश किया है वह हरियाणा प्रदेश को विकास और

समृद्धि की तरफ ले जायेगा। लेकिन एक बात मैं वित्तमंत्री जी से जरूर कहना चाहूँगा कि जो बजट जिस साल के लिए सुनिश्चित किया जाये वह बजट उसी साल में उन्हीं कार्यों पर खर्च किया जाये जिनके लिए रखा जाता है। इस बजट में यह भी खुशी की बात है कि वित्तमंत्री जी ने पहली बार इस बजट के घाटे को न के बराबर किया है जो अच्छी सेहत की निशानी है। अंत में मैं बजट का समर्थन करता हूँ और सभापति महोदय आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका भी धन्यवाद करता हूँ।

श्री रमेश गुप्ता (थानेसर): सभापति महोदय, आपने मुझे बजट अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। वित्तमंत्री जी ने बहुत सराहनीय बजट इस वर्ष का पेश किया है इसके लिए मैं वित्तमंत्री जी का भी धन्यवाद करता हूँ। वित्तमंत्री जी के प्रयासों से स्टेट का रैवेन्यू बढ़ा जिसके कारण पिछले वर्ष 785 करोड़ रुपये की बजट की वार्षिक योजना में बढोतरी की गई है जो कि इस वर्ष 5300 करोड़ रुपये कर दी गई है। यही कारण है कि हमारी स्टेट के प्रयासों को प्लानिंग कमीशन ने भी सराहा है। इसके अतिरिक्त 11 वीं पंचवर्षीय योजना में हमारे स्टेट की 35 हजार करोड़ रुपये की राशि रखी गई है जो कि अब तक की सर्वाधिक राशि है। इन प्रयासों के चलते मुख्यमंत्री जी के मार्ग दर्शन में हरियाणा का चहुंमुखी विकास होगा और हरियाणा नम्बर एक स्टेट बनेगा।

इसके अतिरिक्त प्रदेश में सभी मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, वाटर सप्लाई आदि के लिए पिछले सालों के मुकाबले ज्यादा पैसे का बजट में प्रोविजन किया गया है। सभापति महोदय, अब मैं थोड़ा सा जिक्र अपने क्षेत्र के बारे में भी करना चाहूँगा कि मेरे क्षेत्र में सईस इण्डस्ट्रीज हैं। उनकी चौटाला साहब की सरकार के समय में बहुत ही खस्ता हालत हो गई थी और बहुत से सैलर बंद हो गये थे। उस समय सईस सेलर मालिक एच फार्म टैक्स के बारे में चौटाला साहब को कहते रहे लेकिन उसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। उस समय जो एक्सपोर्टर और छोटे सईस मिलर थे उनके साथ एच फार्म टैक्स में भेदभाव किया जा रहा था। लेकिन जब हमारी सरकार बनी और हमारे मुख्यमंत्री महोदय पहली बार कुरुक्षेत्र आये उस समय सईस सेलर्ज का एक डैलीगेशन मुख्यमंत्री जी से मिला और अपनी बात रखी। हमारे मुख्यमंत्री जी ने उनकी बात मान ली और एच फार्म टैक्स माफ कर दिया तथा जो छोटे राइस सेलर्ज थे जो इन डायरैक्ट एक्सपोर्ट करते थे उनको डायरैक्ट एक्सपोर्टर का दर्जा दे दिया जिससे उन लोगों को काफी राहत मिली है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ। इसके अतिरिक्त मैं वित्तमंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि फूड ग्रेन पर हमारे प्रदेश में 8 प्रतिशत टैक्स है और हमारे आसपास के प्रदेशों की मण्डियों में जैसे दिल्ली में फूड ग्रेन्ज पर एक प्रतिशत टैक्स है। जिसका नतीजा यह है कि यहां का काफी अनाज दिल्ली की साथ लगती नरेला आदि की मण्डियों में बिकता है। इसलिए

मेरी वित्तमंत्री जी से प्रार्थना है कि इस ओर वे ध्यान दें क्योंकि इस समय हमारे प्रदेश की वित्तीय स्थिति भी काफी अच्छी है। जिस तरह से पहले भी एक्सपैरीमैंट के तौर पर जैसे स्टील के उद्योगों को रिलीफ दिया गया था उसी तरह से हमीर को भी फूडग्रेन पर टैक्स मे छूट दो जाये। इसमे राजस्व पर भी बहुत अधिक फर्क नहीं पड़ता। फूडग्रेन पर जो 8 परसैंट टैक्स है वह काफी बड़ा टैक्स है इसमें कुछ न कुछ कटौती की जाये। इससे हमारे जो सईस सेलर्ज हैं उनको दूसरे स्टेट से और एक्पोर्टर से कम्पीटीशन करने में तंगी आ रही है। माननीय वित्त मंत्री जी जब लाडवा गये थे उस समय भी एक डैलीगेशन उनसे मिला था और उन्होंने यह निवेदन भी किया था। तो मेरा निवेदन है कि माननीय वित्त मंत्री जी इस पर गौर करेंगे। एक बात और कहना चाहूँगा कि जो लैंड होलडिंग है वह अब बहुत कम होती जा रही है आजकल जमीन बहुत कम रह गई हैं। आम तौर पर 2 –3 एकड़ की लैंड होलडिंग ही रह गई है। इसलिए वे किसान एक फेज के ट्यूबवैल लगा सकते हैं। ऐसे छोटे किसानों के लिए जो एक फेज का ट्यूबवैल ठीक काम कर सकता है और उस पर लागत 50–60 हजार रुपए आयेगी। छोटे किसानों को एक फेज का ट्यूबवैल लगाने के लिए लोन दिया जाये और उस पर सब्सिडी भी दी जाये ताकि छोटे किसानों को लाभ मिले। माननीय वित्त मंत्री जी ने फरीदाबाद, जगाधरी और खरखौदा में जो औद्योगिक क्षेत्र बनाने की बात कही है, मेरी भी माँग है कि कुरुक्षेत्र और पिपली के आसपास के इलाके को भी औद्योगिक क्षेत्र डिकलेअर किया जाये

ताकि हमारे लोगों को भी इसका लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री जी ने जो किसानो को काफी राहत दी है जैसे गन्ने का रेट 138 रुपये प्रति क्विंटल दिया है और गेहूँ के ऊपर जो भारत सरकार ने 100 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस दिया है उससे विपक्ष के लोगों के मुंह बंद हो गये हैं उनके पास कहने को कुछ भी नहीं है और वे ओछी हरकतें करके यहाँ से चले गये हैं। जैसा महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में कहा गया है और माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी कहा है कि हम किसानों को पर्याप्त बिजली देंगे और उनकी फसलों को सूखने नहीं देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं एक आढ़ती हूँ मैं यह बात अच्छी तरह जानता हूँ। मेरा किसानों से सीधा सम्पर्क है। मेरे इलाके में अबकी बार किसानों को बिजली बहुत मिली है और उनको डीजल ज्यादा नहीं जलाना पड़ा। पिछली सरकार के समय जनरेटर चलाने पड़ते थे डीजल फूंकना पड़ता था। मेरा एक सुझाव यह है कि जो छोटे लैंड डवैल्पर्ज हैं उनको भी प्रोमोट किया जाना चाहिए क्योंकि उससे बहुत से लोगों को सहूलियतें मिलेंगी और जो मध्यम वर्ग के लोग हैं उनको जो छोटे प्लाट हैं कम रियायती दामों पर उनको मिल सकते हैं इसलिए पंजाब की तर्ज पर छोटे लैंड डिवैल्पर्ज को प्रमोट किया जाये। उनसे डिवल्पमैंट चार्जिज लेकर रजिस्ट्री खोलनी चाहिएं। इस समय वहाँ पर लोगों को काफी तंगी हो रही है। मेरा एक सुझाव यह है कि जन स्वास्थ्य मंत्री, जो इस समय बैठे नहीं हैं जो स्वजल धारा योजना के तहत जो ट्यूबवैल लगे हुए हैं गाँवों में उनका रख–रखाव पंचायत को करना पड़ता है और बिजली का

बिल भी वे ही अदा करते हैं ये थोड़े से गाँव हैं। कई जगह पर ये बिजली के बिल बहुत ज्यादा हो गये हैं। मेरा यह सुझाव है कि जन–स्वास्थ्य विभाग इन ट्यूबवैल्ज को टेकओवर कर ले और उनको आगे से वही चलाये। इनकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है लेकिन लोग सफर कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सभी के लिए एक समान जल बंटवारे का फैसला किया है। यह बहुत अच्छा कदम है। मेरे हल्के में एक राखसी नाला है जिसकी मंजूरी विभाग से हो चुकी है और ऐडमिनिस्ट्रेटिव अप्रवल के लिए विभाग ने केस माननीय मुख्यमंत्री जी के पास भेजा हुआ है। आपके माध्यम से सरकार से मेरा निवेदन है कि उसकी अप्रूवल यथाशीघ्र प्रदान करने की कृपा करें। इस प्रोजैक्ट की लागत अढ़ाई करोड़ रुपये है और मैं माननीय वित्त मंत्री जी से मांग करता हूँ कि इस पैसे की ऐलोकेशन इसी बजट में करने की कृपा करें ताकि जल्दी से जल्दी यह बन कर तैयार हो सके। सभापति महोदय, अभी माननीय मुख्यमंत्री जी 10 मार्च को कुरुक्षेत्र गए थे और वहाँ पर एक ब्रिज को जनता के लिए चालू करके आए थे। उस ओवर ब्रिज पर पिछली सरकार ने टोल टैक्स लगाने का प्रावधान कर दिया था कि जो ठेकेदार है वह टोल टैक्स के जरिये पैसा वसूलेगा। लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जा जब पहली बार कुरुक्षेत्र में आए थे तौ मैं और नवीन कुमार, एम०पी० मुख्यमंत्री जी से मिले थे और उनसे यह निवेदन किया था कि इस टोल टैक्स के प्रावधान को समाप्त किया जाए। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जनता की कठिनाई को देखते हुए इस पुल की जो 15 करोड़ रुपये की लागत थी वह

सरकारी खजाने से देने का फैसला लिया है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद देता हूँ। उनके इस फैसले से वहाँ की जनता बहुत खुश है और सभी लोग मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करते हैं। सभापति महोदय, इसके साथ ही मैं जन–स्वास्थ्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूँ और कुछ समस्या उनके सामने रखना चाहता हूँ।

13.00 बजे

श्री सभापतिः गुप्ता जी, प्लीज अब आप बैठें। आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री कुलबीर सिंह बैनीवाल (भट्टूकलां): सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर चर्चा करने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। माननीय सभापति महोदय, वित्त मंत्री जी ने 2007– 2008 का जो बजट भाषण दिया है यह बड़ा ही सहरानीय है। मान्यवर सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूँ कि हमारा राज्य एक कृषि प्रधान प्रदेश है इसलिए सरकार ने कृषि के लिए उचित नीति बनाई है और किसानों की समस्याओं से निपटने के लिए कारगर कदम उठाए हैं। खरीफ की 2006 की फसल के दौरान वर्षा 40% कम होने के बावजूद भी खाद्यान्न का उत्पादन 45 लाख टन हुआ है जो अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है। सभापति महोदय, यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि सरकार द्वारा चलाए गए जागरुकता

अभियान से प्रभावित होकर किसान साठी धान की काश्त करने से हट गए थे जिसको गर्मी में पानी की अत्याधिक जरूरत होती थी। सभापति महोदय, मौजूद/सरकार ने किसान के लिए गन्ने का भाव 138 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है और गन्ने का यह रेट देश भर में सबसे अधिक है जिसके लिए हरियाणा सरकार बधाई की पात्र है। गन्ने का उत्पादन बढ़ाने के लिए वर्ष 2007—08 के लिए 2656 करोड़ रुपये की गन्ना विकास योजना तैयार की गई है। सभापति महोदय, पाला और ओले गिरने से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार ने 24,692 किसानों को 1528 करोड़ रुपये की राशि मुआवजे के रूप में दी है। अभी— अभी ओलावृष्टि से फसल में किसानों को जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं वे बहुत ही सहरानीय हैं। सभापति महोदय, मेरे इलाके के अन्दर 25 साल से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार जीतते आए हैं और जो विकास पिछले 25 साल में नहीं हुआ वह विकास चौधरी भूपेन्द्र सिंह जी की सरकार ने केवल तीन साल में करवा दिए हैं। हमारे हल्के के अन्दर कई प्रकार की समस्याएं थीं और मेन समस्या ढाणियों में लाईट नहीं थी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस बारे में घोषणा की और उसका काम भी शुरू हो गया है। सभापति महोदय, इसके साथ ही हमारे यहां की दूसरी मेन समस्या किसानों के खालों की थी। 25 साल से मेरे हल्के में खालों का कोई काम नहीं हुआ था। माननीय मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की है कि दो साल के अन्दर सारे खालें ठीक हो जायेंगे। मुख्यमंत्री जी की सबसे बड़ी

घोषणा सिरसा रैली में किसानों के ब्याज को माफ करने वाली है। आज तक हरियाणा के किसी भी मुख्यमंत्री ने ऐसा नहीं किया है। हमारी सरकार ने आते ही 1600 करोड़ रुपये बिजली के बिलों के माफ किए थे यह भी इस सरकार का एक सहरानीय कदम था। चेयरमैन महोदय, आपके माध्यम से मैं मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि बडपौल गांव में 33 के०वी० का सब–स्टेशन है और उस सब–स्टेशन के अन्दर 25 गांव आते हैं। उस सब–स्टेशन से ट्यूबवैल्ज कनैक्शन दिए हुए हैं। चेयरमैन महोदय, वहाँ जो ट्रांसफार्मर है वह 4 एम०वी०ए० का लगा हुआ है, उसको 8 एम०वी०ए० का किया जाये। चेयरमैन सर, मुझे यहाँ पर कहते हुए शर्म आती है कि हमारे भट्टूकलां हल्के में आज तक चाहे कोई राज करने वाले रहे हैं किसी ने कोई काम नहीं किया है। अभी सदन में मुख्यमंत्री जी बैठे हैं, और मंत्री बैठे हैं, कृषि मंत्री और वित्त मंत्री भी बैठे हैं मैं इनको कहना चाहूँगा कि हमारे यहाँ पर कोई विकास कार्य नहीं किया गया है। हमारे गांवों में अभी भी कच्ची गलियां पड़ी हुई हैं। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने उन सारी की सारी गलियों को पक्का करने के लिए मंजूरी दे दी है। अब वहाँ पर पकी गलियां बन जाएंगी। चेयरमैन सर, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी पर जो लोग सदन में भेदभाव का आरोप लगाते हैं पहले वे अपने गिरेबान में झांक कर देखें कि पिछली सरकार के अन्दर उन लोगों ने जमींदारों और किसानों का खून चूसा था। उनके नजदीकी रिश्तेदार 1977 में एक टूक चलाते थे आज उनके पास आलीशान कोठियां हैं, 15 टूक हैं, हम भी उनके नजदीकी

रिश्तेदार हैं। उनके दादा की 34 एकड़ की जमीन होती थी, मैं भी आढ़त की दुकान करता हूँ और मुझे भी पता है जमींदारों की कितनी आमदनी होती है। आज जमींदार कर्जे में डूबा रहता है। आज वे लोग यहाँ पर ईमानदारी की बात करते हैं। चेयरमैन सर, मेरा आपके माध्यम से सदन में सुझाव है कि इस सदन में ऐसे भ्रष्ट आदमियों का नाम नहीं लेना चाहिए। इस आदमी की अगर किताब खोली जाए तो उस किताब के हर पन्ने पर उनके द्वारा किए गए लोगों के प्रति जुर्म ही दिखेंगे। वे अपने समय पर लोगों पर, किसानों पर और जमींदारों आदि पर जुर्म किया करते थे। पिछली सरकार के वक्त में वे जहाँ भी जाते थे वहाँ पर खून ही खून दिखाता था। वे अगर किसी के घर खाना या चाय पीने जाते थे तो वहाँ पर से मालाएं लेते थे।

श्री सभापतिः कुलबीर सिंह जी, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है। आप दो मिनट में कन्क्लूड करें।

श्री कुलबीर सिंह बैनीवालः चेयरमैन सर, हमारी सरकार प्रदेश के सभी गाँवों में शहरों की तर्ज पर नागरिक सुविधाएं देने के लिए वचनबद्ध है। सरकार ने 2006–07 के दौरान गांवों को आदर्श गाँव में विकसित करने के लिए 75 करोड़ रुपये की राशि वित्तीय वर्ष में जारी की है। 1300 गाँवों में सीमेंट और कंकरीट की गलियां बनाने के लिए प्रति गांव 10 लाख रुपये की राशि उपलब्ध करवाई है। चेयरमैन सर, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूँगा कि 25 फरवरी को सिरसा रैली में पहुँची अपार

भीड़ यह दर्शाती है कि वह सरकार की कार्यकुशलता प्रणाली और हरियाणा प्रदेश को देश में नम्बर एक का प्रदेश बनाने की सोच को साकार करने के लिए इनके साथ है। धन्यवाद।

श्रीमती प्रसन्नी देवी (नौलथा): चेयरमैन सर, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बजट पर बोलने का टाइम दिया। वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है वह बहुत ही अच्छा बजट है। इस बजट में पिछले सालों के मुकाबले विभिन्न मदों में और ज्यादा पैसा रखा गया है और इस प्रदेश के विकास के लिए और ज्यादा रास्ते खोले गये हैं। अगर पिछले टाइम को देखा जाए तो पहले हर मद में बहुत थोड़ा– थोड़ा बजट होता था। मैं कई बार एम०एल०ए० बन चुकी हूँ और मुझे पता है कि अगर पहले किसी एम०एल०ए० को पांच साल में उसके हल्के में पांच किलोमीटर सड़क बनने को मिल जाती थी या पांच सालों में दो चार स्कूल उसके हल्के में बन जाते थे तो यह बहुत बड़ी बात होती थी। वह सोचता था कि यह बहुत बड़ा कार्य हो गया क्योंकि उस समय यह बहुत बड़ी बात मानी जाती थी। भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने जहाँ 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल माफ किए थे वहीं खेती करने वाले छोटे–छोटे किसानों के लिए जो पहले कोआपरेटिव सोसायटीज से 14 प्रतिशत ब्याज पर पैसा लेते थे, उनको सात परसैंट पर लाने का काम किया है। यह बहुत अच्छा कदम सरकार का है। इस तरह से बहुत से ऐसे काम हमारी सरकार ने किए है जिनको अगर मैं गिनाने लगू तो बहुत समय

लग जाएगा। हमारी सरकार ने किसानों और मजदूरों को बहुत सहूलियतें दी हैं उनके लिए बहुत बड़ी स्कीम्स बनायी गयी हैं। दायर नलवी नहर बनाने की स्कीम भी बनायी गयी है। हालांकि यह नहर अब से तीस साल पहले ही बन जानी चाहिए थी लेकिन वह ऐसे ही पड़ी रही किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन आज हमें खुशी है कि उस नहर का काम शुरू हो गया है 1 मेरी इस बारे में प्रार्थना है कि जहाँ इस नहर का पानी अम्बाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र के एरिया में आएगा वहीं अगर यह नहर करनाल के एरियाज तक या दूसरे और एरियाज तक भी पहुंचायी जा सके तो इसको वहाँ तक भी पहुंचाया जाना चाहिए ताकि इसका पानी वहाँ के किसानों को भी मिल सके। जिस एरिया में ट्यूबवैल का पानी कामयाब नहीं है उस एरिया के लिए पानी की बहुत दिक्कत है वहां का किसान केवल नहर के पानी से ही अपना गुजारा करता है। चेयरमैन सर, पिछली सरकार के बारे में आपको भी पता ही है कि नहरी पानी का 42 –42 दिन बाद नम्बर आता था और वह भी नहर कभी–कभी तो एक हफ्ता ही चलती थी। लेकिन आज इस बात की हमें खुशी है कि सबको अपने–अपने हिसाब से पूरा पानी मिलता है और अपने नम्बर के हिसाब से किसी को भी पानी मिलने में दिक्कत नहीं होती। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से आज सड्कों पर भी बहुत काम हो रहे हैं जो सड़के खराब हुई पड़ी थीं उनकी मरम्मत हो रही है। जहाँ पर पुल नहीं थे वहां पर पुल बनवाए जा रहे हैं। जिन सड़कों की चौड़ाई कम थी उनकी चौड़ाई बढ़ायी जा

रही है। मैं इस बारे में प्रार्थना करना चाहूँगी कि पिछले साल 7 जनवरी, 2006 को मुख्यमंत्री जी मेरे गांव में गए थे। उस एरिया में उलाना कलां गांव में एक पुल बनना है इसके ऐस्टीमेटस 80 लाख रुपये हैं। मुख्यमंत्री जी ने इस पुल को बनवाने के लिए अनाउंस भी किया था। स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि इस पुल को जितना जल्दी हो सके, बनवा दिया जाए ताकि लोगों को जल्दी ही इसका लाभ मिल सके क्योंकि वहाँ से बहुत सारे गांवों का रास्ता होकर जाता है। वह पुल बहुत ही खस्ता हालत में है और कभी भी यह गिर सकता है। अगर यह पुल गिर गया तो वहां से आगे जाने वाला रास्ता नहीं रहेगा। इसी तरह से बिजली के मामले में भी बहुत सारी स्कीम्ज बनायी गयी हैं। बहुत सारे सब स्टेशंज बनाये गये हैं और बहुत सारे सब स्टेशंज को अपग्रेड किया गया है। मेरी प्रार्थना है कि जो मेरा अपना गांव है वह जिले के आखिर में पड़ता है। सिख–पाथरी के लोग सब स्टेशन के लिए जमीन देने के लिए तैयार हैं। मैंने मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना की थी कि अगर वहाँ पर 33 के०वी० का सब स्टेशन बना दिया जाए तो उन गांवों की बिजली की समस्या सुधर जाएगी। अभी तक तो वहां पर हाट लाइन से ही बिजली आती है और उसमें भी कट लगते हैं इसलिए वहां पर बिजली की बहुत दिक्कत है। वह एक किनारे पर उलझा हुआ है।

श्री अध्यक्ष: बहन जी, आप कनक्लूड करें। आप गवर्नर ऐड्रैस पर भी बोल चुकी हैं। आप बहुत सीनियर मैम्बर हैं। आप

40–45 साल से मैम्बर बनती आ रही हैं आपको पता होना चाहिए कि अभी नये मैम्बर्ज ने भी बोलना है।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, मैं दस मिनट में कनक्लूड कर देती हूँ। इसके अलावा पीने के पानी के लिए भी सरकार ने बहुत से कदम उठाए हैं। गरीब हरिजनों को भी हमारी सरकार ने सुविधा दी हैं। मैं प्रार्थना करना चाहूँगी कि पिछड़े वर्ग के जो लोग हैं उन्हें भी यदि इसी तरह से कनैक्शन और पानी की टंकी मुफ्त में देने का इंतजाम किया जाएगा तो यह बहुत अच्छा कदम होगा। इसके अलावा मैं एक प्रार्थना और करना चाहती हूँ कि सारी स्टेट में पीने के पानी की स्कीमज चलाई जा रही हैं और उनके लिए सरकार ने पैसा रखा है। उसके लिए अध्यक्ष महोदय, आपके जरिए प्रार्थना करना चाहती हूँ कि उसमें थोड़ी सी काम में तेजी लाई जाए क्योंकि काम काफी आहिस्ता चल रहा है। गर्मियां आ गई हैं इसलिए अब पानी की समस्या तो हर गाँव में होगी। एक प्रार्थना मैंने पिछली बार भी की थी और इस बार भी करना चाहती हूँ कि इन्दिरा गांधी जी के समय में 20 सूत्रीय कार्यक्रम चला था। उस वक्त पिछड़े वर्गो के लोगों को व हरिजनों को 100– 100 गज के प्लाट दिए गए थे। उसके बाद उनकी कई पीढ़ियां आ गई। उनके पास बहुत थोड़ी सी जगह होती है। परिवार का उसमें रहना मुश्किल हो जाता है। मैंने पहले भी हर सैशन में इस बात के लिए गवर्नमैंट से प्रार्थना की है। आज भी प्रार्थना कर रही हूँ। मुख्यमंत्री जी उदार हैं। इसलिए मैं उनसे

कहना चाहूँगा कि जैसे और कामों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है ऐसे ही मैं समझती हूँ कि इस काम में भी पैसे की कमी आड़े नहीं आनी चाहिए। जिन गांवों में पंचायत की जमीन है उन गांवों में तो पंचायत से इस काम के लिए जमीन ली जा सकती है। थोड़े से ही गांव ऐसे होंगे जहाँ जमीन ऐक्वायर करनी पड़ेगी। एक मेरी प्रार्थना और है कि गलियां बन तो रही हैं लेकिन अभी भी गांव की गलियों की हालत बहुत खराब है। सीमेंटिड गलियां बनाने के लिए सरकार जितना पैसा देती है उससे काम बहुत धीमी स्पीड में चलता है। मेरी प्रार्थना है कि इन गलियों के लिए कोई टारगेट देकर तेजी से काम कराया जाए तो बहुत ही अच्छा रहेगा। बहुत ही सुन्दर बजट पेश किया गया है मैं इसका समर्थन करती हूँ। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए धन्यवाद।

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया उसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ।

श्री अध्यक्ष: आपको 15 मिनट का समय दिया जाता है।

श्री राम कुमार गौतम: स्पीकर सर, सबसे पहले तो मैं मुख्यमंत्री को बधाई देता हूँ। कि इन्होंने एक बहुत ही बढ़िया काम किया है कि इतने अच्छे इंसान डॉ० राम प्रकाश को राज्य सभा के लिए चुन कर भेज दिया है। वे 36 बिरादरी को सम्मान देने वाले और निहायत पड़े लिखे आदमी हैं। जब मैं एल०एल०बी० में पड़ता

था तो उस समय ये कैमिस्ट्री डिपार्टमैंट में रीडर थे। राम प्रकाश जी को आप एक साल के लिए नहीं चाहे छह साल के लिए ही राज्य सभा में भेज देना। हमें बहुत खुशी होगी। इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री जी मैं आपको बधाई देता हूँ। इसका आपको फायदा ही मिलेगा। इस –बात का गरीब लोगों में अच्छा मैसेज गया है। मुख्यमंत्री जी, ये आपको जो शासन करने का मौका मिला है उससे पहले हरियाणा प्रदेश काफी उजड़ा हुआ था। चौटाला जी के बारे में हाउस में मुझसे पहले बोलने वाले सदस्यों ने काफी कुछ कह दिया है, अब उसके अलावा कहने वाली कोई बात नहीं है। उनके पास कोई नौकरी के लिए जाता था तो कह देते थे कि तुम्हें नौकरी की क्या जरूरत है। तुम तो जाकर पंजाबी व बनियों को लूटो। स्पीकर सर, वह जमाना गुंडागर्दी व लूटपाट का जमाना था। मैं मुख्यमंत्री जी की बहुत तारीफ करता हूँ कि सबसे अच्छा काम तो इन्होंने यह किया कि चौकीदार का वेतन बढ़ाकर एक हजार रुपये कर दिया और एक हजार रुपया सालाना उनको यूनीफार्म व 250 रुपये टार्च व लाठी आदि के लिए दिया है। इसी तरह से फ्रीडम फाइटर्स को इन्होंने बहुत सम्मान दिया है। सारे गरीब भाई इनको आशीष देंगे। इन्होंने बहुत अच्छे काम किए हैं। मेरी कांस्टीच्यूएंसी में भी मुख्यमंत्री जी ने मेरे कहने से एच०आर०डी०एफ० व एल०ए०डी०टी० का पैसा दिया उसके लिए मैं इनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। मेरे हल्के के महत्वपूर्ण गांवों बास और पेटवाड़ की सड़क बनाई गई। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत पेटवाड़ से हाँसी और गुराना डाटा की सड़क

बनाने का जो काम किया है वह बहुत ही सराहनीय है। इसी प्रकार नारनौंद में फोरलेनिंग की गई। एक डाटा से बयाना खेड़ा गांव का जो डेढ़ किलोमीटर का सड़क का टुकड़ा बचा हुआ था वह भी पूरा करवा दिया गया, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का शुक्रिया अदा करता हूँ। हमारे गाँव में कोई लड़कियों का स्कूल नहीं था परन्तु हुड्डा साहब की सरकार ने बास और नारनौंद गांवों में लड़कियों के दस जमा दो के स्कूल अपग्रेड कर दिए हैं इसके लिए भी मैं इनका शुक्रिया अदा करता हूँ। हमारे गांव में तहसील नहीं थी। मेरे कहते ही हुड्डा साहब ने तहसील की बिल्डिंग बनवानी शुरू करवा दी। नारनौंद में सीवरेज की व्यवस्था को मंजूर किया गया है लेकिन कुछ ऐसे आदमियों ने जो वहां के प्रशासन से मिले हुए हैं एक ऐसे आदमी की जमीन थी जिसके सिर्फ लड़कियां ही थी उसकी जमीन में से सीवरेज बिछाई जानी थी लेकिन कुछ लोगों ने उससे मिलकर कोर्ट केस करवा दिया और वह मामला कोर्ट में लटका हुआ है। मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि उस केस के लिए अरली हियरिंग की एप्लीकेशन देकर नारनौंद में सीवरेज की व्यवस्था जल्दी से जल्दी शुरू करवाई जाए। मेरे कहने से नारनौंद में बस स्टैण्ड भी बनवा दिया गया और कई और काम भी किए गए। इसके लिए मैं सरकार की तारीफ करता हूँ। लेकिन अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने बनने से पहले कुछ प्रोमिस जनता से किए थे। चौटाला साहब के तंत्र के समय में जो ज्यादतियां हुई उनको ठीक करने के लिए और उनमें से खास तौर पर जो रिट्रैन्चड इम्प्लाई थे उनमें से कुछ को तो

दोबारा से रोजगार दे दिया गया है लेकिन जो 1600 कान्सटेबल्ज को दोबारा से रोजगार देने के लिए मुख्यमंत्री जी मेरे हल्के के गांव पुट्ठी में जो चुनाव के समय में बयान देकर आये हैं, राजधानी से भी बयान आये हैं और प्रोमिस करके आए हैं कि हम आते ही जिनके साथ ज्यादतियां हुई हैं उनको रोजगार देंगे। मेरे पास वह बयान है अगर देखना चाहें तो मैं दिखा सकता हूँ आप मान लोगे। हो सकता है वोट मांगने के समय कुछ वायदे किए जाते हैं लेकिन बाद में उन वायदों की अनदेखी हो जाती है लेकिन अब वह वायदा आपको निभाना चाहिए। एक दूसरी बात जो मैं महसूस करता हूँ वह यह है कि जो एस०सीज० कैटेगरी का जो दस हजार का बैकलॉग है वह चौटाला साहब के समय का है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब एन्टी हरिजन थे। वह एन्टी हरिजन ही नहीं थे बल्कि सारी जनता के खिलाफ थे। उनकी कुछ मजबूरियां थी अपंग होने के कारण उनको कुछ भाइयों का साथ लेना था जिसके कारण उन्हें थोड़ा बहुत उनका बैकलॉग पूरा करना पड़ा। वरना वे सारी जनता के खिलाफ थे। चौटाला साहब, एस०सी० और बी०सी० की नौकरियों में दस हजार का बैकलॉग छोड़ कर गए थे। उसके बाद की एस०सी०/एस०टी० की जो रिपोर्ट हैं उसके अनुसार 24600 का बैकलॉग है तो वह आपको मुख्यमंत्री बनते ही पूरा करना चाहिए था क्योंकि इन कैटेगरीज के लोग कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी है और यह सबसे गरीब तबका है। आज देश में सबसे बड़ी कमजोरी छुआछूत की है, जात–पात और भेदभाव पर इन कमजोर भाइयों के साथ जो ज्यादतियां हुई हैं

उनको दूर करने के लिए पग उठाने चाहिए थे उनमें आपने इसमें कोताही की है इसमें आपको सतर्कता बरतने की जरूरत है। आपने प्रोमिज किया था कि हरिजन भाइयों को एक एकड़ जमीन खरीदने के लिए सरकार उनको पांच लाख रुपये मंजूर करेगी लेकिन आपने वह काम अब तक नहीं किया है। आपके मुख्यमंत्री बनते ही हरिजन भाइयों को प्रत्येक गाँव में प्लाट काटकर उनको खरीदने के लिए पैसे देने चाहिए थे लेकिन आपने अब तक नहीं दिए। मैं आपसे गुजारिश करूँगा कि इस ओर विशेष ध्यान दिया जाए। दूसरा क्रप्शन जो हमारे समाज की सबसे बड़ी बीमारी है जो देश पर ग्रहण है और देश को दीमक की तरह खा रही है उसके बारे मे आपने अभी ध्यान नहीं दिया। मुख्यमंत्री जी इस बारे में मुझे बहुत शिकायत है आप इस ओर थोड़ा भी ध्यान दे देते तो जो क्रप्शन के मालिक हैं, माई बाप हैं और जो आज छाती ठोक कर कहते हैं कि अगला राज मैं करूँगा वे आपको कहीं नजर नहीं आते, कहीं भी आज कल बार–बार वे ऐलान करते हैं कि मैं कल का मुख्यमंत्री हूँ। वे क्रप्शन के चाचा ताऊओं के बेटे हैं, हैं कुछ नहीं, उनमें कोई महात्मा गांधी का बेटा नहीं है, न ही कोई जयप्रकाश नारायण का बेटा है और न ही कोई नेहरू का बेटा है। न कोई राणा प्रताप की सन्तान है, न कोई गुरुओं का बेटा है, न कोर्ड शहीदे–आजम भगतसिंह का बेटा, बहुत ही अति साधारण से साधारण लोग हैं जो छाती ठोक कर कहते हैं कि अगला राज मेरा होगा।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the House be extended for half an hour ?

Voices: Yes,

Mr. Speaker: The time of the House is, extended for half an hour.

वर्ष 2007 – 2008 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री रामकुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, न कोई ये रफी अहमद किदवई का बेटा है जो फूड मिनिस्टर थे कि ईमानदार बाप का बेटा हो, बड़ा भला आदमी हो, न कोई ऐसा है जो हरीश चन्द्र की औलाद हो, बहुत ही साधारण से लोग हैं जो मुख्यमंत्री का दावा ठोक रहे हैं और आप गलतफहमी में न रहना क्योंकि जब ये सारे हरियाणा में जाते हैं तो इनको समर्थन भी मिल रहा है और आपके दो साल के राज में कुछ कमियां हैं। हुड्डा साहब आप उस पर गौर करें। आप सारी लिस्टें मंगवाये कि कहीं आप इलाकेवाद से ग्रस्त तो नहीं हो रहे। जाने अनजाने में कहीं आप वर्ग भेद में तो जिम्मेवार नहीं हो रहे। इसलिए मैं कहता हूँ कि आप सारी लिस्टें मंगवाये और चौक करवायें। क्योंकि कहीं न कहीं कमियां मिलेंगी जिसका ये लोग नाजायज फायदा उठा रहे हैं। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप आने वाले तीन सालों के शासन में इन कमियों को दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा जिस समय हुड्डा साहब की सरकार बनी थी उस

समय इन्होंने लॉ एंड आर्डर की स्थिति में बहुत सुधार किया था। बहुत सारे गुण्डों का उस समय एनकाउंटर किया गया था और मुझे बहुत खुशी हुई थी और मैंने इसके लिए मुख्यमंत्री जी को बधाई भी दी थी। लेकिन अब हमारे मुख्यमंत्री जी कुछ सुस्त हो गये हैं और आज प्रदेश में लॉ एंड आर्डर की स्थिति अच्छी नहीं है। आज आप देखें कि मुख्यमंत्री जी के शहर में ही कांग्रेसी नेता सचदेवा के बेटे पर दो गोलियां चलाई गई। हर रोज इस तरह की वारदातें प्रदेश में हो रही हैं। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूँगा कि वे मेहरबानी करके प्रदेश में दोबारा से कानून–व्यवस्था की स्थिति चुस्त दुरुस्त करें। हमारे अफसर बहुत बढ़िया हैं। मुख्यमंत्री जी उस बात को भूल जायें जो मैंने पिछले सैशन में कही थीं कि फलां अफसर आपके हल्के का है, आपकी बिरादरी का हे। मुख्यमंत्री जी 36 बिरादरी के मुख्यमंत्री हैं और इनके अंदर महान देश भक्त का खून दौड़ रहा है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूँगा कि ये छोटी–मोटी बातों से दूर हो जाएं। ये इस तरह से न सोचें कि इन्हें एक कोम का नेता बनना है और न इस तरह से सोचना चाहिए कि इन्हैं रोहतक और झज्जर तक सीमित रहना है। ये सभी बिरादरियों और पूरे प्रदेश का नेता बनें। इसलिए मैं इनसे कहना चाहता हूँ कि प्रदेश में लॉ एंड आर्डर की स्थिति को संवारें और जितने भी भ्रष्टाचारी लोग हैं उनको दण्ड दें तथा जो ईमानदार लोग हैं उनको पुरस्कृत करें। मैं दावे के साथ कहता हूँ कि ऐसा होने पर हमारे प्रदेश में कोई गुण्डा नजर नहीं आयेगा। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन जींद में तो लॉ एंड

आर्डर की स्थिति बहुत खराब है। (विघ्न) हमारे काकसर गांव के बावरिये वहां बहुत वारदातें करते हैं। जब वे जेल में होते हैं तो वहाँ कोई वारदात नहीं होती लेकिन जब वे जेल से बाहर आते हैं तो वहाँ वारदातें होनी शुरू हो जाती हैं। पुलिस की और उनकी पिछले दिनों आमने–सामने की लड़ाई हुई थी और धारा 307 का मुकद्दमा भी दर्ज हुआ था लेकिन भगवान ही जानता है कि वे कैसे बचे, किसी को पैसे दिए या कोई और काम किया वह केस ही वापिस हो गया। अध्यक्ष महोदय, मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं थी और मैं मुख्यमंत्री जी को कुछ कहना भी नहीं चाहता था लेकिन मैं इसलिए उनकी जानकारी में ये बातें लाना चाहता हूँ कि वे इस ओर ध्यान देंगे। क्योंकि इनका जो खून है वह श्रेष्ठ खून है। मैं बार–बार इनको इसलिए याद दिलाता हूँ। क्योंकि मैं यह समझता हूँ कि किसी भी तरहसे हमारी सबकी जिम्मेवारी है कि हरियाणा में 36 बिरादरी के जितने भी रहने वाले लोग हैं वे सुख–शांति से रहें। अध्यक्ष महोदय, हुड्डा साहब का राज है और इनके राज में यदि अच्छे काम होंगे तो हम इनकी स्पोर्ट करेंगे। हमारी कोई पार्टी की बंदिश नहीं है। इनके राज में यदि 36 बिरादरी को न्याय मिलेगा और भ्रष्टाचार खत्म होगा तो जनता को अच्छा शासन मिलेगा। यदि ये जनता को अच्छा शासन देंगे तो हम इनकी स्पोर्ट करेंगे। क्योंकि हमारे लिए सबसे पहले देश है, फिर प्रदेश है उसके बाद पार्टी है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के की कुछ बातें करना चाहूँगा। जब से हुड्डा साहब की सरकार बनी है तब से नारनौंद हल्के में पानी की कमी हुई है

जिसका जिक्र मैंने बार–बार किया है कि वहाँ पानी की कमी को दूर किया जाये। मेरे हल्के के डाटा, गुराणा और मसूदपुर आदि गांवों में तो पीने का पानी भी नहीं है। इसके अतिरिक्त मेरे खुद के गांव में आगनवाडी भी नहीं है और पूरे प्रदेश में आगनवाडी बनी हुई है। मैं मुख्यमंत्री जी से अर्ज करूंगा कि वहाँ पर सब डिवीजन बनाया जाये, लोग इनके गुणगान करेंगे। इसके अतिरिक्त नारनौंद में एक कॉलेज खोला जाये और नारनौंद तथा बास गाँव में एक–एक आई०टी०आई० भी बनाई जाये। अध्यक्ष महोदय, अब मैं बजट के बारे में कहना चाहूँगा।

श्री अध्यक्ष: गौतम जी, अब आप वाईड अप करें।

श्री राम कुमार गौतम: अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात एक मिनट में खत्म करता हूँ। एक मिनट का मतलब है हरियाणवी एक मिनट (हंसी)। अध्यक्ष महोदय, बजट में नई सड़कें बनाने के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मैं वित्तमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि नई सड़कें बनाने के लिए यह पैसा ऊंट के मुंह में जीरा वाली बात है। मेरे हिसाब से तो नई सड़कें बनाने के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया जाना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय एक घटना घटी उसका जिक्र मैं करना चाहूंगा कि हाँसी से जींद स्टेट हाई–वे है। उन भाइयों ने वह स्टेट हाई–वे तो बनवाया नहीं और 7 मीटर की रोड बरवाला से ईकस तक की बनवा दी। क्योंकि जिसका जैसा दिमाग होगा वह वैसा ही काम करेगा इसलिए अब मैं मुख्यमंत्री जी

से प्रार्थना करता हूँ कि हाँसी से जींद के स्टेट हाई वे को जरूर बनवाया जाये और सड्कों के लिए बजट में ज्यादा पैसे का प्रावधान किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के की भी कुछ सड़कें बनवानी बहुत जरूरी हैं। नारनौंद से खाण्डा सडक न के बराबर है उसकी चौड़ाई 12 फिट है जो बहुत बड़े इलाके को कवर करती है उसे और चौड़ा करवाया जाये। नारनौंद से पेटवाड़, पेटवाड़ से बास और बास से पुट्ठी आदि गांवों की सड्कों को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में शामिल करके बनवाया जाये। इसी तरह से नारनौंद से खेड़ी जालिम सड़क भी 12 फिट चौड़ी है उसको भी और चौड़ा करवाया जाये। इसके अतिरिक्त दुराणा से भाठौल जाटाण सड़क टूटी हुई है उसकी भी मरम्मत करवाई जाये। आपने पावर का 842 करोड़ रुपये का जो बजट रखा है वह बहुत कम बजट है। आपके जो 30– 35 परसैंट बिजली के लाईन लौसिज हैं उनको घटाकर 1० परसैंट किया जाये लेकिन लाइन लौसिज कम कैसे किये जा सकते हैं क्योंकि फीडर बड़े दूर–दूर है। मेरा सुझाव है कि आप 66 के०वी० तथा 132 के०वी० सब स्टेशन ज्यादा से ज्यादा बनाएं जिससे बिजली की प्रोब्लम काफी हद तक कम हो जायेगी। कई बड़े–बड़े थर्मल प्लांट लगाकर आपने बहुत अच्छा काम किया है। मैं उन लोगों में से नहीं हूँ कि किये हुए को नकार दूँ कि कुछ भी नहीं हुआ। बहुत कुछ तो आप कर चुके लेकिन अभी बहुत कुछ करना बाकी है। उसके अलावा बजट में आपने लिखा है कि इंडस्ट्री के लिए 22 हजार करोड़ रुपये का इनवैस्टमैंट आ चुका है और 53 हजार करोड़ रुपये अभी

पाइपलाइन में हैं और यह सारे का सारा पैसा अगर मैं गलत नहीं हूँ तो मेरे ख्याल से बाई एण्ड लॉज तो गुड़गाँव और फरीदाबाद के लिए है। इससे हमारे नौजवानों को बहुत परेशानी होती है। वे इतनी दूर जा नहीं पाते। इसका कारण है वहाँ पर महंगी रिहायश और कम तनख्वाह है इसलिए मैं कहना चाहूँगा कि आप पंजाब की तरह एक पालिसी बनाइये और सारे हरियाणा में इण्डस्ट्री लगाइये ताकि हमारे भाई दिन में फैक्ट्री में काम करें और शाम को घर चले जायें और उनको किराये पर कमरा लेने की जरूरत ही न पड़े। उसके अलावा वित्त मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि यह जो बजट है यह टैक्नीकल ज्यादा है इसको सरल करें। प्लान, नॉन प्लान और दोनों में ही सेलरी खर्चे आम आदमी के समझ में यह सब नहीं आता। वैट चार्ज, नोन रैकरिंग आदि को आप सिम्पल करें। हमारे गाँव में लोगों को बड़ी भारी परेशानी थी। उनको रजिस्ट्री कराने के लिए हांसी जाना पड़ता था मेरे कहते ही चौ० बीरेन्द्र सिंह जी ने वहाँ ट्रेजरी का इंतजाम कर दिया। इसके लिए मैं मंत्री जी का शुक्रियादा करता हूँ और उनको बधाई देता हूँ। लेकिन साथ ही साथ बास में एक सब–तहसील बनी हुई है उसमें भी ट्रैजरी नहीं है और बास से हाँसी बहुत दूर है। लोगों को पहले दिन हाँसी जाना पड़ता है और उसके बाद बास पहुंचते हैं मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वहाँ भी एक ट्रेजरी खोलने की कृपा करें। स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए धन्यवाद।

श्री हर्ष कुमार (हथीन): अध्यक्ष महोदय, 2007–08 का बजट अनुमान देश की सुख समृद्धि के लिए जिस विश्वास के साथ सदन में पेश किया है इस पर चर्चा के लिए आपने मुझे समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवादी हूँ। 2007– 08 का जो बजट पेश किया गया है यह हरियाणा के लिए बहुत बड़ी वार्षिक योजना है और इस योजना को एक काबिल और संगठित टीम तैयार करती है और उन योजनाओं को पूर्ण रूप से क्रियान्वित करने के लिए जिन संसाधनों की जरूरत होती है और किसी भी वर्ग पर अनैतिक दबाव न डालते हुए वो वित्तीय संसाधन इकट्ठे किये जायें ये सरकार की काबलियत और उदारता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री जी की अगुवाई में हरियाणा प्रदेश प्रति व्यक्ति आय में देश भर में दूसरे नम्बर का राज्य बना है। अपने प्रदेश को देश भर में प्रति व्यक्ति आय में नम्बर दो पर लाने के लिए अपनी सरकार की नीतियां और मेहनत सराहनीय है जिसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। अप्रैल, 2006 से सरकार ने सहकारी समितियों के कर्ज पर ब्याज की दर 11% से घटा कर 7% की है और जो कर्जा मुआफी की योजना घोषित की है उसमें जो गरीब किसान, मजदूर, दस्तकार, अपने कर्जे की अदायगी नहीं कर सकते थे उनको लिये गये कर्ज की मूल राशि जमा करवाने पर उनका ब्याज मुआफ कर दिया है जो कि बहुत ही सराहनीय कार्य है। मेहनत मजदूरी करने वाले जो किसान अपने कर्ज की अदायगी नियमित ढंग से करते रहे हैं उनको ब्याज की राशि 2% की छूट दे कर सरकार ने मेहनत करने वालों को भी प्रोत्साहित

किया है। (विघ्न) इसके लिए हरियाणा की सारी जनता हरियाणा सरकार का धन्यवाद करती है। इसके अलावा आज तक बहुत सी सरकारें आई हैं और कांग्रेस पार्टी की भी कई सरकारें हुकूमत में रहीं। उन्होंने नीतियों भी अच्छी और बेहतर दीं और उनका इम्पलीमइटशन भी बहुत अच्छी प्रकार से हुआ लेकिन वर्तमान सरकार ने जिस ढंग से नीतियों को लागू किया है वह अत्यन्त सराहनीय कार्य है और इसके लिए सरकार की जितनी भी तारीफ की जाए वह कम है। वर्तमान सरकार ने इन्दिरा गांधी पेयजल योजना शुरू की है। इस योजना के तहत गरीब और दलित चाहे वे देहात के हों या शहरों के हैं उनके मोहल्ले में पीने के पानी के लिए तीन साल के अरसे में 340 करोड रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया है जो यह दर्शाता है कि माननीय मुख्यमंत्री के दिल के अन्दर गरीब और दलितों के प्रति कितनी टीस है और वे उनको सुविधाएं देने के लिए कितने चिन्तित और प्रयत्नशील हैं, उनका मन कितना संवेदनशील है। वे दलितों को हर प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने की चिन्ता में लगे रहते हैं। उनके द्वारा किये गये कार्य जाति–पाति का नाम और वर्गवाद का नारा देने वाले लोगों के मुखौटे पर एक जोरदार प्रहार है। स्पीकर सर, इसके अलावा बजट में हरियाणा के शूरवीरों के लिए भी पूरे मान–सम्मान का ध्यान रखा गया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शूरवीर बलिदान देते हैं। देश भर में स्वतंत्रता सेनानियों ने जो आजादी हासिल की है उस आजादी की और देश की रक्षा के लिए शूरवीर और बहादुर लोग जन्म लेते हैं। आज तक कई सरकारें आईं पर

किसी भी सरकार ने उनको सम्मान देने के बारे में कभी नहीं सोचा तथा उनकी स्थिति पर कभी ध्यान नहीं दिया। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जहां उनको सम्मान दिया है वहीं 1400 रुपये से उनकी पैंशन राशि 5125 रुपये कर दी है यह उनके परिवार के लालन पालन पोषण के लिए उनके द्वारा की गई देश सेवा के प्रति एक सम्मान है। कहने का मतलब यह है कि मुख्यमंत्री जी के अन्दर देश प्रेम की भावना कूट–कूट कर भरी हुई है और देशभक्तों के प्रति सम्मान देने की उन्होंने जो बात की है वह अपने आप में एक मिसाल प्रस्तुत करती है। उनके प्रति न केवल सम्मान प्रकट किया है बल्कि देश प्रेम और देशभक्ति के भाव को भी उजागर किया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जहाँ तक बिजली की बात है, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी तथा माननीय वित्त मंत्री जी का धन्यवाद भी करता हूँ कि उन्होंने बिजली के बारे में काफी योजनाएं बनाई हैं और उनके क्रियान्वयन के लिए पैसे का प्रावधान भी रखा है। स्पीकर सर, इन योजनाओ को क्रियान्वित करने के लिए कड़े और नेक इरादे की भी जरूरत है। जहां तक किसानों को बिजली देने की बात है, इस बारे में मेरा सुझाव यह भी है कि वह कनैक्शन के लिए सिक्योरिटी जमा करता है और बिजली बोर्ड के खर्चे की बात है तो वह खर्च भी जमा कर देता है और वह पैसा जब ठेकेदार के पास जाता है तो उसको किसानों को कनैक्शन देना होता है। जब किसानों को कनैक्शन नहीं मिलता है तो वे किसान एस०डी०ओ०, एक्सीयन या दूसरे अधिकारियों के पास अपनी कम्पलेंट लेकर जाता है तो वे

अधिकारी अपने आप को असहाय महसूस करते हैं, वे कहते हैं कि अब यह हमारे हाथ में नहीं है। अध्यक्ष महोदय, जो ठेकेदार कनैक्शन देते हैं, बिजली की लाइनें बिछाते हैं उन पर टाइम लिमिट की बाऊडेशन होनी चाहिए कि वह इतने समय में किसानों को कनैक्शन देगा।

श्री अध्यक्षः हर्ष कुमार जी, आप ककलूड करें।

श्री हर्ष कुमारः अध्यक्ष महोदय, अब मैं जल–आपूर्ति की बात कहना चाहता हूँ। इस सरकार ने गांवों में 70 लीटर पानी प्रतिदिन प्रति व्यक्ति के हिसाब से देने का टारगेट रखा है, यह बहुत बड़ी बात है। लेकिन पिछली सरकार के समय में ऐसी मानसिकता बनी कि हरियाणा में कूमाफिया और दूसरे माफिया पैदा हो गए थे। यहाँ तक कि पानी का माफिया भी पिछली सरकार ने पैदा कर दिया था। पानी माफिया ने पानी के बंटवारे का हक अपने हाथ में ले लिया था और पानी के कनैक्शन अपने घरों को ले गए थे। उस समय यहाँ तक होता था कि अगर किसी गरीब आदमी के घर में शादी होती थी तो उनकी औरतें और दूसरे लोग नहाए बिना रह जाते थे लेकिन पानी माफिया वालों के घरों में गाय– भैंसे और उनकी बछडियां भी पानी से नहाती थीं। मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि आपको ऐसे पानी माफिया के लोगों पर अंकुश लगाना पड़ेगा ताकि गरीब आदमियों को भी पीने का पानी मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, मेरे इलाके में और पूरे मेवात में मुख्यमंत्री गए थे। वहाँ पर ओलों की वजह से जो नुकसान हुआ है उसके बारे में मैं एक दो सुझाव देना चाहूँगा।

श्री अध्यक्षः इस बारे में बात हो चुकी है और मुख्यमंत्री जी ने घोषणा भी कर दी है। आप अपने हल्के की बात करें।

श्री हर्ष कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि मुख्यमंत्री जी ने उस नुकसान के लिए जो राशि दी है उस बारे में मैं सदन में कहना चाहता हूँ कि जिन लोगों का नुकसान हुआ है वे यह कहते हैं कि यह राशि बहुत है। वे यह कहते हैं कि नुकसान की पूर्ति करना तो भगवान के हाथ में भी नहीं है। वे इनके द्वारा दी गई राशि से खुश हैं। लेकिन जिन आदमियों का नुकसान नहीं हुआ है वे ही अनर्गल बातें कह रहे हैं। वे कुछ भी कहें हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूँगा कि जिन किसानों का बारिश और ओलावृष्टि से नुकसान हुआ है उनको चाहे तो को–आप्रेटिव सोसायटी से या फिर दूसरे किसी सरकारी भण्डारों से बढ़िया अनाज देने का प्रावधान करें। इसके साथ ही उनको अगली फसल की बोआई के लिए सरकारी सोसाइटियों से अच्छे बीज देने का प्रावधान करें। इसके अलावा सिरसा रैली में जो मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की थी कि जो किसान अपना मूल अमाउन्ट 30 जून, 2007 तक जमा करवा देगा उसका सारा व्याज माफ कर दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से

सरकार से निवेदन है कि यह जो ओला–वृष्टि और बारिश हो गई है उससे किसानों का नुकसान हो गया है उनकी फसलें बरबाद हो गई हैं इसलिए यह जो तारीख सरकार की तरफ से 30 जून, 2007 तक दी है उसको बढ़ाकर 30 जून, 2008 तक करने का कष्ट किया जाए। यही मेरा मुख्यमंत्री जी से निवेदन है। इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहूँगा कि मेवात का इलाका बहुत पिछड़ा हुआ है और वहाँ पर लोग बहुत पिछड़े हुए हैं।

श्री अध्यक्ष: आप अपने हल्के की बात करें।

श्री हर्ष कुमार: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने सबसे ज्यादा समय उस एरिये के लिए दिया है और उस एरिये की जो भी समस्याएं हैं उनको दूर करने के लिए हमारे मुख्यमंत्री जी चिन्तित हैं। वहाँ पर जिन योजनाओं की जरूरत है उनको भी वे योजनाएं देने के लिए चिन्तित हैं। अध्यक्ष महोदय, तावड हल्के में मिडखौला गांव पडता है, यह साईदा खान जी का हल्का है। वे श्रीमान जी चले गये हैं वे औम प्रकाश चौटाला जी की पार्टी के हैं। उस हल्के के मिडखोला गाँव में एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी का रिसर्च सैंटर देकर मुख्यमंत्री जी ने उस इलाके के लिए बहुत बड़ा काम किया है। मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करना चाहता हूँ। स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री धर्मबीर गाबा (गुड़गांव): स्पीकर सर, बड़ी मेहरबानी कि आपकी नजरें यहाँ पर इनायत हुई, बड़ी देर से मुझे इसका इन्तजार था। यहाँ पर हमें जो दस्तावेज फाईनैंस बिल की सूरत में मिला है मुझे उसे पढ़कर एक बात याद आती है। थोड़े दिनों पहले मुझे राजीव गांधी एजुकेशन सिटी के बारे में एक ब्रोशर मिला था। उसमें पहले पेज पर राजीव जी के बेहतरीन अल्फाज लिखे थे। उसमें लिखा था कि–

"Every young has a dream and my dream is my India should be strong, Independent and self reliance."

मैं समझता हूँ सबसे बड़ी बात यह है कि उसी नक्से पर हमारे चीफ मिनिस्टर साहब और फाईनैंस मिनिस्टर साहब चल रहे हैं और यह चाहते हैं कि हमारा स्टेट एक ऐसा मैन काईड की भलाई के लिए हो जो सबको रास्ता दिखा सके। सर, उसी रास्ते पर ये चलना चाहते हैं। मुझे खुशी इस बात की भी है कि जहाँ पहले हमारा बजट बहुत थोड़ा हुआ करता था वहाँ इसमें अब 80 परसैंट की इंक्रीज हो गयी है। स्पीकर सर, पिछली बार भी मैंने सी०एम० साहब को उनकी तीन बातों के लिए अर्ज किया था। एक तो जो एक्साइज पोलिसी के बारे में मैंने उनसे अर्ज की थी और दूसरे पानीपत की एलीब्रेटेड रोड के बारे मैंने उनसे कहा था। आज मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि जहाँ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ इक्यिल वाटर तो इन्होंने पहले ही कर दिया था लेकिन इससे भी ज्यादा खुशी मुझे इस बात की हुई है कि मेरे गुड़गाँव के अन्दर

इन्होंने फारेन प्लेसमैंट ब्यूरो बनवाया है यह ब्यूरो हमारे नौजवानों को फारैन में रोजगार देने का काम करेगा, दूसरी जो सबसे बड़ी बात हुई हैं वह यह हुई कि दिल्ली के बाहर मैट्रो रेल अगर कोई लाया है तो वह हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ही लाए हैं। इसके अलावा उन्होंने दो–दो यूनिवर्सिटीज भी खोली हैं 1 मैं इस बात के लिए भी इनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सकता कि जो हमारी गुड़गांव कैनाल है जो इस साल बनने जा रही है पहले इसकी कैपेसिटी 500 क्यूसिक की थी लेकिन अब यह कैपेसिटी बढ़ायी जा रही है। यह कैनाल सिर्फ ड्रिकिंग वाटर के लिए हीं है। मैं इसके लिए इनको दाद देता हूँ। यह अक्लमंदी और तरक्की पसंद पोलिसीज की वजह से ही हुआ है। स्पीकर सर, गुड़गांव की आबादी आज 12 लाख है साढ़े तीन लाख म्यूनिसिपल लिमिट के अंदर है और बाकी साढ़े आठ लाख बाहर की आबादी है जबकि दस लाख फ्लोटिंग आबादी गुड़गांव के अंदर है। अगर हम आज से ही इसको मेनटेन करेंगे तो मैं समझता हूँ कि किसी वक्त पर हम कामयाब हो पाएंगे। इस बात के लिए भी मैं बधाई देना चाहता हूँ कि इनकी इतनी अच्छी सोच है। मैंने पहली बार एक महापुरुष इस सदन के अंदर देखा है जो इंडस्ट्रीज और एग्रीकल्चर को साथ– साथ आगे ले जाना चाहता है, तरक्की करना चाहता है। मैं इस बात को भी नहीं भूलता कि जहाँ इंडस्ट्ररीज पनपती है, जहाँ एग्रीकल्चर पनपती है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे किसान मेहनतकश हो सकते हैं लेकिन उनके लिए तरक्की पसंद पौलिसीज बनाने की जिम्मेवारी भी हमारी

ही है। इस तरह की पौलिसीज इस सदन में हमारे मुख्यमंत्री जी के कहने से बनती है। स्पीकर सर, मैं आनरेबल फाईनैंस मिनिस्टर साहब से अर्ज करना चाहता हूँ। जो इन्होंने बताया कि हमें सैंट्रल सेल्ज टैक्स से 550 करोड़ रुपयों का नुक्सान होगा जो इफैक्टिड स्टेट हैं मैं समझता हूँ कि यह स्टेट महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और हरियाणा लै हैं। अगर यह अगले साल पैं दो हजार करोड़ रुपयों से एक हजार रुपये भी हो गये तो क्या इनके पास इसके लिए ऐसा कोई प्रावधान है कि इसको मेकअप कर पाएंगे, क्या इनके पास ऐसे कोई साधन हैं? इस बात को फाईनैंस मिनिस्टर साहब अपने जवाब में बता दें। मैं समझता हूँ कि सरकार ने एक बहुत ही अच्छा काम किया है। मेरे पास कुछ फिगर्ज हैं जो इन्होंने बनायी हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि पावर्ज में 88 परसैंट, इरीगेशन में न्य परसैंट, ड्रिकिंग वाटर में 92 परसैंट, एजुकेशन में 86 परसैंट इंक्रीज दिखायी गयी है जबकि रोड और ब्रजिज के लिए 82 परसैंट बजट बढ़ाया गया है। यह जो इतनी बड़ी उपलब्धि है यह बहुत बड़ी बात है। बहुत काम विकास के हुए हैं लेकिन इसके बावजूद भी मैं एक बात सी०एम० साहब से कहना चाहता हूँ कि हम इतना पैसा खर्च कर रहे हैं, सारा कुछ कर रहे हैं लेकिन इस सब के बावजूद इस बात को बेसिकली भूल जाते हैं कि यदि हमें बेसिक सुविधायें नहीं मिलेंगी तो हम कैसे पनप पाएंगे। इस बारे में मेरी सी०एम० साहब से गुजारिश है कि आज गुड़गांव शहर की आबादी बहुत ज्यादा हो गई है और अब तक गुड़गांव शहर के अंदर दस थाने हैं। मेरे पास इस बारे में जस्टिस खोसला की

रिपोर्ट है उसने कहा है कि जो शहर बढते जा रहे हैं अगर वहाँ पर कमिश्नर सिस्मट शुरू न किया गया तो हमारे लिए क्राइम पर कंट्रोल करना मुश्किल हो जाएगा। आज वक्त है कि हम फरीदाबाद और गुड़गांव के बारे में सोचें कि यहाँ कमिश्नर सिस्टम शुरू किया जाए ताकि हम क्राइम पर कंट्रोल कर सकें। आज के दिन गुड़गांव पुलिस इतनी अच्छी है कि हमारे यहां गैंग नाम की कोई चीज नहीं है. गुड़गांव में आज के दिन ऐसी भी कोइ घटना नहीं होती कि जिसका वजह से हम दहशत में आ जाएं। मेरी ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब से दर्खास्त है कि सीवरेज की समस्या का गुड़गांव में समाधान करें। पता नहीं इनकी नॉलेज में यह बात है या नहीं कि सीवरेज की समस्या की वजह से हड़तालें होती हैं, रोडज ब्लॉक कर दिए जाते हैं। पहले एक मकान के अंदर जहाँ पांच आदमी रहा करते थे वहाँ अब पांच की जगह पंद्रह आदमी रहते हैं और बीस किराएदार रहते हैं। सीवर वही पुराना 4 इंच का है जो कि बहुत पहले से डाला हुआ था और उस समय की आवश्यकता को ध्यान में रखकर डाला गया था। क्या उस समस्या के समाधान के लिए बजट में कोई प्रोविजन रखा गया है। सीवरेज लाइन्ज को बदलने का कार्य गुड़गांव में जरूर किया जाए। इसके लिए चाहे आप कुछ भी करें लेकिन इस समस्या का समाधान आज जरूरी हो गया है। इसके साथ ही साथ मैं एजुकेशन मिनिस्टर साहब से भी एक रिक्यैस्ट करना चाहूँगा कि आप मेहरबानी करके कॉलेज की जो जरूरियात है, गवर्नमैंट कॉलेजिज जहाँ एम०ए० तक की पढ़ाई होती हो और वहाँ लाइब्रेरी तक की सुविधा न हो तो यह हैरानी

की बात है। मैंने लिखकर भी दिया था कि कॉलेजिज में लाइब्रेरी का प्रोविजन करो. मैं विदेशों में कई यूनिवर्सिटीज की लाइब्रेरीज में गया हूँ और मैंने वहाँ लाइब्रेरी देखी हैं, वहाँ 6–6 मंजिली लाइब्रेरी बनी हुई हैं। वहाँ कम्प्यूटर लगे हुए हैं वहां से पता चल जाता है कि कोई किताब अवेलेबल है या नहीं। यहाँ लाइब्रेरी नाम की चीज नहीं। लाइब्रेरीज की इम्पोटँस आप खत्म नहीं कर सकते। मेहरबानी करके आप हमारे यहाँ भी कॉलेजिज में लाइब्रेरी का प्रावधान अवश्य करवा दीजिए ताकि हमारे जो बच्चे उन कालेजिज में पढ़ते हैं उनको किसी प्रकार की कोई दिक्कत पढ़ाई में न हो। यह मेरी आपसे गुजारिश है। जब कभी हम उन कालेजिज में जाते हैं तो स्टूडेंट्स इस बारे में बहुत डिमांड करते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, आप बैठ जाइये। आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, नेत्रहीनों के बारे में एक बहुत ही जरूरी बात कहकर मैं अपना स्थान लेता हूँ। मेहरबानी करके आप अगर नेत्रहीनों का भला करना चाहते हैं तो इस .ओर जरूर ध्यान दें और इस समस्या के हल के लिए नेत्रदान के लिए मास मूवमैंट बनाइए। आज पूरे हिंदुस्तान में करीब एक करोड़ 20 लाख अंधे रहते हैं और मुझे अफसोस इस बात का है कि पूरे हरियाणा प्रदेश में जो परसैंट है वह केवल मात्र 150 आखों की डोनेशन होती है। सबसे ज्यादा डोनेशन आध प्रदेश से हौती है जहाँ से कि 1 हजार आखों की डोनेशन होती है। वर्ल्ड

के अंदर श्रीलंका में सबसे ज्यादा यह डोनेशन होती है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस बारे में आप मास मूवमैंट बना लीजिए। यह बहुत ही बड़ा धर्म का और पुण्य का काम है।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting of the House be extended by 5 minutes?

Voices: Yes,

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by 5 minutes.

जांच आयोग की रिपोर्ट सदन की मेज पर रखना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will lay on the Table of the House the Report of Commission of Enquiry (K.S. Bhalla Commission) Relating to creation of Haryana State Industrial Security Force alongwith memorandum of action taken report, as required under sub-section (4) of section 3 of the Commission of Enquiry Act, 1952.

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से जांच आयोग अधिनियम, 1952 की धारा 3 की उप–धारा (4) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल बनाने तथा उस पर की गई कार्यवाही की रिपोर्ट के ज्ञापन के संबंध में जांच आयोग (के०एस० भल्ला आयोग) की रिपोर्ट सदन की मेज पर रखता हूँ।

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned till 9.30 A.M. Wednesday, the 21st March, 2007.

***14.01 Hrs.**

(The Sabha then adjourned till 9.30 A.M. Wednesday, the 21st March, 2007).